प्रयास

सपनों को सच करने का....

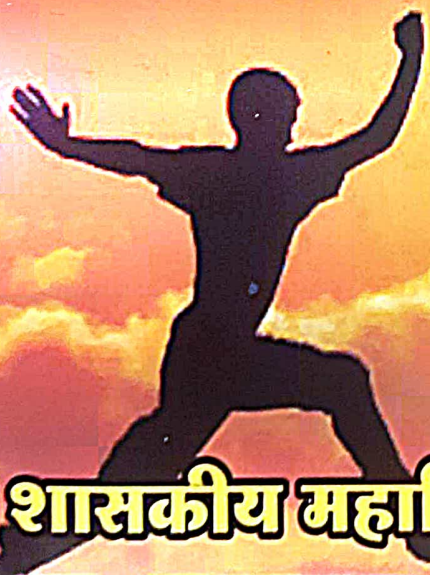

राजा भोज शासकीय महाविद्यालय कटंगी
जिला- बालाघाट (म.प्र.)

संपादक मंडल

महाविद्यालय परिवार

वृक्षारोपण

वार्षिक सम्मेलन में विधायक द्वारा दीप प्रज्जवलित करते हुए।

राजा भोज शासकीय महाविद्यालय कटंगी

जि. बालाघाट (म.प्र.)

प्रयास पत्रिका

2019-20

सप्तम अंक

:: प्राचार्य एवं संरक्षक ::

प्रो. अनिल कुमार शेन्डे

:: सम्पादक मण्डल ::

डॉ. कुसुमलता उइके

प्रो. कविता अहिगारे

श्रीमती शुभ्रा तिवारी

:: कार्यकारिणी समिति ::

डॉ. निखत खान

डॉ. इन्दु डावर

प्रो. स्वप्निल सुरेश पाटिल

प्रो. पवन सोनी, प्रो. भीवेन्द्र धुर्वे

अनुक्रमणिका

	पेज नं.	संकलनकर्ता/लेखक
संदेश	1	श्री टामलाल सहारे
प्राचार्य की कलम से...	2	प्रो. अनिल कुमार शेण्डे
शुभकामना संदेश	3	कलेक्टर महोदय जी
भारत मां की वंदना	4	.....
सम्पादकीय	5	डॉ. कुसुमलता उइके, सुश्री कविता अहिगारे
मैसेज बाय द ग्रेट लीडर	6	लुभावना कटरे
विद्यार्थी जीवन में नियोजन का महत्व	6	डॉ. इन्दु डावर
महेश्वरी का किला	7	अंकिता ठाकरे
युवाओं के लिये	7	अवलेश पारधी
दोस्ती	8	रजनी मेश्राम
किताबें न जानें अब कहाँ खो गई	9	डॉ. प्रभात सिंह ठाकुर
भगवान कहते हैं	9	शिवानी मानेश्वर
अनमोल विचार	10	.....
कामयाब होने के 9 नियम	10	.....
माइक्रोसाफ्ट ऑफिस	11	रोशनी अगासे
भारतीय संविधान	11	रोशनी अगासे
सुविचार	12	पल्लवी भैरम
लॉर्ड बुध्द	13	आदित्य मेश्राम
सामान्य तथ्य	14	रविन्द्र मरकाम
शिक्षक के लिये	14	रविन्द्र मरकाम
मेरे गुरु की महिमा	15	सालिकराम पंचेश्वर
माँ	15	मोनिका देशमुख
जीवन दर्शन/सुविचार	16	कु. गीता पटले
पापा की प्यारी बेटी	16	निरंजा नागेश्वर
पर्यावरण संरक्षण और अंतर्राष्ट्रीय चेतना	17	डॉ. निखत खान
सामान्य ज्ञान	18	अज्ञेय कुमार
मैनेजमेंट लेशन	19	चन्द्रकान्त तिवारी
नारी दशा / नशा मुक्ति	20	हर्ष रायकर
कम्प्यूटर (फुल फॉर्म)	20	शकुन्तला राऊत
वनस्पति शास्त्र विभाग	21	प्रो. सुरेश रावत
खुद को जानें / एक पिता व पुत्र का रिश्ता	22	अभिषेक राहंगडाले
हिन्दी भाषा में रोजगार के अवसर	23	सुश्री कविता अहिगारे
मेथेमेटिक्स	23	वैष्णवी हरिनखेड़े
अनमोल वचन	24	सुलोचना खरे
प्यारी सी कविता	25	होलिका बागड़े
बेटियाँ	25	निकिता काकरे
नारी की महानता	26	रोशनी बिसेन
काश जिंदगी सचमुच किताब होती	26	अंजली कोसरे
कामयाबी की शायरी	27	दिव्या सोनवाने
मिट्टी	27	दिप्ती विश्वकर्मा
सुविचार	28	शीतल शरणागत
संविधान के भेद अथवा प्रकार	29	वैभव पारधी
सुविचार	30	जितेश्वरी

	पेज नं.	संकलनकर्ता/लेखक
हिन्दुस्तान खतरे में है...	30	रोशनी कोसरे
कौआ और साधु की कहानी	31	मनीषा मंघाते
सुविचार	32	तीजन कंगाली
समय की महिमा	32	रोहित कुमार मसराम
मनुष्य से संबंधित जानकारी	33	प्रियंका गढ़पाल
अनमोल वचन	33	सविता पटले
सुविचार	34	सुनिता मर्सकोले
चतुर तोता	34	अरुणा गेड़ाम
जीव विज्ञान की जंतुओं से संबंधित शाखाएं	35	प्रियंका गढपाल
जीव विज्ञान की पादपों से संबंधित शाखाएं	36	प्रियंका गढपाल
प्रमुख पदाधिकारियों के पद ग्रहण की न्यूनतम आयु	36	योगमाया यादव
नारी शक्ति	37	श्रीमती अनिता देशमुख
माँ	37	पायल राहंगडाले
सुविचार	37	संध्या नेवारे
गुड्स एण्ड सर्विस टैक्स	38	साक्षी बिसेन
माँ	38	पायल गौतम
सामान्य ज्ञान	39	राकेश कुमार मरकाम
खेल संगठनों के प्रमुख	40	रितु मर्सकोले
सुविचार	41	कु. दिव्या टेम्भरे
कुछ विशिष्ट जन्तु	42	कुमारी माहेश्वरी बोपचे
सुविचार	42	कुमारी संध्या पटले
भारत के राज्य, राजधानी एवं मुख्यमंत्री	43	मनोज आमाडारे
भारत के कुल राज्य एवं उनके जिलों की संख्या	44	मनोज आमाडारे
जी.एस.टी.	44	कुमारी पल्लवी वारके
सामान्य ज्ञान	45	रोशनी बिसेन
मेरे पापा / हमारा हिन्दुस्तान	46	काजल चौरसिया
रुप महान या गुण महान	46	पूजा तिवारी
बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ	47	कुमारी भारती गौतम
जिन्दगी के मैदानों में	47	पीयूष बोरकर
मेरी माँ	48	अरुणा सोनवाने
गुरु और समुद्र	48	कुमारी रागिनी चौधरी
शायरी	49	पीयूष बोरकर
कविता	49	दिव्या बिसेन
नारी सशक्तिकरण / दिल का दर्द	50	जाग्रति पटले
बेटी / सामान्य ज्ञान	50	प्रियंका घोड़ेसवार
माता – पिता को भूलना नहीं	51	अनुराधा पटले
डॉ. भीमराव आम्बेडकर की जीवनी	51	दिक्षा वासनिक
सत्य के प्रयोग	52	वर्षा अगासे
शिक्षा का महत्व	52	अनन्त कुमार साकेत
अंग्रेजी सीखें	53	प्रिया राठौर
कुछ पंक्तियाँ / पहेलियाँ	54	.....
बहुत सुन्दर संदेश / अनमोल वचन	55	नीतु धुर्वे

	पेज नं.	संकलनकर्ता/लेखक
लक्ष्य प्राप्ति के उद्देश्य	56	प्रियंका गभने
सुविचार	56	राहुल कनौजिया
चन्द्रयान मिशन 2 के विषय में मुख्य जानकारी	57	रोशनी राहंगडाले
वाह रे जिंदगी	57	कुमारी प्रेमलता उयके
राष्ट्र देशभक्ति	58	अनिल पटले
हाँ बहुत अच्छा लगता है।	58	खुशबु बिसेन
हसगुल्ले	59	रोशनी चौधरी
मंजिल पाने के लिए पहले लक्ष्य तय करें	59	अरुचि बिसेन
सुविचार	60	दिपीका साकरे
हिम्मत और साहस	60	सुरेखा वासनिक
सुविचार	60	प्रीति ठाकरे
असफलता सफलता आईना	61	.....
संविधान निर्माता की प्रक्रिया	61	पूजा मरठे
शायरीयाँ	62	दिया शरणागत
उसे भी गगन में उड़ने दो	62	अंशु बिसेन
सौरमण्डल / विश्व की प्रमुख झीलें	63	कुमारी रुपा सेंदरे
स्थानों के भौगोलिक उपनाम / म.प्र. प्रमुख तथ्य	63	.....
सुविचार	64	राहुल ईडपाचे
भारत देश से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ	64	सुनाक्षी पन्दरे
शिक्षक का ज्ञान	65	आरती पन्दरे
इंसान जाने खो गये है।	65	कुमारी सीमा टेकाम
गुरु की महिमा	65	सुरेखा अडमेचा
अच्छे विचार	66	चित्ररेखा भलावी
कितना अजीब है न...	66	ऑचल कटरे
विद्यार्थी जीवन	67	भुवनेश्वरी कटरे
रियल नॉलेज वर्ल्ड	67	प्रिया राऊत
प्यारी सी बातें	68	आयुषी मानकर
सबसे अधिक फसलों के उत्पादन वाले राज्य	68	अभिषेक नागवंशी
समय का मोल	69	आरजू बिसेन
राज्यों का गठन वर्ष	70	.....
कुछ महान कार्यों से संबंधित व्यक्ति	70	कुमारी माया नेवारे
डर के आगे जीवन है।	71	कुमारी याश्मिन वट्टी
भारत का संविधान	71	दिक्षा पंचतिलक
विद्यार्थी के दोहे	72	कुमारी खुशबु सुलाखे
स्त्री	72	जयश्री मरकाम
हसगुल्ले - रसगुल्ले	73	भारती ठाकरे
किनारे	73	कुमारी आरती सोनी
निश्चित ही सफलता मिल जायेगी	74	हरित पिछोड़े
कोटेशन	75	दुर्ग मेश्राम
सफलता के लिये विद्यार्थी कोध्यान रखनी चाहिये ये बातें	75	विशाल पटले
देश की सेवा	76	आकाश राहंगडाले
कर्तव्य अभिप्राय और प्रकार	77-78	डेलेन्द्र गौतम

	पेज नं.	संकलनकर्ता/लेखक
आज का मीठा मोती	79	नीलू कोकोड़े
जनरल नॉलेज	80	पायल बरमैया
सुविचार / कविता	80	.....
सफल मानव जीवन	81	निकिता पटले
हम तुम बहुत पुराने साथी	81	चारु शरणागत
बॉयोलॉजी	82	हेमलता चौधरी
10 आदतें जो बना सकती है, आपको....	82	शशी कुमार कुडापे
माँ की तस्वीर	83	.....
भारत की नदियों की लंबाई	84	संजय सुलाखे
छोटे कदम से सफर	84	मनिषा राहंगडाले
जीने की कला / जीवन क्या है / चुटकुले	85	ऑचल कटरे
शुध्द प्रेम के सत्य विचार	86	दिव्या पंचतिलक
सुविचार	86	जितेन्द्र बोपचे
खेल, स्वास्थ्य और कैरियर	87–88	अधीर कुमार घोड़ेश्वर
नैतिक शिक्षा का महत्व	88	जागृति गिरी
समय को नष्ट करती हैं चीजें / जनरल नॉलेज	8990	हेमलता चौधरी
सुविचार	91	करिश्मा उके
सुविचार	91	सोनिया मेश्राम
अमेजिंग फैक्ट अबाऊट गर्ल्स	92–93	हेमलता चौधरी
नारी की महानता	93	पूर्णिमा भगत
जिंदगी का सच	94	श्रध्दा विश्वकर्मा
मजेदार चुटकुले	95	वैशाली सुकदेवे
सुविचार / अनमोल वचन	96–97	विद्या चौरे
समरी	98	टैनू परिहार
कैरियर	98	फिरोज शेख
सुविचार	99–100	प्राची पटले
मेरे सपने	101	अश्विनी हनवत
क्रीड़ा विभाग	102	श्री अधीर घोड़ेश्वर
महाविद्यालय के गौरव	103	श्री सी.के. तिवारी
युवा उत्सव 2019–20	104	श्री दीपेन्द्र हिरकने
प्रकृति और मानव पर प्रभाव	105	सुश्री कविता अहिगारे
महाविद्यालय परिवार	106–107	

टामलाल सहारे
विधायक
विधानसभा क्षेत्र–कटंगी क्र.– 113
जिला – बालाघाट
(म.प्र.)

निवास – नवेगांव
पो. तुमसर (छोटा)
तह. तिरोड़ी (कटंगी)
जिला– बालाघाट (म.प्र.)
मोः 8435663238, 9407098349

शुभकामना संदेश

यह जानकर प्रसन्नता हुई कि राजा भोज शासकीय महाविद्यालय कटंगी में महाविद्यालयीन पत्रिका "प्रयास" के सप्तम अंक का प्रकाशन किया जा रहा है।

मुझे आशा है, कि प्रयास पत्रिका महाविद्यालय के छात्र – छात्राओं के सर्वांगीण विकास में सहायक सिध्द होगी तथा इन्हें नई दिशा देकर अपनी सार्थकता सिध्द करेगी।

महाविद्यालयीन पत्रिका "प्रयास" के प्रकाशन पर मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

टामलाल सहारे
विधायक कटंगी
जिला – बालाघाट (म.प्र.)

अध्यक्ष
जनभागीदारी समिति
राजा भोज शासकीय महाविद्यालय
कटंगी, बालाघाट

शुभकामना संदेश

प्राचार्य की कलम से...

सन् 2019 -20 "प्रयास" पत्रिका का अनवरत रूप से प्रकाशन महाविद्यालय के लिए बहुत सार्थक प्रयास है। स्टाफ के सदस्यों का अकादमिक कार्य प्रतीत होकर छात्र / छात्रों के विकास मे एक नयी दिशा प्रदान होगी अध्यापक कार्य के प्रति अतिरिक्त छात्रों के नवीन विचार उत्पन्न होकर आलेख के रूप मे प्रस्तुतीकरण एक - दूसरे मे समन्वय का स्वरूप निर्मित होगा।

महाविद्यालय के सदस्यों एवं छात्रों का आभार व्यक्त करते हुये खुशी हो रही है उनके अथक प्रयासो से ही पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

शुभकामनाओ के साथ ....

प्रो. अनिल कुमार शेन्डे
प्रभारी प्राचार्य
शासकीय कला महाविद्यालय
कटंगी, बालाघाट

फोनः (07632) 240150 / 240250 (का.)
240660 (नि.)
240250 (फै.)
E-mail: dmbalaghat@mp.nic.in
Website: www.balaghat.nic.in

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, बालाघाट, मध्यप्रदेश

शुभकामना संदेश

प्रसन्नता का विषय है, कि राजा भोज शासकीय महाविद्यालय कटंगी, जिला - बालाघाट द्वारा महाविद्यालयीन पत्रिका "प्रयास" के 7 वें अंक का प्रकाशन किया जा रहा है।

पत्रिकायें निःसंदेह विद्यार्थियों में साहित्यिक, नैसर्गिक एवं बौध्दिक विकास में सहायक होती है। साथ ही महाविद्यालय को अपनी वार्षिक गतिविधियों को प्रस्तुत करने का अवसर भी प्रदान करती है।

मैं महाविद्यालयीन पत्रिका "प्रयास" के 7 वें अंक के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

(दीपक आर्य)
कलेक्टर, बालाघाट

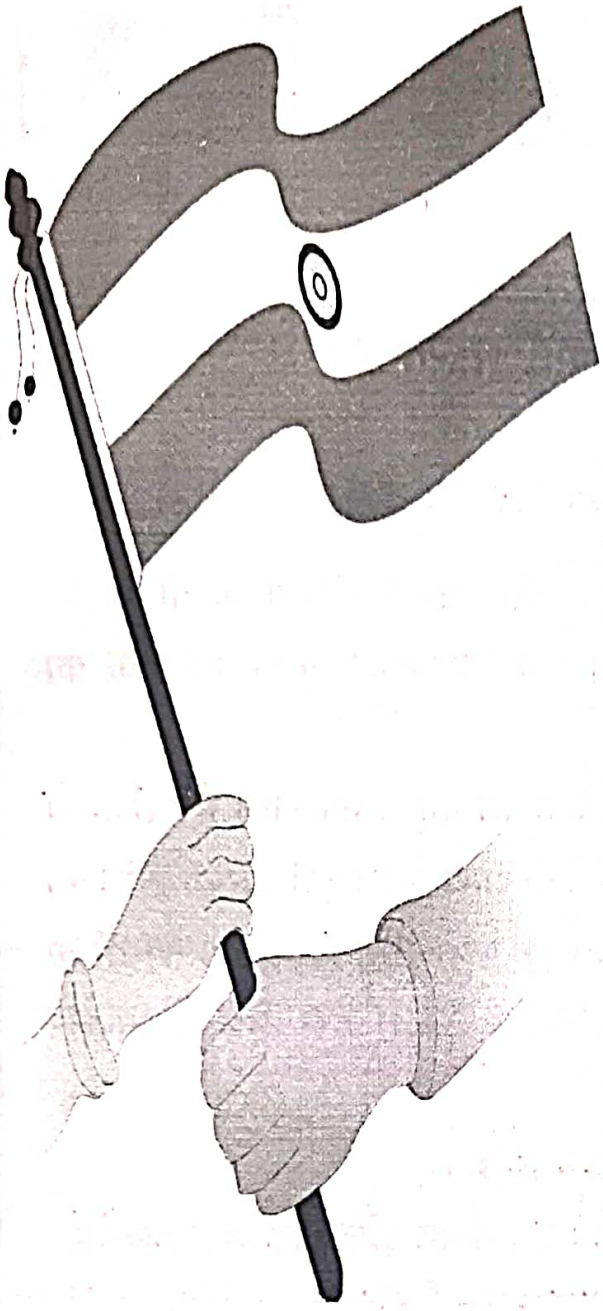

भारत माँ की वंदना

हे भारत भूमि महान,
तुझे हम करें कोटि प्रणाम ।

निर्मल पावन इस आँचल में,
हे माँ तुझे प्रणाम ।।

भारतमाता जग विख्याता,
तेरा वंदन अभिनंदन ।
जग में ऊँचा नाम रहेगा,

हो युग-युग तक जग वंदन ।
विश्व गुरु की कीर्ति पताका,
रहे सदा सम्मान ।

हे भारत भूमि महान ।।
हे भारत भूमि महान,
तुझे हम करें कोटि प्रणाम ।
निर्मल पावन इस आँचल में,
हे माँ तुझे प्रणाम ।

जगवंदन तेरा अभिनंदन
गाते रहें ये गान ।
हे माँ तुझे प्रणाम..... ।।

संपादकीय

पग - पग प्रकाश की जरूरत है,
पल - पल उल्लास की जरूरत है ।
दूर नही सफलता की मंजिल
मात्र आत्मविश्वास की जरूरत है ।।

यह अत्यंत गौरव का क्षण है, कि राजा भोज शासकीय महाविद्यालय कटंगी जिला-बालाघाट में वर्ष 2019-20 हेतु महाविद्यालय की पत्रिका "प्रयास" के सप्तम अंक का प्रकाशन किया जा रहा है।

किसी भी महाविद्यालय की पत्रिका उस महाविद्यालय का दर्पण होती है। उसी से महाविद्यालय की सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ साहित्यिक रूचि का भी पता चलता है। प्रयास पत्रिका अभिव्यक्ति इस बात का प्रमाण है, कि यहाँ विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के लिए महाविद्यालय परिवार प्रतिबध्द है। वे इस क्षेत्र में निरंतर सकारात्मक प्रयास कर रहें है।

इस आशा के साथ यह पत्रिका अवश्य ही शिक्षा प्रद रहेंगी।

"जिंदगी की असली उड़ान अभी बाकी है। हमारे इरादों का इम्तिहान अभी बाकी है। अभी तो नापी है, मुट्ठी भर जमीं हमने। अभी तो सारा आसमां बाकी है।

पत्रिका में प्रकाशित माननीय शुभ संदेश दाताओं लेखो प्रतिवेदनों तथा प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से अधिकारी, कर्मचारी मुद्रण हेतु सहयोग के लिए आप सभी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते है।

सुविज्ञ पाठकों एवं प्रबुध्द वर्ग की।
हार्दिक सद्भावनाओं की अपेक्षा सहित ।।

डॉ. कुसुमलता उइके
संपादक

सुश्री कविता अहिगारे
सह - संपादक

MASSAGE BY THE GREAT LEADERS

1) " Dont take rest ofter your first victory because if you fail in second ; mare lips are waiting to sey that your first victory was just luke"

-A.P.J. ABDUL KALAM

2) Ano uttereal from the deepest conviction is better than a 'yes' merely uttered to please or worse ' to avoid trouble.

- MAHATMA GANDHI

3) " The greatness of a nation and its moral progress can be judged the way it's animals are treated "

- MAHATAMA GANDHI

4) If you talk to a man in a language , that goes to this head . If you talk to him in his language , that goes to his heart.

- NELSON MANDELA

5) After climbling a great hill,one only finds that there are many more hill to climb

- NELSON MANDELA

LUBHAVANA KATRE
B.SC. TH YEAR

विद्यार्थी जीवन में नियोजन का महत्व

विद्यार्थी के जीवन में नियोजन का महत्व ठीक वैसा ही है जैसा समुद्र में चल रहे जहाज के लिए दिशा सूचक यंत्र का होता है।

जिस प्रकार अगर दिशा सुचक यंत्र के न होने से जहाज समुद्र में भटक कर अपने गंतव्य स्थान तक नहीं पहुँच जायेगा।

विद्यार्थी जीवन में अगर नियोजन रूपी यंत्र नही होगा तो विद्यार्थी अपने निर्धारित लक्ष्य तक नहीं पहुँच पायेगा। या अपने लक्ष्य को समय पर प्राप्त नहीं कर पायेगा।

नियोजन के द्वारा विद्यार्थी पूर्व में ही यह तय कर लेता है कि लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कौनसा कार्य कब, कैसे और किस समय तक उसे पूरा करना है। नियोजन के अनुसार अगर विद्यार्थी अपना अध्ययन कार्य करता है तो वह अपने लक्ष्य को समय पर प्राप्त कर लेता है।

जिस प्रकार समुद्र में चल रहा जहाज अपने दिशा सूचक यंत्र के सहारे आगे बढ़ता रहता है,चाहे जितने तुफान समुद्र में आते रहे। उन तुफानी लहरों से लड़ते हुए । वह जहाज आगे बढ़ता ही जाता है और अपने निर्धारित स्थान पर पहुँच जाता है, उसी प्रकार विद्यार्थी जीवन में भी ऐसी अनेक समस्याएँ आती है लेकिन विद्यार्थी को अपनी उन समस्याओं से लड़ते हुए, नियोजन के अनुसार अपने अध्ययन कार्य को करते रहना है और अपने लक्ष्य तक पहुंचाना है।

विद्यार्थी का विकास है, गतिशील चक्र समान,
ज्यों - ज्यों घुमे ज्ञान से, व्यक्तित्व बनें महान।।

डॉ. इन्दु डावर
सहा. प्राध्यापक (वाणिज्य)

महेश्वरी का किला

कितना सुन्दर दुढ किला,
हमे विरासत में मिला,
शांत और चुपचाप खड़ा
महेश्वर का अचल किला।

1. राज राजिनी अहिल्या बाई,
सेवा भाव की मुर्ति कहलाई।
प्रजा सेवा में नतमस्तक रहती,
देवी मॉ का मान है पाई,
महेश्वर का सम्मान बड़ा... शांत और...।

2. होल्करो को यादे इसमें,
जो कभीनही, किसी के बस में।
आये नही खाते थे कसमें।।
शिवजी का सत्कार कड़ा... शांत और...।

3. सहस्त्र बाहू की निरंजन ज्योति,
सहस्त्र वर्षो से, बहती पोथी।
महेश्वर की नगरी, महिष्मति,
कितना निर्मल, कितिना फल देती।
भारत का सतभाव जुड़ा... शांत और...।

4. इस किले में, शिव शिवाले,
खटट्-पटट् करते - चरखे न्यारे।
पतलुन, साड़ी बुनकर सारे,
पुरातन की स्मृति कराते।।
देश-विदेश में शान बड़ा ... शांत और ...

5. नर्मदा की उज्जवल धारा,
महेश्वर के, चरण पखारा।
किले से सटा, घाट अति प्यारा,
जन के हित करे पसारा,
हिमालय सा अटूट खड़ा... शांत और...।

अंकिता ठाकरे
बी.एस सी प्रथम वर्ष

युवाओं के लिये

किसान को कृषक भी कहा जाता है। वह एक ऐसा व्यक्ति है। जो कृषि से जुड़ा हुआ होता है।

किसान का काम फसल, धागो, दाख की बारिया मुर्गी पालन या अन्य पशुधन को बढ़ाने का है। किसान को अन्न दाता भी कहा जाता है।

मैं हूँ एक किसान का बेटा,
शहर को क्या करने जाउँगा,
सुख दुख सब सहकर मैं,
जननी जन्मभूमि की सेवा मे
जीवन अपना लगाउँगा ,
मैं हूँ एक किसान का बेटा
सुने है चर्चे मैने भी शहरो के
करते है नौकरी मर मर के
चाहे हो त्यौहार या बीमार
छोड़ के अपना घर परिवार
दिवस रोज एक साथ बिताते है।
मै हूँ एक किसान का बेटा
बेहतर है अपने ही गांव की मिट्टी में
ऊगाउंगा कुछ ऐसी फसले
फैलेगी खुशबू शहरों तक
जन-जन की भूख मिटाएगी
फिर हो प्रसन्न धन की देवी
अद्भुत सुख रोपदा बरसा देगी।
मै हूँ एक किसान का बेटा.....
खुद की नई पहचान बनेगी
भीड़ शहरो से गांवो में बढ़ेगी
चर्चा चलेगी ऐसी चारो और
गर्व करूगां अपने कर्मो पर
मै हूँ एक किसान का बेटा
शहर को क्या करने जाऊँगा।

जय जवान जय किसान

अवलेश पारधी
एम.ए.(समाजशास्त्र)

दोस्ती

1. किसी ने मुझसे पूछा कि
आपको साल में
सौ दोस्त वनाने है,
एक साल वाद उसने
मुझसे पूछा कि
कितने दोस्त वनाए

मैंने कहा
एक साल मे सौ दोस्त नहीं
वल्कि सौ साल के लिए
एक दोस्त वनाया है।
जिंदगी एक रात है,

जिसमे ना जाने
कितने ख्वाव हैं
जो मिल गया
वो अपना हैं,
जो टुट गया वो
सपना हैं।

2. कोई दोस्त कभी
पुराना नहीं होता
कुछ दिन वात करने से,
कुछ दिन वात करने से
वेगाना नही होता

दोस्ती में दूरी तो
आती रहती है।
पर दूरी का मतलव
भुलाना नहीं होता।

3. मुझे नही पता कि मैं एक
वेहतरीन दोस्त
हूँ या नही।
लेकिन मुझे पूरा यकीन हैं कि
जिनके साथ मेरी दोस्ती हैं
वे वहुत वेहतरीन हैं।

न जाने सालो वाद
कैसा समा होगा
हम सव दोस्ती में से
कौन कहा होगा।
लकीरे तो हमारी भी
वहुत खास है
तभी तो तुम जैसा दोस्त
हमारे पास है।

4. अगर विकी तेरी दोस्ती
तो पहले खरीददार हम होंगे।
तुझे खवर ना होगी
तेरी किमत की
पर तुझे पाकर सवसे अमीर
हम होंगे।

दोस्त साथ हो
तो रोने मे भी शान है
दोस्त ना है,
तो महफिल भी शमशान है
सारा खेल
दोस्ती का है मेरे दोस्त
वरना जनाजा और वारात
एकी ही समान है।

रजनी मेश्राम
वी. एस. सी. द्वितीय वर्ष

॥ किताबें न जाने अब कहाँ खो गई ॥

अलमारी के किसी कोने में सो गई
किताबें न जाने अब कहाँ खो गई
पुस्तकालय की शान होती थी जो
धूल की परतों के नीचे गुम हो गई
नया दौर है और बदल रहा है जमाना
किताबों का समय तो हुआ अब पुराना
इंटरनेट का है अब हर कोई दीवाना
इंटरनेट के मायाजाल में ही खो गई
मोबाइल ने ले ली किताबों की जगह
यही तो है उनके गुम होने की वजह
मोबाइल ही गुरू है, हर कोई उसका चेला
इस नए रिश्ते का शिकार ही हो गई
किताबें न जाने अब कहाँ खो गई
किताबें न जाने अब कहाँ खो गई।।

डॉ.प्रभात सिंह ठाकुर
लाइब्रेरियन

भगवान कहते हैं...

1. भगवान कहते है, तलाश न करो जमीन को
आसमान की गर्दिशों में अगर तेरे दिल मे
नही हूँ तो कही नही हूँ मै।

2. ये जरूरी नही है कि इंसान मंदिर जाने
से धार्मिक बन जाये इंसान के कर्म ऐसे
होना चाहिये कि वह जहां भी जाये वहॉ मंदिर बन जाये।

3. बेहतर से बेहतर तलाश करो नदी मिल जाये
तो समुंदर तलाश करो शीशे को तो हर
पत्थर तोड़ देता है पत्थर को तोड़ दे ऐसा शीशा तैयार करो।

4. विद्या ज्ञान देती है नम्रता मान देती है योग्यता
स्थान देती है अगर ये तीनो मिल जाये तो
मनुष्य को हर जगह सम्मान देती है।

5. शिक्षक और समुद्र की गहराई समान होती है
फर्क इतना है की समुद्र की गहराई में
इंसान डूब जाता है और शिक्षक की
गहराई मे इंसान तर जाता है।

शिवानी मानेश्वर
बी. कॉम द्वितीय वर्ष

अनमोल विचार

1. " बिना साहस के आप इस दुनिया मे कोई काम नही कर सकते है,
साहस ही दिमाग की महानतम विशेषता है"

- अरस्तु

2. खुद को कमजोर समझना, सबसे बड़ा पाप है।

- स्वामी विवेकानन्द

3. अच्छे शब्दो के प्रयोग से, बुरे लोगो का भी दिल जीता जा सकता है।

- भगवान बुध्द

4. **Education is the most powerful weapon
which you can use to change the world**

- Nelson mandela

5. " सफलता, सिर्फ ढेर सारे पैसे कमाना नही है।
आपकी सफलता है आप का खुद पर विश्वास
कि आप कभी भी पैसा कमा सकते है।"

- गंरूदेव श्री रवि शंकर

6. Dear girls एक अमीर पति ढूंढ कर उससे जीवन भर दबने से अच्छा है,
आप खुद अपने जीवन मे सफल हो जाएं ताकी आपको कोई दवा ना सके।

- मेरे विचार

कामयाब होने के 9 नियम

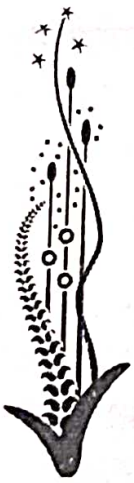

1. समय के पाबंद बने।
2. खुद को मजबूत और बेहतर समझे।
3. पहले सुने और बाद मे बोले।
4. सकारात्मक रहें।
5. खुद को शांत रखे।
6. हमेशा सीखते रहे।
7. रोजाना एक्सरसाइज करें।
8. दूसरे की प्रशंसा भी करे।
9. समय का इंतजार ना करे।

**Every successful person has a painful story,
Every painful story has a successful ending.
Accept the pain and get ready for success.**

माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस SHORTCUT KEY

1.	Ctrl + A	–	सारा डाटा सिलेक्ट करने के लिए
2.	Ctrl + B	–	डाटा BOLD करने के लिए
3.	Ctrl + C	–	COPY करने के लिए
4.	Ctrl + D	–	FONT STYLE करने के लिए
5.	Ctrl + E	–	सिलेक्ट कन्टेन्ट (सामग्री)को CENTER मे लाने
6.	Ctrl + F	–	FIND के लिए
7.	Ctrl + G	–	किसी भी पेज पर जाने के लिए
8.	Ctrl + H	–	किसी भी कन्टैन्ट को हटाकर दुसरा कन्टैन्ट लाने
9.	Ctrl + I	–	ITALIC करने के लिए
10.	Ctrl + J	–	सिलेक्ट शब्दो को एकसार करने के लिए
11.	Ctrl + K	–	HYPERLINK करने के लिए
12.	Ctrl + L	–	सिलेक्ट शब्दो को बायी ओर लाने के लिए
13.	Ctrl + 2M	–	MOVE करने के लिए
14.	Ctrl + N	–	NEW FILE खोलने के लिए
15.	Ctrl + O	–	SAVE FILE खोलने के लिए
16.	Ctrl + P	–	PRINT करने के लिए
17.	Ctrl + Q	–	OPEN FILE को बन्द करने के लिए
18.	Ctrl + R	–	पैराग्राफ को राईट की ओर करने के लिए
19.	Ctrl + S	–	फाइल को SAVE करने के लिए
20.	Ctrl + T	–	HANGING INDENT
21.	Ctrl + U	–	शब्दो को UNDERLINE करने के लिए
22.	Ctrl + V	–	PASTE करने के लिए
23.	Ctrl + W	–	किसी भी कंटैन्ट को कट करने के लिए
24.	Ctrl + Y	–	REDO करने के लिए
25.	Ctrl + Z	–	UNDO करने के लिए

भारतीय संविधान

1	अनुच्छेद 1	–	संघ राज्य नाम क्षेत्र
2.	अनुच्छेद 2	–	नये राज्यो का गठन
3.	अनुच्छेद12-35	–	मूल अधिकार
4.	अनु. 14	–	विधि के समझ समानता
5	अनु. 17	–	अस्पृश्यता का अंत
6.	अनु. 9 (1)क	–	प्रेस की स्वतंत्रता
7.	अनु. 21	–	प्राण एवं दैहिक स्वंतत्रता
8.	अनु. 23	–	वाल श्रम प्रतिषेध

9.	अनु.36-51	-	राज्य के नीति निदेशक तत्व
10.	अनु.40	-	ग्राम पंचायतो का संगठन
11.	अनु 45	-	वच्चो के लिए निःशुल्क शिक्षा
12.	अनु. 51	-	मूल कर्त्तत्य
13.	अनु. 52	-	भारत के राष्ट्रपति
14.	अनु.54	-	भारत के राष्ट्रपति का निर्वाचन
15.	अनु.61	-	राष्ट्रपति पर महाभियोग
16.	अनु.72	-	राष्ट्रपति को क्षमादान की शक्ति
17.	अनु. 74	-	भारत के प्रधानमंत्री
18.	अनु. 79	-	संसद का गठन
19.	अनु.80/81	-	राज्य /लोक सभा का गठन
20.	अनु.85	-	लोकसभा का विघटन
21.	अनु.108	-	संसद का संयुक्त अधिवेशन
22.	अनु.244	-	अनुसुचित जाति तथा जनजाति
23.	अनु. 280	-	वित्त आयोग
24.	अनु. 324	-	निर्वाचन आयोग का उल्लेख
25.	अनु. 300	-	जनजाति के आरक्षण

रोशनी अगासे
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

सुविचार

1. यदि आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में विफल हो रहे हो तो अपनी रणनीति बदले, लक्ष्य नहीं।

2. ना हथियार से मिलती है.....
ना अधिकार से मिलती है
दिलों मे जगह हमारे "व्यवहार" से मिलती हैं.....

3. संघर्ष करते हुए मत घबराना
क्योंकि संघर्ष के दौरान ही ,
इंसान अकेला होता है,
सफलता के बाद तो सारी
दुनिया साथ होती है.....

4. पहाड़ चढ़ने वाला झुक कर, पहाड़ चढ़ता है
और उतरने वाला अकड़ कर ,
इसलिए जो व्यक्ति झुक रहा है,
वो पहाड़ चढ़ रहा है
और जो अकड़ रहा है
वो बड़ी तेजी से नीचे आ रहा है।

5. "असफलता और सफलता
दोनों ही अवस्थाओं में लोग
तुम्हारी बातें करेंगे,
सफल होने पर प्रेरणा के रूप में
और असफल होने पर सीख के रूप में है।

पल्लवी भैरम
बी.ए.द्वितीय वर्ष

LORD BUDDH

" There arose a soul princely
before Christ in the sixth century
to receive the Hindu religion mighty
of India the ancient country"
"He was a great reformer
born to suddhodene his father
and maya his devoted mother
to shine on their cap as a father"
"born in a grove lumbini
at the bank of river rohini
near kapilavastu, a small city
with in the nepal vicinity"
"the king's astrogers told
oh king on day this child
the monk's role,he's sure to take,
A new religious order to make".
"the sight of an old man
or of a diseased man
or a monk or a dead man
never by him to be seen".
of these fous any one sight
would change his futers bright
so keep him out of its sight
guand him well day and night"
his fortress was reinfurced
the guaeds were cretioned
note to let the prince go outside
and allow his stroll roadside".
"the king took every pain
to see that his son remain
as a prince he wished to be
and as a monk not to be".
out from the king's pleace
sliped the grown up prince
who had a novel experience
of the life's miserable existence"
he left his child and wife
to seek of a divine life
and learn more on the truth
that ruled over this earth"
after years of penance
and endless perseverance
a state of enlightenment
he reached in fulfillment".

आदित्य मेश्राम
वी. ए. प्रथम वर्ष

सामान्य तथ्य

1. आयरलैण्ड के प्रधानमंत्री लीयो वराड़कर मूल भारतीय है।
   उनके पिता श्री अशोक वराड़कर महाराष्ट्र कें सिंधुदुर्ग जिले के है।
2. इंडिया के पूर्व प्रधानमंत्री श्री पी.वी. नरसिंह राव 16 अलग-अलग भाषाएँ बोल सकते थे।
3. मनुष्य के आँसू में सोडियम क्लोराइड पाया जाता है।
4. दुनिया का पहला मोबाइल MARTIN COOPER सन् 1873 में बनाया था जिसका वजन 2 कि.ग्रा. था।
5. हमारी आँख 576 मेगा पिक्सल की होती है।
6. चन्द्रमा पर उगाया जाने वाला पहला पौधा कपास का था जिसे चीन द्वारा उगाया गया था।
7. चन्द्रमा पर ले जाने वाली पहली कोल्ड्रींक्स कोका कोला थी।
8. बाबासाहेब अम्बेडकर विदेश जाकर अर्थशास्त्र डॉक्टरेट की डिग्री हासिल करने वाले पहले भारतीय थे।
9. उदय कुमार धर्यलिगम जिन्होने भारतीय रूपये के चिन्ह को डिजाइन किया था। वह IIT गुवाहाटी में डिजाइन विभाग के हंड है।
10. नेहरू जी के कपड़े धुलने के लिए लंदन जाया करते थे।
11. पाकिस्तान में पहली हिन्दु महिला सिविल जज सुमन कुमारी बनी है।
12. बृहस्पति ग्रह में हीरो की बरसात होती है।
13. बच्चा पैदा होता है तो शरीर की हड्डीयाँ 300 होती है। बच्चा 300 हड्डीयाँ के साथ पैदा होता है।
14. रविवार की छुट्टी सन्1843 से आरंभ हुई।
15. संस्कृत में सूर्य के 108 नाम है।
16. ऑक्टोपस जीव के 3 दिल होते है।
17. झींगा ऐसा जीव है जिसका दिल उसके सिर में होता है।
18. मानव का दिल शरीर के चेस्ट(सीना)कें बीच में होता है।
19. जेलीफेश कें शरीर में 95 प्रतिशत पानी होता है।
20. भारत की पहली अंडर वाटर एक्सप्रेस कोलकाता में ट्रेन चलाई गयी।
21. प्लैटिपस जानवर दुध और अंडा दोनो देता है।
22. दुनिया की सबसे लम्बी नदी कनाडा की YONGE गली है। यह 1896 कि.मी. याने दिल्ली से बांग्लादेश जितनी लम्बी है।
23. सबसे कठोर पदार्थ हीरा है।
24. सबसे हल्की धातु लिथियम है।
25. सबसे भारी धातु ओसमियम है।
26. सबसे कठोर धातु प्लेटियम है।

शिक्षक के लिए

जिसके पास शिक्षक का साथ हो।
उसें कोई हरा नही सकता।।
जिसके पास शिक्षक का साथ हो।
उसे कोई हरा नही सकता।।
RESPECT करता हूँ मैं TEACHER की।
क्योंकि उनके बिना हमे कोई काबिल बना नही सकता।।

रविन्द्र मरकाम
बी. ए. प्रथम वर्ष

"मेरे गुरू की महिमा"

सही राह पे चलना सिखाया है आपने
गिरकर भी सभंलना सिखाया है, आपने

मुश्किल से मुश्किल सवालों के भी हल दिये है आपने,
जो कभी न भूला सकूँ, मुझे वो पल दिये है आपने।

आपने ही मुझे शिक्षा का, सही मतलब समझाया है,
आपने दुनिया को एक अलग नजरिये से दिखाया है।

गुरू नहीं आपने तो, एक परिवार बनकर साथ दिया है,
जब भी लगा मैं गिरा तो आपने मुझे हाथ दिया है।

कभी सख्त हो जाते है तो, कभी डांटते धमकाते है,
पर कभी - कभी एक दोस्त की तरह हमें प्यारे से समझाते है।

गुरू अपने शिष्य की हर बात जान लेते है, गुण हो या अवगुण
वो पहचान लेते है।

आपने ही मुझे खुद से मिलाया है, हार कर भी मुझे जीना सिखाया है।

बस आपकी दुआयें और सर पे हाथ चाहते हैं।
ज्यादा कुछ नहीं आपका आशीर्वाद चाहते हैं।

सालिकराम पंचेश्वर
बी. ए. प्रथम वर्ष

सबसे ऊँचा उसका दर्जा
सबसे भारी उसकी उर्जा

सबसे सुन्दर उसकी
सबसे मीठी उसकी बोली

सबसे प्यारी सबसे भोली
उसकी शिक्षा सबसे अच्छी
उसकी बाते सबसे सच्ची
घर है मंदिर उस मंदिर में

एक वही प्रतिमा
माँ है केवल माँ
करता है जो उसकी सेवा
जीवन भर वह खाता मेवा

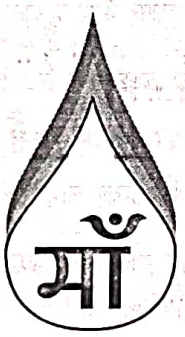

उसकी पूजा धर्म सिखाता
सबसे पावन उसका नाता

उसमें पूरा विश्व समाया
ज्ञानी लोगों ने बतलाया

उसका आशीर्वाद सदा लो
जो चाहो जीवन में पालो
उसकी छाया साथ रहेगी,
चाहे रहो जहाँ,
माँ है केवल माँ,

मोनिका देशमुख
बी. एस प्रथम वर्ष

जीवन दर्शन

संदेश

1) मानव जीवन बहुमूल्य है। उसका सदुपयोग करें । ईश्वर ने हमें इस पृथ्वी पर भेजा है। और ईश्वर को ही भूल जाए ये कैसे हो सकता हैं।

2) दूसरे के दुःखों में सहयोगी बनें। हमेंशा दूसरों का भला करें । जीवन में सहभागी और प्रमाणित बनें, वृद्धों और बच्चों पर हमेशा प्रेमभाव रखें।

3) माता-पिता कि हमेशा सेवा करें । अभिमान छोड़े और नम्र बने । सत्य का हमेशा पालन करें। क्रोध का त्याग करें।

सुविचार

1. " जीत के खातिर जुनून चाहिए, जिसमें उबाल हों ऐसा खून चाहिए।
ये आसमान भी आयेगा, जमीन पर बस इरादों में जीत की गूँज चाहिए"।

2. "अगर हमें जिंदगी में कुछ हासिल करना है, तो हमें तरीका बदलना चाहिए, इरादे नहीं"।

3. " हार और जीत हमारी खोज पर निर्भर है,
मान लिया तो हार है और ठान लिया तो जीत है"।

4. " दुनिया का हर शोक पाला नहीं जाता,
कांच के खिलौना को उछाला नहीं जाता।
मेहनत करने से मुश्किलें हो जाती है आसान,
क्योंकि हर काम तकदीर पर टाला नहीं जाता"।

कुमारी गीता पटले
बी.ए. प्रथम वर्ष

शायरी

माँ की परछाई और,
पिता का गुरूर होती है
बेटियाँ.....

पापा की प्यारी बेटी

किसी पिता ने खूब कहा, मुझे इतनी फुरसत कहा की,
मैं तकदीर का लिखा देखूं, बस बेटी की मुसकुराहट,
देखकर समझ जाता हूँ, कि मेरी तकदीर बुलन्द है।
भगवान से भी बड़े माता-पिता होते है क्योंकि भगवान सुख दुःख दोनो देते है परंतु माता-पिता सिर्फ सुख देते है।
पापा का प्यार निराला है, पापा के साथ रिश्ता न्यारा है,
इस रिश्ते जैसा कोई और नहीं !
यही रिश्ता दुनिया में सब से प्यारा हैं।
लड़कियाँ चिड़िया होती है,
मैं तो सिर्फ अपनी खुशियों में, हँसती हूँ, पर मेरी हँसी देख,
कर कोई अपने गम भुलाए, जा रहा था वो थे मेरे पापा।

निरंजा नागेश्वर
बी.ए. तृतीय वर्ष

पर्यावरण संरक्षण और अंतर्राष्ट्रीय चेतना

डॉ. निखत खान
सहा. प्राध्यापक
राजनीति विज्ञान
राजा भोज शा. महा. कटंगी

हाल के वर्षों में परमाणु संरक्षण का मुद्दा एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है, प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन, औद्योगिकरण, नगरीयकरण, रासायनिक उर्वरकों तथा कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग ने पर्यावरण को गंभीरता से प्रभावित किया है। इस संदर्भ में मुख्य अंतर्राष्ट्रीय प्रयास किये गये है।

स्टाकहोम सम्मेलन 1972 :-

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा सन् 1962 में एक प्रस्ताव पारित किया गया था कि मानव पर्यावरण की क्षति को सीमित करने और प्राकृतिक परिस्थितियों के संरक्षण के लिये राष्ट्रीय, क्षेत्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रयास किया जाना चाहिए। स्टाकहोम सम्मेलन में जीवन रक्षा, प्रदूषण नियंत्रण तथा शहरों की मलीन बस्तियों के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उपायों की सिफारिश की गई।

रियो घोषणा, जून 1992 :-

रियो सम्मेलन का आयोजन ब्राजील की पूर्व राजधानी रियो डि जेनरो में 3 जून से 14 जून 1992 तक किया गया। इसमें 150 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

क्योटो प्रोटोकाल 1997 :-

जलवायु परिवर्तन पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन क्योटो में 1 दिसंबर से 15 दिसंबर 1997 तक आयोजित किया गया। सम्मेलन में 150 राष्ट्रों ने सहभागिता की।

कोपेनहेगन सम्मेलन 2009 :-

दिसंबर 2009 के तीसरे सप्ताह में कोपेनहेगन में जलवायु परिवर्तन पर सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस सम्मेलन में कार्बन - डाईआक्साईड द्वारा पैदा प्रदूषण 2 डिग्री सेल्सियस से कम करने का लक्ष्य होना चाहिये।

पेरिस जलवायु सम्मेलन 2015 :-

30 नवंबर से 11 दिसंबर 2015 के मध्य विश्व के 190 देश फ्रांस की राजधानी पेरिस में एकत्रित हुए ताकि विश्व स्तर पर ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन पर कोई समझ बन सकें। सम्मेलन में सभी देश कार्बन उत्सर्जन के स्तर पर में जल्द से जल्द कमी लाने पर सहमत हुए वैश्विक तापमान को आगे 1.5 डिग्री सेल्सियस पर सीमित करने का लक्ष्य है, परंतु 2 डिग्री सेल्सियस करने पर राष्ट्र सहमत हुए।

सामान्य ज्ञान

1. ट्रेन का हिंदी नाम वताइए।
उ. लोहपथगामिनी
2. फ्रीज का हिंदी नाम वताइए।
उ. शीत प्रसितन डिव्वा
3. भारत का सवसे ऊँचा द्वार कौन-सा है।
उ. वुलन्द दरवाजा
4. भारत चीन की सीमा को निर्धारित करने वाली लाईन को क्या कहा जाता है।
उ. मैकमोहन लाइन
5. भारत और अफगानिस्तान के वीच की सीमा रेखा को क्या कहा जाता है?
उ. डूरण्ड रेखा
6. भारत मे सर्वप्रथम कम्प्यूटर किस डाकघर में लाया था?
उ. 16 अगस्त 1986 गें वंगलौर
7. कौनसा भारतीय खिलाड़ी था? जिसनें भारत और इंग्लैण्ड दोनो के लिए क्रिकेट खेला ?
उ. इफतिखार पटौदी
8. मुंशी प्रेमचन्द का अन्तिम उपन्यास कौन सा है?
उ. गोदान
9. भारत की सवसे उपजाऊ मिट्टी कौन-सी है?
उ. एल्पवियन
10. भारत में कितने लेटर वॉवस है?
उ. लगभग 4,26,443
11. पूरे राष्ट्रगान का रेकार्ड वजने में कितना समय लगता है?
उ. 52 सेकेण्ड
12. विश्व की कौन सी पहाडी है जो प्रतिदिन अपना रंग वदला करती है?
उ. दक्षिण आस्ट्रेलिया मे आयार्स राक पहाड़ी।
13. रविवार की छुट्टी कव से आरम्भ हुई?
उ. 1843 से।
14. विश्व का सबसे वड़ा टी.वी. टावर कौन-सा है?
उ. लेह मे (ऊँचाई 3440 मीटर)
15. विश्व मे टार्च जैसी रोशनी लेकर चलने वाली मछली का क्या नाम है ?
उ. जाईजेन्टेटिक्स

1. मनुष्य शरीर मे फेरीमोन्स नाम सुगन्ध होती है इसी सुगन्ध से कुत्ते व्यक्ति का रूमाल पहचानते है।
2. एक कोड मछली एक वार में 10,00,000 अण्डे देती है।

अज्ञेय कुमार

मैनेजमेंट लेशन

एक दिन एक कुत्ता जंगल में रास्ता खो गया..
तभी उसने देखा एक शेर उसकी तरफ आ रहा है..
कुत्ते की सांस रूक गयी..
आज तो काम तमाम मेरा..! He thought & applied A lesson of MBA
फिर उसने सामने कुछ सूखी हड्डियों पड़ी देखी,
वो आते हुए शेर की तरफ पीठ कर के बैठ गया..
और एक सूखी हड्डी को चूसने लगा.
और जोर जोर से बोलने लगा.
वाह ! शेर को खाने का मजा ही कुछ और है..
एक और मिल जाए तो पूरी दावत हो जायेगी !"
और उसने जोर से डकार मारी..
इस बार शेर सोच में पड़ गया..
उसने सोचा-
ये कुत्ता तो शेर का शिकार करता है। जान बचा कर भागने मे ही भलाई है !"
और शेर वहां से जान बचा के भाग गया..
पेड़ पर बैठा एक बन्दर यह सब तमाशा देख रहा था..
उसने साचा यह अच्छा मौका है
शेर को सारी कहानी बता देता हूँ.. शेर से दोस्ती हो जाएगी..
और उससे जिन्दगी भर के लिए जान का खतरा भी दूर हो जायेगा..
वो फटाफट शेर के पीछे भागा..
कुत्ते ने बन्दर को जाते हुए देख लिया और समझ गया की कोई लोचा है..
उधर बन्दर ने शेर को सारी कहानी बता दी की कैसे कुत्ते ने उस बेवकूफ बनाया है..
शेर जोर से दहाडा-
चल मेरे साथ अभी उसकी लीला खत्म करता हूँ..
और बन्दर को अपनी पीठ पर बैठा कर शेर कुत्ते की तरफ चल दिया..
Can you imagine the quick "Management" by the DOG....\\\
कुत्ते ने शेर को आते देखा तो एक बार फिर उसके आगे जान का संकट आ गया मजार फिर हिम्मत कर कुत्ता उसकी तरह पीठ करके बैठ गया
He applied Another lesson of MBA--
और जोर जोर से बोलने लगा.. इस बन्दर को भेजे 1 घंटा हो गया।
साला... एक शेर को फंसा कर नहीं ला सकता।"
यह सुनते ही शेर ने बंदर को वही पटका और वापस पीछे भाग गया।

शिक्षा 1 :- मुश्किल समय में अपना आत्मविश्वास कभी नहीं खोएं।
शिक्षा 2 :- हार्ड वर्क के बजाय स्मार्ट वर्क ही करें क्योंकि यहीं जीवन की असली सफलता मिलेगी।
शिक्षा 3 :- आपका उर्जा समय और ध्यान भटकाने वाले कई बन्दर आपके आस पास है उन्हें पहचानिए और उनसे सावधान रहियें।

व्यस्त रहियें स्वस्थ रहिये।

चन्द्रकान्त तिवारी
कम्प्यूटर शिक्षक

नारी दशा

क्या कहूँ की धीरज बंधक है
सपनों का वो आकाश नहीं
हर एक फिजा हारी गैरत
क्यों बेटी ऐसी बेहाल हुई।

कुछ कोख में मारी जाती है
कुछ मरन जन्म पे पाती है
कुछ शिक्षा से अनभिज्ञ कर
जीवन भर सताई जाती है,

कुछ दहेज की है उत्पीड़न
कुछ ससुराल जला दी जाती है
कुछ नामर्दों के एसिड से
चेहरे गवाई जाती है।

ये तीन तलाक है एक कहर
लहू सम आँसू रूलाती है
जब तक चला इन बानो को
इसे अबला बना दी जाती हैं।

मर्दो की नपुसंकता
बलात्कार बन कर उभरी
नारी देवी का नाम जहाँ
उसकी कैसी तस्वीर नई।

मै ढूंढता हूँ उस भारत को
जहा तख्त पलते जाते थे
स्त्री के सम्मान की खातिर
महाभारत रच जाते थे।

नशा मुक्ति

रोकनी होगी अब बर्बादी
बदलना होगा अब ये जमाना
आओ मिलकर कदम वढाए
नशा मुक्त भारत है बनाना

खुद भी जागो औरो को जगाए
नशा मुक्त ये समाज वनाए
इसकी लत से मारे ही है सब
बात ये हम सबको समझाए
कसम ये आओ मिलकमर खाए
हमको है ये कर्त्तव्य निभाना
आओ मिलकर कदम बढ़ाए
नशा मुक्त भारत है बनाना

अपराध बढ़े है नशे के कारण
करना होगा इसका निवारण
तभी तो सुख दुख भोगेगे
खुशियो से झूमेगा हर आंगन
बस सोच यही अपनी रखनी
यही रखना अपना है निशाना
आओ मिलकर कदम बढाए
नशा मुक्त भारत है बनाना।

हर्ष रायकर
बी.ए. तृतीय वर्ष

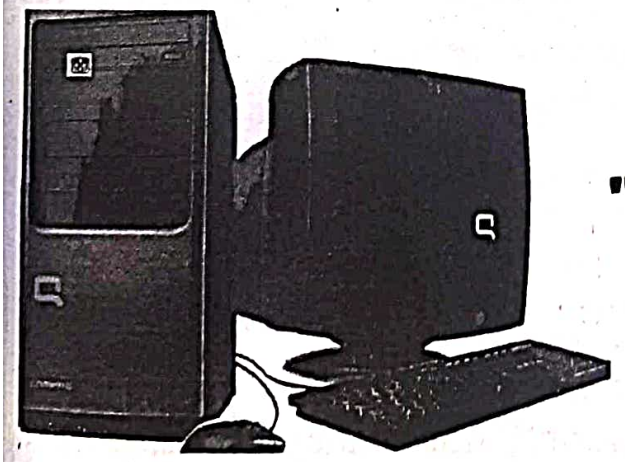

"COMPUTER" FULL FORM

C - COMMON
O - OPERATE
M - MEMORIZE
P - PRINT
U - UPDATE
T - TABULATE
E - EDIT
R - RESPONSE

SAKUNTLA RAUT
B.SC 2 YEAR MATHS

वनस्पति शास्त्र विभाग

(वार्षिक प्रतिवेदन)
2019-2020

राजाभोज शासकीय महाविद्यालय कंटगी बालाघाट की स्थापना वर्ष 1989 से हुई है। सत्र् 2012 में महाविद्यालय में बी.एस.सी. (बायोलॉजी) प्रारम्भ की गई है। वनस्पति शास्त्र विभाग में प्रत्येक वर्ष 200-250 छात्र-छात्राऐं प्रवेश लेते है तथा 75% छात्र-छात्राऐं उत्तीर्ण होते है। उत्तीर्ण छात्र- छात्राऐं वर्तमान समय में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहें है। कुछ छात्र-छात्राएँ सरकारी, अर्द्ध सरकारी या प्राइवेट सेवा दे रहे है एवं अन्य छात्र-छात्राऐं अपना स्वरोजगार / स्टार्ट काम सफलतापूर्वक स्थपित कर चुके है।

वर्तमान सत्र् 2019-20 में उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन भोपाल के द्वारा महाविद्यालय में एम.एस.सी. (BOTNY) की कक्षाऐ संचालित प्रारम्भ की गई है जिसमें स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर मे 21 छात्र- छात्राऐं अध्ययनरत है, जिनका गतवर्ष उत्तीर्ण परिक्षा परिणाम 75% रहा है एवं द्वितीय सेमेस्टर में 52 छात्र-छात्राऐं अध्ययनरत है।

इसी प्रकार बी.एस सी के प्रथम वर्ष की कक्षा मे लगभग 250 द्वितीय वर्ष में लगभग 255 तथा तृतीय वर्ष की कक्षा में लगभग 180 छात्र-छात्राऐं अध्ययनरत है।

वनस्पति शास्त्र विभाग में वर्तमान व्याख्याता सदस्य :-

क्र.	व्याख्याता का नाम	शैक्षणिक योग्यता	पद
1.	सहा. प्राध्यापक सुरेश रावत	एम.एस सी NET	सहायक प्रध्यापक
2.	डॉ.आशुतोष नारायण द्विवेदी	एम.एस सी PHILL PH.D.	अतिथि विज्ञान
3.	डॉ. रविन्द्र प्रसाद अहरवाल	एम.एस सी PHILL PH.D.	अतिथि विज्ञान
4.	डॉ. रीना मिश्रा	एम. एस सी PH D.	अतिथि विज्ञान
5.	श्री राजू विश्वकर्मा	एम.एस सी एम. PHILL	अतिथि विज्ञान

प्रयोगशाला उपकरण

महाविद्यालय के वनस्पति शास्त्र विभाग की प्रयोगशाला निम्नलिखित उपकरण उपलब्ध है :-

1. UV visible spechophotometer
2. BOD Incubator
3. Harizotal laminar avi flow
4. Hot airover
5. Centri fure
6. Digital w. balance Intruments
7. Gel Electrophonesis
8. Compound microscope
9. TLC chamber
10. Digital ph meter

पुस्तकालय :- वनस्पति शास्त्र विभाग में लगभग 60 राष्ट्रीय / अन्तर्राष्ट्रीय लेखकों / प्रकाशन की लगभग 150 पुस्तक उपलब्ध है तथा 65 राष्ट्रीय / अन्तर्राष्ट्रीय प्रकाशन / लेखकों की 310 पुस्तके प्रस्तावित है।

खुद को जानो

दरिया सांचा सूरजा सह शब्द भी चोट
लागत ही भाजे भरम निकल जाए सब खोट"।

संत दरिया कहते है-सच्चे शब्द की चोट सहना सीखिए जो सत्य की चोट सह सकता हैं और उसके द्वारा अपने भीतर भी खोट निकाल कर खुद को साफ सुथरा वना सकता है वह शूरवीर है। जो दुसरो को मारे वह शूरवीर नहीं जो अपने अहंकार को मारे वह शूरवीर है। अपने अहंकार को मारने के लिए हमें खुद को अच्छी तरह से जानना होगा। जिस दिन हम "मैं" को जान जाते है उस दिन से असली योगी कहलाते है, क्योंकि वास्तविक योग का अर्थ ही होता है। जीवात्मा अपने स्वभाविक स्थिति को जाने और तदनुसार कर्म करें। जीव आत्मा का अपना स्वतंत्र अस्तित्व नही होता। वह एक सर्वोच्च शक्ति का अंश होती हैं जिस दिन हमें आत्म ज्ञान हो जाएगा हम इंद्रिय सुखों से विरज हो जायेगे। परंन्तु आज यह कर पाना अत्यंत दुर्लभ हो गया है। आज हम धन दौलत और इंद्रिय सुखों मे इतने व्यक्त हो चुके है कि, हम अस्त व्यस्त हो चुके है। हमारी जिंदगी की डोर दूसरे इंसानो के हाथ में चली गई है हमारा सुख-दुख दूसरे व्यक्ति द्वारा कही गई वातो व व्यवहार पर निर्भर हो गया है। आज परिस्थितियां ऐसी ही है कि यदि हम स्वयं के मोबाइल फोन से दुसरे को कॉल करे तो कॉल कनेक्ट होंगे परन्तु खुद का नम्बर डायल करे तो हमेशा ही व्यस्त बताएगा। आज हमारे पतन का मुख्य कारण है अपने को अपने से दूर कर दूसरों की जिंदगी को जानने मे ज्यादा रूचि लेना। क्या हमने कभी अपने लिए सुकुन व शांति से भरा 5 मिनट भी समय निकाला जिस के दौरान हम दुनिया की भाग-दौड़ से दूर अपने अंतर्गत के वारे में ख्याल कर सके। हम हर उस कार्य के लिए समय निकालते है, जिसका हमारी जिंदगी मे खास योगदान नही होता। जब हम अपने लिए समय देगें अपने अवचेतन मन की शक्ति को पहचान जांएगे। उसमे मौजूद शक्ति के असीमित भंडार का उपयोग कर पायेंगे उस दिन हम अध्यात्मिक रूप से अपने सर्वोच्च उनकी शक्तियों को हम पहचान पायेंगे।

जिंदगी भर हम निर्धारित नहीं कर पाते कि हम कितने मूल्यवान है, और कोई भी हमें कम कीमत मे खरीदकर जिंदगी भर हमारा उपयोग करता रहता है। और हम एक दिन औसत दर्जे की जिंदगी जी कर इस दुनिया से चले जाते है । झूठी प्रंशसा, झूठे वैभव और झूठे-रिश्तो में हम अपने अनमोल जीवन को तबाह कर लेते हैं। और हमारा जन्म इस जगत में किस कार्य के लिए हुआ है हम कमी जान नही पाते।

एक पिता व पुत्र का रिश्ता

पिता :- पिता एक ऐसा शब्द है, जो अपने आप में अनेक विभिन्नताओं कों समाहित / संग्रहित किये हुए है। पिता एक नारियल की तरह होता है । जो अन्दर से मुलायम किन्तु बाहर से कठोर होता है। पिता अपने प्रेम , स्नेह व दर्द को अपने अन्दर ही छुपाये रखता है। माँ के उपर न जाने कितनी कविताएं लिखी गई है, किन्तु आज मैं पिता के ऊपर कुछ लिख रहा हूँ! बच्चे कि स्कूल की फीस से लेकर बच्ची के विवाह की व्यवस्था न जाने कहाँ-कहाँ से करता है। और भले ही स्वयं पुराने कपड़े पहने किन्तु अपनी संतानों को इस बात का आभाष न कराते हुए उनकी समस्त इच्छाओ की पूर्ति करता है।

"पिता रोटी है, कपड़ा है, मकान है,
पिता एक नन्हे से परिन्दे का आसमान है।
पिता है घर में, प्रतिपल राग है।
पिता से माँ की चूड़ी, बिन्दी और सुहाग है।
पिता है, तो बच्चे के सारें सपने है,
पिता है तो बाजार के सारे खिलौने अपने है।
माँ के बिना घर सूना है, और पिता के
सारा संसार अधूरा है।

अभिषेक रांहगडाले
बी. एस सी प्रथम वर्ष

हिन्दी भाषा में रोजगार के अवसर

हमारी राष्ट्रीय भाषा की अत्यधिक लोकप्रियता और बढ़ते अंतर्राष्ट्रीय महत्व के साथ-साथ हिंदी भाषा के क्षेत्र में रोजगार के अवसरो में भी प्रगति हुई है। केंन्द्र सरकार, राज्य सरकारों (हिन्दी भाषी राज्यों में) के विभिन्न विभागों में, हिन्दी भाषा में काम करना अनिवार्य है। अतः केंद्र / राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों और इकाइयो में हिन्दी अधिकारी, हिन्दी अनुवादक, हिंदी सहायक प्रंबधक (राजभाषा) जैसे विभिन्न पदों की भरमार है।

टीवी और रेडियो चैनलों की शुरूआत और स्थापित पत्रिकाओं / समाचार-पत्रों के हिंदी रूपान्तर आने से रोजगार के अवसरो में कई गुणा वृद्वि हुई है। जैसे हिंदी मीडिया के क्षेत्र में संपादक, संवाददाताओं रिपोर्टरों, न्यूजरीडर्स उप - संपादको, प्रुफ रीडरो, रेडियो जॉकी आदि।

इनमें रोजगार की इच्छा रखने वालो के लिए पत्रकारिता / जन-संचार में डिग्री / डिप्लोमा के साथ-साथ हिंदी में अकादमिक योग्यता रखना आवश्यक है।

हिन्दी भाषा में स्नातकोत्तरों, विशेषकर जिन्होंने अपनी पी.एच.डी पुरी कर ली है, उनके लिए विदेशों में भी रोजगार के अवसर हैं। अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के कार्यो का हिन्दी में अनुवाद तथा हिंदी लेखकों की कृतियां का अंग्रेजी और अन्य विदेशी भाषाओ में अनुवाद कार्य करना भी सम्मिलित होता है। फिल्मों की स्क्रिप्टों / विज्ञापनों को हिंदी / अंग्रजी मे अनुवाद करने का भी कार्य होता है।

हमें हिन्दी भाषा का सम्मान करना चाहिए। प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर सरकारी, अर्ध्दसरकारी तथा निजी संस्थाओ में कहीं हिन्दी सप्ताह, कहीं हिन्दी पखवाड़ा मनाया जाता है।

भारत में हर कागज पर जब हिन्दी लिखा जायेगा तभी हिन्दी दिवस का पावन लक्ष्य पूरा होगा।

"एकता की जान है, हिन्दी देश की शान है। हिन्दी का सम्मान, देश का सम्मान है।
हिन्दी का विकास, देश का विकास।। हिंदी भारत माता की बिंदी।
हिंदी है मेरे हिन्द की धड़कन, हिन्दी ही हिन्द का नारा।
है प्रवाहित हिन्दी धारा है।

सुश्री कविता अहिगारे
सहा. प्राध्यापक विषय-हिंदी
राजाभोज शास.महाविद्यालय कटंगी
जिला-बालाघाट

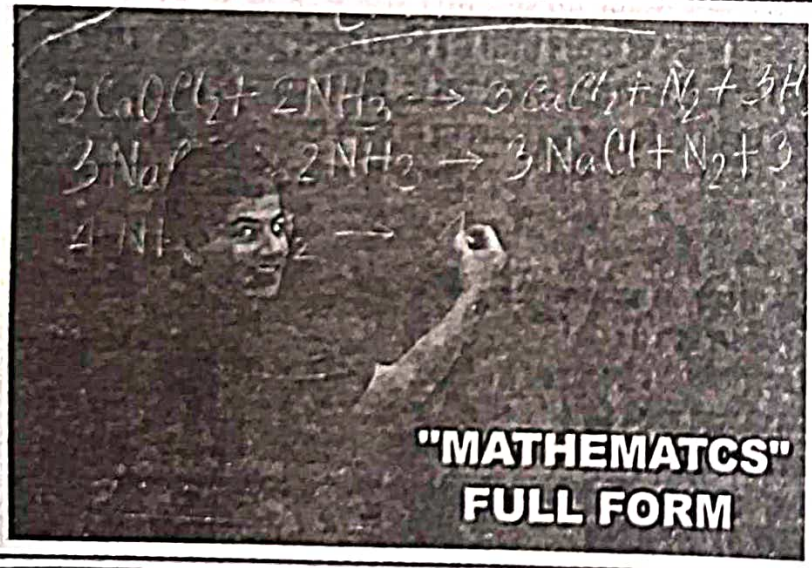

M	-	Memory
A	-	Accuracy
T	-	Talent
H	-	Hardwork
E	-	Enthusiasm (उत्साह)
M	-	Mind
A	-	Attention
T	-	Tact (कौशल)
I	-	Interst
C	-	Cleverness (होशयारी)
S	-	Stncertiy

VAISHNAVI HARINKHEDE
B.SC SECOND YEAR (MATH'S)

"अनमोल वचन"

☛ उस इंसान से दोस्ती मत करो,
जो अपनी माँ से ऊँची आवाज में बात करता है,
क्योंकि जो अपनी मां, की इज्जत नही कर सकता
वो आपकी इज्जत कभी नहीं करेगा।

☛ तभी तक पूछे जाओगे,
जब तक काम आओंगे,
चिरागों के जलते ही,
बुझा दी जाती हैं "तीलिया"

☛ फूलों की तरह,
मुस्कुराते रहिये,
भंवरा की तरह
गुनगुनाते रहिये,
चुप रहने से रिश्ते भी,
उदास हो जाते हैं,
कुछ उनकी सुनिये,
कुछ अपनी सुनाते रहिये ।

☛ बहुत खुबसूरत होते है वो पल, जिसमें दोस्त साथ होते है,
लेकिन उससे भी खुबसूरत है, वो लम्हें,
जब दुर रहकर भी, वो हमें याद करते है,
जिन्दगी एक प्रतिध्वनि है, सब कुछ वापस आ जाता है।
अच्छा, बुरा, झूठ सच,
अतः दुनिया को आप सबसे अच्छा, देने का प्रयास करें
और निश्चित की सबसे अच्छा आपके पास वापस आएगा .....!!!!

☛ सबको सुखी रखना,
वेशक हमारे हाथ में नही है,
पर किसी को दुखी ना करे,
ये जरूर हमारे हाथ में है।

☛ इंसान के परिचय की शुरूआत भले ही
चेहरे से होती होगी, लेकिन उसकी
सम्पूर्ण पहचान तो उसकी वाणी, विचार
एवं कार्यो से ही होती हैं।

☛ जलील मत करना
किसी फकीर को
अपनी चौखट पर साहब.....
वो सिर्फ भीख लेने
नही, दुआ देने भी
आता है।

सुलोचना खरे
बी.एस.सी प्रथम वर्ष

प्यारी सी कविता

चाँद है और अफताफ है बच्चे।
रोशनी कि किताब है बच्चे।
अपने स्कूल जब ये जाते है,
ऐसा लगता गुलाब है बच्चे।
व्यास, सतलज सरीखे दरिया है,
रावी झेलम,चिनाव है बच्चे।
अपनी मस्ती की राजधानी मे,
अपने मन के नवाब है बच्चे।
जब कभी भी ये खिलखिलाते है,
ऐसा लगता ख्वाब है बच्चे।
जिनको संस्कार शुभ मिले है वे,
हर जगह कामयाब है बच्चे।
क्या फिश्ते किसी ने देखे है?
कितना अच्छा जवाब है बच्चे।
धन्यवाद

होलिका बागड़े
B.SC(1)YEAR

बेटियाँ

1. बेटी बनकर आयी हुँ, माँ -बाप के घर .....
जीवन में .....
बसेरा होगा,कल मेरा, किसी और के आँगन में, ...
2. क्यूं ये रीत बनाई होगी, खुदा ने कहते है लोग
आज नही तो कल तू भी पराई होगी।
3. बेटे से ज्यादा ध्यान रखती है, दुलार लुटाती है,
फिर भी जाने क्यों इस जहान मे आने से पहले ही मार दिया जाता है उन्हें,
जन्म हो भी तो समाज कहाँ सुकून से रहने देता है।
कभी दहेज के, तो कभी इज्जत के नाम पर जलती है रोज ही,
अब तो संसार में जन्म लेने से भी डरती है बेटियाँ।
4. जिसने हमको जन्म दिया, और पाल-पोसकर बड़ा किया,
और वक्त आया तो उन्ही हाथों से विदा किया।
टूट के बिखर जाती है, हमारी जिन्दगी,
वही पर फिर भी उस बन्धन मे प्यार मिले।
5. जरूरी तो नही क्यूं रिश्ता हमारा इतना अजीब होता है।
क्या यही बस बेटियों का नसीब होता है।

निकिता कावरे
B.A.3 YEAR

नारी की महानता

अबला नारी हाय, यही तुम्हारी कहानी
आँचल में हैं दूध, और आंखों में है पानी।

वह नारी ही है जिसके दिल में दया,
ममता, करूणा, त्याग और क्षमा
की शस्त्र धारा बहती है। नारी श्रध्दा,
विश्वास की प्रतिमूर्ति होती है। नारी के बारे में महाकवि
जयशंकर प्रसाद ने लिखा है:-
नारी तुम केवल श्रध्दा हो, विश्वास रजन नग पद – तल में।
पीयूष स्त्रोत – सी बहा करो, जीवन के सुंदर समतल में।।

आज के युग में नारी की परिभाषा बदल गयी है।
अब वह कमजोर मजबूर व अबला नहीं है।
आज की नारी स्वतंत्र शिक्षित है, आज की नारी
विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल कर देश का
गौरव बढ़ाया है। जिनके जीवन को
देखकर हमें गर्व होता है। और प्रेरणा मिलती है।

अबला न समझो हमको हम भारत की नारी है।
कोमल – कोमल फूल नहीं ज्वाला है, चिंगारी है।

रोशनी बिसेन
बी.ए. द्वितीय वर्ष

"काश जिदंगी सचमुच किताब होती"

काश जिदंगी एक किताब होती?
पढ़ सकती मैं कि आग क्या होगा?
क्या पाऊँगी मै और क्या दिल खोयेगा?
क्या थोड़ी खुशी मिलेगी कब दिल रोयेगा?
काश जिन्दगी सचमुच किताब होती
फाड़ सकती मै उन दर्द भरी लम्हो को
जिन्होने मुझे बहुत रूलाया है जोड़ती कुछ पन्ने उन यादों के
जिन्होने मुझे बहुत हँसाया है............
हिसाब तो लगा पाती,
कि मैने कितना खोया और पाया है?
काश जिन्दगी सचमुच किताब होती
वक्त से आंखे चुराकर पीछे-पीछे चली जाती
टूटे हुए सपनो को फिर से अरमानो से सजाती
कुछ पल के लिए में फिर से मुस्कुराती
काश जिन्दगी सचमुच किताब होती।

अंजली कोसरे
B.A 2YEAR

कामयाबी की शायरी

1. जिन्दगी जीने का तरीका उन्हीं लोगो को आया है।
जिन्होंने अपनी जिन्दगी में हर जगह धक्का खाया है।
जमाया है सर्द रातों में खुद को तपती धुप में खुद को तपाया है।
वही हुए है कामयाब जिदंगी में उन्होंने ही इतिहास रचाया है।

2. जिन्दगी में कुछ पाना हो तो खुद पर ऐतबार रखना,
सोच पक्की और कदमों में रफ्तार रखना,
कामयाबी मिल जाएगी एक दिन निश्चित ही तुम्हें
बस खुद को आगे बढ़ने के लिए तैयार रखना।

3. कैसा डर है जो दिन निकल गया ,
अभी तो पूरी रात बाकी हैं।
यू ही नहीं हिम्मत हार सकता मैं
अभी तो कामयाबी से मुलाकात बाकी है।

4. देखते है ये जिन्दगी हमें कब तक भटकाएगी।
किसी दिन तो कोशिशें हमारी रंग लाएगी।
उस रोज हम आराम से बैठेगें अपने कमरे में
और कामयाबी बहार खड़ी दरवाजा खटखटाएगी।

5. जिन्दगी का हर पल लाजवाब हो न हो,
जिन्दगी के हर सवाल का जवाब होना चाहिए।
इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि कितनी ही देर लगें।
इंसान जिन्दगी में कामयाब होना चाहिए।

6. जिन्दगी हँसी है, जिन्दगी से प्यार करो,
हो रात तो सुबह का इन्तजार करो।
वो पल भी आएगा जिस पल का इन्तजार है, आपको
बस खुद पे भरोसा और
वक्त पे ऐतवार करों।

Divya sonwane
B.Sc 1year

मिट्टी

"कद्र करनी है तो" जीते जी करें
मरने के वाद तो "पराए" भी रो देते है।

आज "जिस्म में जान है तो, देखते नहीं है लोग,
जब रूह निकल जाएगी तो कफन हटा-हटा कर देखेगे।

किसी ने क्या खूब लिखा है :-
"वक्त" निकालकर वातें कर लिया करो "अपनो से"
अगर "अपने ही" ना रहेंगे तो वक्त का क्या करेंगे

"गुरूर किस वात का "साहव" आज मिट्टी के उपर तो कल मिट्टी के नीचे,"

दिप्ती विश्वकर्मा
बी.ए. प्रथम वर्ष

सुविचार

1. सफलता कभी भी "पक्की" नहीं होती,
तथा असफलता कभी भी "अंतिम" नहीं होती।
इसलिये अपनी कोशिश को,
तब तक जारी रखो.....
जब तक,
आपकी "जीत" एक "इतिहास" ना बन जाये।

2. जिंदगी एक परीक्षा है
काफी लोग इसमें फेल हो जाते हैं,
क्योंकि,
वे दूसरों की नकल करते हैं,
वे नहीं समझ पाते कि सबके पेपर
अलग-अलग होते हैं।

3. सादगी से बढ़कर कोई
श्रृंगार नहीं होता! और
विनम्रता से बढ़कर कोई
व्यवहार नहीं होता!

4. जीवन मे आगे बढ़ना है
तो बहरे हो जाओ.....
क्योंकि अधिकतर लोगों की
बातें मनोबल गिराने वाली होती है.....

5. बच्चे को उपहार ना दिया जाए
तो वह कुछ समय रोयेगा,
मगर संस्कार ना दिए जाए
तो वह जीवन भर रोयेंगा।

6. माँ बाप का घमंड उनकी दौलत नहीं
उनके बच्चे होते है।
कुछ ऐसा करो की वो शान से
कहे ये है मेरी कमाई

7. आजाद रहिये विचारों सें,
लेकिन
बंधे रहिये संस्कारों से.....

8. तुम नीचे गिरके देखो.....
कोई नही आएगा उठाने.....
तुम जरा उड़कर तो देखो.....
सब आयेंगे गिराने.....

9. "शिक्षा ही वह ताकतवर,
हथियार है,
जिसके बल पर आप दुनिया
बदल सकते है!

10. किताबों के जैसा वफादार नहीं कोई
जितना समय दो इनको
हर एक 'पल' की कीमत अदा करती है.....
क्योंकि ये आपके वक्त की कदर करती है,

शीतल शरणागत
बी.एस.सी प्रथम वर्ष

कौआ और साधु की कहानी

एक कौआ था और कौवे को तकलीफ क्या थी जानते है कौवे का रंग क्या होता है काला, तो वह काला था- साधु निकले साधु के गाल पे एक मोती, टपका पानी का, तो साधु ने चेहरा उठा के उपर देखा तो कौवा रो रहा था। साधु ने बोला रोता क्यों है। तो उसने बोला रोऊँ नही तो क्या करूँ। ये जीवन दिया, काला बनाया, कोई रंग है ये साधु ने बोला खुश नहीं है। बिल्कुल नहीं हूँ। साधु बोला - क्या तकलीफ है। कौआ बोला - बोला तकलीफ ही तकलीफ है। जिसके घर पे बैठो काँव-काँव करो मजाक उड़ाएं। कोई पालता है हम को, आज तक आपने देखा किसी कौवे को किसी ने पाल के खाना खिलाया है, दो रोटी खिलायी हो। श्राद पे काम आता हूँ। जूठा खिलाते है मुझको और तुम चाहते हो क्या बनाया ये क्या बनाया तो, साधु बोला क्या बनना चाहता है। अगर दोबारा मौका मिले, बनाता हूँ। चल आज उसने बोला अगर जिंदगी मे मौका मिले दोबारा कुछ बनने का तो हंस बनना पंसद करूंगा। क्या जबरदस्त सफेद रंग शांति का प्रतीक वाह! साधु ने बोला आज बनाया तुझे हंस लेकिन एक वादा है, फिर जा के एक बार हंस से मिल आ उससे मिल तो आ। अब वो भागा-भागा गया हंस भाई क्या मस्त रहता है न । क्या रंग, तुझे भगवान ने दिया आय-हाय हाय!

क्या सफेद-सफेद रंग । अपन का देख काला,
कितना खुश रहता होगा तू। हंस बोला कौन बोला-रे तुझको ।
We are not happy, not at all

बोला तुझको क्या तकलीफ है, बोला ये कोई रंग है। सफेद रंग, मौत के बाद का रंग है ये सफेद में सफेद मिल जाता हूँ। हंस बोला - ये कोई रंग है। कौआ बोला - खुश नही है, बिल्कुल । बाबा मामला गड़बड़ है, तो दोनो आये महाराज -महाराज बोला हाँ भाई हंस। वो बना दो बस, क्या बनना चाहते हो। Peacock क्या नेशनल बर्ड है। क्या मस्त है, यार ओये होय होय।

साधु ने बोला दोनों को बनाता हूँ। अभी पर लेकिन शर्त वही हैं। एक बार जा के Peacock से तो मिल आओ। अब दोनों भागे -भागे गए। मोर ढूढे और मोर के पास जा के मोर क्या जिंदगी दी ईश्वर ने तुझको देख आह हा। तेरे "पर" जब खुलते है ना बाबू लोग इंतजार करते है। उसकी तस्वीरे खींचते है। नेशनल बर्ड है तू आये होय होय। तेरे नाचने के इंतजार मे जब घटा बरसती है और जब तू नाचता है दीवाने है लोग तेरे । तस्वीरे लेते हैं। और तू तो नेशनल बर्ड है। पढ़ा जाता है तू Classes के अन्दर । कभी खुदा करे मौका मिले तो हम तेरे जैसा बन जाँए। बड़ा खुश रहता होगा तू। मोर बोला - कौन बोला-रे तुमको। कौआ बोला - तेरे को भी तकलीफ है बोला बहुत तकलीफ है, कौआ बोला- तुझको क्या तकलीफ है। मोर ने बोला-ध्यान से एक आवाज सुनो आवाज कान लगा के दोनों सुनो आवाज आ रही है। उन्होंने कहा हाँ कुछ आवाज आ रही है। क्या है ये ? उसने बोला और ध्यान से सुनो ये आवाज पास आ रही है । हॉ क्या है ये । बोला शिकारी है माँ को मार डाला एक-एक पंख नोचा गया है। उसके जिस्म से और ये पूरे शहर मे पूरे देश में बेचा जायेगा। लोग अपने घरो मे लगायेगे कोई जीवन है, क्यों बनना है मोर। उसने बोला तेरे हिसाब से क्या बनना चाहिए। और कौन सबसे खुश है । तो कौवे को मोर ने बोला, तू तो कौवा बोला - मैं कैसे? तो मोर का जवाब सुनिए मोर ने कौवे को कहा तूने मटन बिरयानी सुनी, कौवा बोला हाँ, चिकन बिरयानी, सुनी बोला हाँ, कौवा बिरयानी, सुनी बोला नहीं। कोई तुझे मारेगा नहीं, किसी को तुझसे तकलीफ नहीं। मस्त जी रहा है साला हमें तो अगले घंटे का नहीं पता। तो तुझसे बढ़िया कौन ? तो आप जो है।

जिस अवस्था में है। जिस रंग के साथ है। मस्त है यार ।
किसी से अपनी तुलना मत करो, तुम्हारे जैसा आदमी भगवान ने, दूसरा नही बनाया।
तुम्हारे जैसा आदमी है कहीं। नही है ना यार
You Are Unique, dont Compare Yourself
कभी जिन्दगी में अपनी तुलना,
मत करना किसी के साथ Comparison में बहुत बड़ी तकलीफ होती है सर।

मनीषा मंघाते
बी.एस.सी. प्रथम वर्ष

सुविचार

1. जीवन मे कभी ना गिरना कोई सुन्दरता नही, लेकिन गिरकर बैठना और अपने सपनों को हासिल करना ही जिन्दगी की सबसे बड़ी खुबसूरती है।

2. "भूल करना मनुष्य का स्वभाव है, लेकिन भूल को स्वीकार कर लेना और वैसी भूल फिर न करने का प्रयास करना वीर एवं साहसी होने का प्रतीक है।"

3. इंसान मकान बदलता है, वस्त्र बदलता है, संबंध बदलता है, फिर भी दुःखी रहता है, क्योंकि वह अपना स्वभाव नहीं बदलता ।"

4. जो स्वयं को हर परिस्थिति के अनुसार ढ़ालना जानता है, उसे जीवन जीने की कला आ जाती है।"

5. मुश्किल कोई आन पड़े तो, घबराने से क्या होगा, जीने की तरकीब निकालो, तर जाने से क्या होगा।"

7. जो व्यक्ति हमारी निंदा करता है, उसे अधिक से अधिक अपने पास रखना चाहिए, क्योंकि वह बिना साबुन और पानी के हमारी कमियों को बताकर हमारे स्वभाव को साफ करना रहता है।"

तीजन कंगाली
बी.ए. तृतीय वर्ष

समय की महिमा

समय वह मरहम है
जो हर घांव भर देता है
दुश्मन को दोस्त
और पराये को अपना कर देता है
समय वह पहिया है
जो निरंतर चलते रहता है
जिन्दगी के हर मोड़ पर
कुछ न कुछ सिखाते रहता है
समय एक ऐसा जोहरी है
जो इन्सान से हीरा तरासता है
जो करता है इसका सदुपयोग
वही हीरे सी चमक पाता है
समय एक ऐसा आइना है
जो हर सच्चाई बताता है
कौन होता है मुश्किलों में साथ
और कौन साथ छोड़ जाता है
कही धूप तो कहीं छाया है
यही तो समय की माया है
समय के हर प्रभाव से यहां
भला कौन बच पाया है
अरे ओ नादान समय रहते जाग जा
इसी में तेरी भलाई है
वरना इतिहास गवाह है दुनिया का
राजाओ ने भी सत्ता गँवाई है
ऐ नादान कर ले आज से ये प्रण
कि समय को व्यर्थ नही गंवाना है
समय का सही उपयोग कर
जीवन सफल बनाना है।

रोहित कुमार मसराम
बी.एस सी द्वितीय वर्ष

मनुष्य से संबंधित जानकारी

		-	ऑक्सीजन
1.	मानव मूत्र से पृथक किए गए हार्मोन का नाम	-	एथिलीन
2.	गैसीय अवस्था मे पाया जाने वाला हार्मोन	-	जबड़ो की
3.	मानव में सबसे मजबूत पेशी होती है	-	639
4.	मनुष्य के शरीर मे पायी जाने वाली पेशीयों की संख्या	-	स्टेपीज
5.	मनुष्य के शरीर की सबसे छोटी अस्थि का नाम	-	लैक्टिक अम्ल
6.	किस रसायन के कारण पेशियों मे थकावट उत्पन्न होती है	-	7
7.	मनुष्य के शरीर मे पायी जाने वाली ग्रीवा केशिकाओ की संख्या	-	सारटोरियस
8.	मनुष्य के शरीर की सबसे लम्बी पेशी का नाम	-	स्टेपीडियम
9.	मनुष्य के शरीर की सबसे छोटी पेशी	-	12 जोन
10.	मनुष्य मे पसलियों की संख्या	-	फीमर
11.	मनुष्य के शरीर की सबसे लम्बी अस्थि	-	ओसीन
12.	अस्थि किस प्रोटीन की बनी होती है	-	तन्त्रिका कोशिका
13.	मानव शरीर की सबसे लम्बी कोशिका	-	ट्राइजेमिनल
14.	सर्वाधिक छोटी कपाल तंत्रिका	-	वैगस तंत्रिका
15.	सबसे लम्बी कपाल तंत्रिका	-	मेड्यूला आब्लागेटा
16.	मस्तिष्क का वह भाग जो हृदय स्पंदन का नियत्रंण करता है	-	मिलैटोनिन
17.	अंधेरे मे अधिक स्त्रावित होने वाला हार्मोन	-	प्रोलेक्टिन
18.	दुग्ध स्त्रावण को प्रेरित करने वाला हार्मोन	-	एल्डोस्टेरॉन
19.	जीवन रक्षक हार्मोन	-	एड्रीनेलीन
20.	सेकटकालीन हार्मोन	-	एस्ट्रोजन
21.	बांझपन किस हार्मोन की कमी से होता है	-	वैसोप्रेसिन
22.	किस हार्मोन के अल्पस्त्राव से मूत्रलता उत्पन्न होती है	-	ऑक्सिटोसिन
23.	प्रसव हार्मोन		

प्रियंका गढ़पाल
बी.एस सी प्रथम वर्ष

अनमोल वचन

1. आकाश से ऊँचा कौन ? - पिता
2. धरती से बड़ा कौन ? - माता
3. माँ - बाप का दिल जीत लो, कामयाब हो जाओगे वरना सारी दुनिया जीतकर भी हार जाओगे।
4. किसी गरीब को मत सताना वो तो बस रो देगा। पर उपरवाले ने सुन लिया तो तु अपनी हस्ती खो देगा।
5. जब तक पिता का साया सिर पर है, वो रास्ते के हर कांटे को फूल बना देता है। खुद लाठी टेकने लगता है। मगर आपको अपने पॉव पर खड़ा कर जाता है।

सविता पटले
बी.एस.सी द्वितीय वर्ष

सुविचार

- लोग जो पूछते है, कि आप क्या काम करते है। तो उसमे वो हिसाब लगाते है। कि आपको कितनी इज्जत देना चाहिए।
- "कामयाब लोग अपने फैसले से दुनिया वदल देते है। और ना कामयाव लोग दुनिया कि डर से अपने फैसले बदल देते है।"
- दुनिया वो किताब है जो कभी नहीं पढ़ी जा सकती लेकिन जमाना वो उस्ताद है जो सब कुछ सिखा देता है।
- हमेंशा दूसरों की सफलता के बारे मे जानने के बजाय खुद कि सफलता पर काम करना चाहिए।
- क्रोध और आँधी दोनो एक समान है, शान्त होने के बाद ही पता चलता है, कि कितना नुकसान हुआ।
- आप कब सही थे ये कोई याद नहीं रखता आप कब गलत थे इसे कोई नहीं भूलता।
- जिस इंसान ने कभी गिनती नहीं की, उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश ही नहीं की।

सुनिता मर्सकोले
बी.ए तृतीय वर्ष

चतुर तोता

एक बार एक शेर पिंजरे मे बंद था वह बार -बार पिंजरे से निकलने का प्रयास कर रहा था, लेकिन वह बाहर नहीं निकल पा रहा था, तभी पिंजरे में बन्द एक शेर ने एक ब्राम्हण को आते हुए देखा। शेर ने उसे आवाज दी मुझे बड़ी प्यास लगी है। मुझे पिंजरे से बाहर निकाल दो मैं पानी पीकर वापिस आ जाऊँगा।

ब्राम्हण को शेर पर दया आ गई। उसने शेर को बाहर निकाला शेर बाहर निकलते ही ब्राम्हण पर झपट पड़ा ब्राम्हण ने शेर से कहा ठहरो। हम किसी से सलाह लेते है । अगर वह कह देगा तो तुम मुझे खा लेना ठीक उसी समय वहाँ एक तोता आया फिर उसने निर्णय किया ब्राम्हण ने तोता को सारी बाते बताई तोता ब्राम्हण की इस मुर्खता पर मन में हँस रहा था तोता को एक उपाय सूझा उसने शेर से कहा कि मैं अभी तक समझ नही पाया इतना बड़ा शेर इतने छोटे से पिंजरे मे कैसे बैठा था ।

यह सुनकर शेर क्रोधित हुआ और वह उछलकर पिंजरे के अंदर गया तोता ने ब्राम्हण से पूछा- पिंजरा इसी तरह खुला था, ब्राम्हण ने पिंजरा बन्द किया, पिंजरा बंद होते ही तोता और ब्राम्हण हँसते-हँसते घर चले गये और शेर अपने करनी पर बहुत पछता रहा था।

अरूणा गेड़ाम
बी.ए द्वितीय वर्ष

जीव विज्ञान की जन्तुओ से संबंधित शाखाएँ

1.	एन्थ्रोपोलॉजी (Anthropology)	-	मानव एवं मानवजाति का अध्ययन।
2.	कॉन्चोलॉजी (Conechology)	-	जन्तु कवच का अध्ययन।
3.	डर्मेटोलॉजी (Dermatalogy)	-	जन्तु त्वचा संबंधी।
4.	एन्टोमॉलॉजी (Antomology)	-	कीटो का अध्ययन।
5.	ईथोलॉजी (Ethology)	-	जन्तु व्यवहार का अध्ययन।
6.	यूजेनिक्स (Eugenics)	-	आनुवंशिकी नियमो के आधार पर जाति सुधार का अध्ययन।
7.	यूफेनिक्स (Euphenics)	-	जीन संबंधी रोगों का निवारण
8.	यूथेनिक्स (Euthenics)	-	मानव का अच्छे पालन पोषण द्वारा सुधार का अध्ययन
9.	हिर्मेटोलॉजी (Haemotology)	-	रूधिर का अध्ययन
10.	हरपेटोलॉजी (Herpetology)	-	सरीसृपों का अध्ययन
11.	इक्थ्योलॉजी (Qchthology)	-	मछलियों का अध्ययन
12.	लिम्नोलॉजी (Limnology)	-	स्वच्छ जलीय जीवों का अध्ययन
13.	हैल्मिन्थोलॉजी (Helminthology)	-	कृत्रिमों का अध्ययन
14.	मलेकोलॉजी (Malacology)	-	मोलस्का प्राणियों का अध्ययन
15.	मैमोलॉजी (Mammology)	-	स्तनियो का अध्ययन
16.	मायोलॉली (Mylogy)	-	पेशियो का अध्ययन
17.	मरमेकोलॉजी (Myrmacology)	-	चीटियो का अध्ययन
18.	निर्मेटोलॉजी (Nemotology)	-	सूत्रकृमियो का अध्ययन
19.	आफियोलॉजी (Ornithilogy)	-	सांपो का अध्ययन
20.	आर्नियोलॉजी (Ostiology)	-	पक्षियो का अध्ययन
21.	ऑस्टियोलॉजी (Ostiology)	-	अस्थियो का अध्ययन
22.	प्रोटोजूलॉजी (Protozoology)	-	प्रोटोजोआ प्राणियो का अध्ययन
23.	सीरोलॉजी (Serology)	-	रूधिर सीरम कस अध्ययन
24.	सॉरोलॉजी (Saurology)	-	छिपकलियो का अध्ययन
25.	टिरैटोलॉजी (Teratalogy)	-	वैरूपकीयो। अध्ययन

प्रियंका गठपाल
बी.एस.सी. प्रथम वर्ष

जीवविज्ञान की पादपो से संबंधित शाखाएँ

1.	एग्रोस्टोलॉजी (Agrostolgy)	-	घासो का अध्ययन
2.	माइकोलॉजी (Mycology)	-	कवको का अध्ययन
3.	बैक्टीरियोलॉजी (Bacteriology)	-	जीवाणुओ का अध्ययन
4.	ब्रायोलॉजी (Bryology)	-	ब्रायोफाइट्स का अध्ययन
5.	डेन्ड्रोलॉजी (Dendrology)	-	वृक्षों का अध्ययन
6.	लाइकेनोलॉजी (Lichenology)	-	लाइकेनो का अध्ययन
7.	पॉमोलॉजी (Palmology)	-	फलो का अध्ययन
8.	वाइरोलॉजी (Virology)	-	विषाणुओं का अध्ययन
9.	जाईलोटॉमी (Xylotomy)	-	काष्ठ शारीरिक का अध्ययन
10.	इकोनॉमिकबॉटनी (Economic botony)	-	आर्थिक महत्व के पौधे का अध्ययन
11.	एथनोबॉटनी (Ethnobotony)	-	आदिमानव एवं पौधों के मध्य संबंधो का अध्ययन
12.	फ्लोरीकल्चर (Floriculture)	-	सजावटी पुष्पों वाले पौधों की खेती संबंधी अध्ययन
13.	ओलेरीकल्चर (Olericulture)	-	सब्जियों की खेती संबंधी अध्ययन

प्रियंका गढपाल
बी.एस.सी. प्रथम वर्ष

प्रमुख पदाधिकारियो के पद ग्रहण की न्यूनतम आयु

क्र.	पदाधिकारी		पद ग्रहण की न्यूनतम आयु
1.	राष्ट्रपति	-	35 वर्ष
2.	उपराष्ट्रपति	-	35 वर्ष
3.	प्रधानमंत्री	-	25 वर्ष
4.	लोक सभा अध्यक्ष	-	25 वर्ष
5.	लोक सभा उपाध्यक्ष	-	25 वर्ष
6.	राज्य सभा का उप-सभापति	-	30 वर्ष
7.	लोकसभा सदस्य	-	25 वर्ष
8.	राज्य सभा सदस्य	-	30 वर्ष
9.	राज्यपाल	-	35 वर्ष
10.	मुख्यमंत्री	-	25 वर्ष
11.	विधान सभा सदस्य	-	25 वर्ष
12.	विधान परिषद् सदस्य	-	30 वर्ष

योगमाया यादव
बी.ए. तृतीय वर्ष

"नारी शक्ति"

भूले से मत कीजिये, नारी का अपमान।
नारी जीवनदायिनी, नारी है वरदान।

मॉ बनकर देती जन्म, पत्नी बन संतान,
जीवन भर छायाकरे, नारी वृक्ष समान।

नारी भारत वर्ष की, रखे अलग पहचान,
ले आई यमराज से, वापस पति के प्राण।

नारी कोमल निर्मला, होती फूल समान,
वक्त पड़े तो थाम ले, बरछी तीर कमान।

नारी के अतंर बस, सहनशीलता आन,
येहै मूरत त्याग की, नित्य करे बलिदान।

नारी को मत मानिये, दुर्बल अबला-जान,
दुर्गा काली कालिका, नारी है तूफान।

युर्गो-युर्गो से ये जगत, ठहरा पुरूष प्रधान,
कदम-कदम पर रोकता, नारी का उत्थान।

जितना गाओ कम लगे, नारी का गुणगान,
जी चाहे कण-कण करे नारी का सम्मान।

श्रीमति अनिता देशमुख
अतिथि - विद्वान (समाजशास्त्र)

माँ

जब सोचा तो ये जाना मैने,
माँ से भरी है ममता।
वो तो देवी है ममता की,
उसमे है दर्द सहने की क्षमता।
माँ ने हमे जन्म दिया है,
माँ ने हमें बड़ा किया है।
माँ ने हमें सुख दिया है,
बदले मे हमको देख लिया है।
जब बच्चे को कुछ हो जाये तो,
माँ का मन बहुत ही घबराएँ।
लेकिन जब बच्चा ठीक हो जाए,
माँ का मन खुशी से फुला न समाएँ।
माँ-बाप का रहता है सपना,
बच्चा दुनिया मे नाम कमाए अपना।
लेकिन बच्चा तोड़े माँ का ये सपना,
माँ को लगे दुनिया में कुछ भी न अपना।
माँ कि दुआ से तुमने,
देखी है ये दुनिया,
कब समझोगे तुम,
माँ बिन कुछ भी नही अपना।

पायल राहागडाले
बी.ए.द्वितिय वर्ष

सुविचार

1. समय और शब्द दोनों का उपयोग लापरवाही से न करें,
   क्योंकि ये दोनों ना दुबारा आते है ना मौका देते है।
2. क्रोध और आंधी दोनों एक समान है।
   शांत होने के बाद पता चलता है कि कितना नुकसान हुआ।
3. शब्दो की ताकत को कम नहीं समझना साहब,
   क्योंकि छोटा सा 'हां' और छोटा सा 'ना' पूरी जिंदगी बदल देता है।
4. हर छोटा वदला वड़ी सफलता का बदला होता है।
5. पंछी कभी अपने वच्चे को भविष्य के लिए घोंसले बनाकर नही देते,
   वो तो वस उन्हे बढ़ने की कला सीखाते है।
6. मेहनत वो सुनहरी चॉबी है, जो बंद भविष्य के दरवाजे भी खोल देती है।
   नादान इंसान ही जिंदगी का आनंद लेता है।
   ज्यादा होशियार तो हमेंशा उलझा देता है।
7. आप तब तक नहीं हार सकते.....
   जब तक आप प्रयास करना नहीं छोड़ देते.....।।

संध्या नेवारे
बी. ए. तृतीय वर्ष

GOODS AND SERVICE TAX

1.	GST लागू हुआ	–	1 जुलाई 2017 से
2.	GST का माडल	–	कनाडा से लिया गया
3.	GST बिल पारित करने वाला देश	–	असम
4.	GST लागू करने वाला प्रथम राज्य	–	तेलगांना
5.	GST लागू करने का सुझाव	–	जिम केलकर समिति
6.	GST प्रारूप के प्रथम अध्यक्ष	–	असीम दास गुप्ता
7.	GST का गठन	–	अनुच्छेद 2792
8.	GST पारित किया गया	–	122 वे संशोधन के तहत
9.	GST अधिनियम	–	101 के तहत
10.	GST परिषद का मुख्यालय	–	दिल्ली
11.	GST बिल के अध्यक्ष	–	भारत के वित्त मंत्री
12.	GST अपनाने वाले देशो की संख्या	–	180
13.	GST लागु करने वालो विश्व का प्रथम देश	–	फ्रांस
14.	GST के तीन भाग है	–	CGST, SGST, IGST
15.	CGST का पूर्ण रूप	–	CENTRAL GOOD AND SERVICES TAX
16.	SGT का पूर्ण रूप	–	STATE GOODS AND SERVICES TAX
17.	IGST का पूर्ण रूप	–	INTEGRATED GOODS AND SERVICES TAX
18.	भारत मे पहली बार आपातकाल की घोषणा	–	26 अक्टूबर 1962 मे हुइ
19.	भारत देश मे दूसरी बार आपातकाल की घोषणा	–	3 दिसम्बर 1971 मे
20.	भारत देश के तीसरी बार आपातकाल की घोषणा	–	25 जून 1975 मे

21. भारत का राष्ट्रपति किस प्रकार से आपातकाल की घोषणा कर सकता है।

उ. राज्य मे राष्ट्रपति शासन, वित्तीय शासन

साक्षी बिसेन
बी.ए प्रथम वर्ष

माँ शब्द जितना छोटा है, वह उतना ही बड़ा अर्थ समेटे हुए हैं। माँ को शब्दों में क्या नहीं किया जा सकता। माँ तो उस सूर्य की तरह है, जो स्वयं तो जलती है, परन्तु उसके पीछे सारे संसार को ममता रूपी प्रकाश देती है। माँ का जीवन में महत्व सर्वोपरी होता है। जहा माँ का साया न हो वहाँ जीवन अधूरा-सा होता है। माँ का प्यार उस धरती की तरह होता है। जो हमेंशा देने की इच्छा रखता है।

जिसके उपकार का कर्ज कभी नही चुकाया जा सकता । माँ के ममता की सफेदी तो चन्द्रमा की सफेदी से भी अधिक होती है। माँ की संतान चाहे जिस अवस्था मे भी हो चाहे वह काना, अंधा या बहरा ही क्यों न हों वह बच्चा युवा या वृध्दा ही क्यों न हो माँ का प्यार तो हमेंशा एक समान बना रहता है। माँ तो उस काँटे की तरह होती है, जो स्वयं तो कष्ट सहन करती है, परन्तु उसके पीछे गुलाब के पुष्प की भाँति दुनिया की बुराईयों से संतान को बचाती है। माँ तो जीवन के रस की तरह है, जिसके बिना तो जीवन अधूरा है। माँ के बिना तो सृष्टि अधुरी है, तो फिर हम क्या.....

पायल गौतम
बी.एस सी प्रथम वर्ष

✸ ✸ ✸ सामान्य ज्ञान ✸ ✸ ✸

1.	राजनीति विज्ञान का पितामह कहा जाता है	-	अरस्तु
2.	सम्प्रभुता सिध्दान्त का सर्वप्रथम प्रतिपादन किसने किया	-	ज्या बोंदा
3.	सम्प्रभुता सिध्दान्त का व्यवस्थित रूप से प्रतिपादन करने का श्रेय किसको जाता है	-	जॉन ऑस्टिन।
4.	किसने सर्वप्रथम लोकप्रिय सम्प्रभुता की अवधारणा का प्रतिपादन किया	-	रूसों।
5.	शक्तियों के पृथकरण का सिध्दांत दिया	-	फ्रेंच टार्ज्ञनिक मान्टेस्कयू।
6.	संविधान सभा की पहली बैठक कब हुई थी	-	9 दिसम्बर 1946
7.	संविधान सभा के अस्थाई अध्यक्ष थे	-	श्री सच्चिदांनद सिन्हा।
8.	संविधान में मौलिक अधिकार किस देश से लिया गया है	-	संयुक्त राज्य अमेरिका।
9.	राजनिति विज्ञान की प्रवृत्ति क्या है	-	कला और विज्ञान
10.	किसे सत्ता का सिध्दांतकार माना जाता है	-	हॉबस।
11.	समानता का अधिकार है	-	सामाजिक अधिकार।
12.	स्वतंत्रता का अधिकार है	-	मौलिक अधिकार
13.	भारत के संविधान में नागरिकता संसोधन कब हुआ सबसे पहले-		1955

(वर्तमान में)

1.	भारत मे वर्तमान में कितने राज्य है	-	29
2.	भारत में वर्तमान में कितने केन्द्र शासित प्रदेश है	-	8
3.	एम.पी. में वर्तमान में कितने जिले है	-	52
4.	भारत में सब्जी उत्पादन में सर्वप्रथम या पहला राज्य कौन सा है-		पश्चिम बंगाल
5.	भारत में फल उत्पादन में पहला राज्य कौन सा है	-	आन्ध्रप्रदेश
6.	विश्व का दूसरा सवसे बड़ा हथियार उत्पादन देश है	-	चीन
7.	देश की पहली अंडर वाटर मेट्रो ट्रेन कहां शुरू की जायेगी	-	कोलकाता।
9.	भारत का पहला एनिमल वार मेमोरियल कहॉ खोला जाएगा	-	मेरठ में
10.	71 वे गणतंत्र दिवस पर 26 जनवरी 2020को 'शिव भोजन' योजना किस राज्य ने लांच किया है	-	महाराष्ट्र

राकेश कुमार मरकाम
बी.ए प्रथम वर्ष

खेल संगठनो के प्रमुख

1.	सी.ई.ओ. अन्तर्राष्ट्रीय परिषद (ICC)	-	मनु साहनी
2.	अध्यक्ष भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI)	-	सी के खन्ना
3.	अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC)	-	शशांक मनोहर
4.	प्रथम डिप्टी चेयरमैन अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC)	-	इमरान ख्वाजा
5.	प्रथम स्वतंत्र महिला निदेशक आई सी सी	-	इंदिरा नुई
6.	मुख्य कोच, भारतीय क्रिकेट टीम	-	रवि शास्त्री
7.	महानिदेशक भारतीय खेल प्रधिकरण	-	नीलम कपुर
8.	अध्यक्ष, भारतीय टेबल टेनिस संघ	-	दुष्यंत चौटाला
9.	कोच भारतीय महिला क्रिकेट टीम	-	डब्बूवी. रमन
10.	अध्यक्ष अखिल भारतीय फुटबॉल परिसंघ (AIFE)	-	प्रफुल्ल पटेल

संवैधानिक पदाधिकारी

1.	राष्ट्रपति	-	श्री रामनाथ कोविंद (14वाँ)
2.	उपराष्ट्रपति	-	श्री एम.वैकेया नायडु(13वाँ)
3.	प्रधानमंत्री	-	श्री नरेन्द्र मोदी (15वाँ)

न्यायिक प्रमुख

1.	मुख्य न्यायधीश सर्वोच्च न्यायलय	-	न्यायमूर्ति इंजन गोगोई (46वॉ)
2.	मुख्य न्यायधीश (अटॉनी जनरल ऑफ इंडिया)	-	के के वेणुगोपाल
3.	महाधिक्ता (सॉलिसिटर जनरल)	-	तुषार मेहता
4.	अध्यक्ष राष्ट्रीय हरित न्यायधिकरण	-	आदर्श कुमार गोयल

संसदीय प्रमुख

1.	सभापति राज्यसभा	-	श्री एम.वैकेया नायडू
2.	उपसभापति राज्य सभा	-	हरिवंश नारायण सिंह
3.	महासचिव राज्य सभा	-	देश दीपक वर्मा
4.	नेता विपक्ष राज्यसभा	-	गुलाब पदी आजाद
5.	नेता सतापक्ष राज्य सभा	-	थावर चंद बध्लोन
6.	अध्यक्ष लोकसभा	-	ओम बिडला
7.	कांग्रेस नेता लोकसभा	-	अधिर रंजन चौधरी
8.	महासचिव लोकसभा (पहली महिला)	-	स्नेहलता श्रीवास्तव
9.	नेता सत्तापक्ष लोकसभा	-	श्री नरेन्द्र मोदी

रितु मर्सकोले
बी.ए. तृतीय वर्ष

सुविचार

1. जो कुछ भी हम ने स्कूल मे सिखा है, वो सब भूल जाने के वाद भी जो हमें याद रहता है, वो ही हमारी शिक्षा है।
2. अगर आप एक पुरूष को शिक्षित करते है तो आप सिर्फ एक पुरूष को शिक्षित करते है, लेकिन अगर आप एक स्त्री को शिक्षित करते है तो आप एक पूरी पीढ़ी को शिक्षित करते है।
3. शिक्षा का कार्य गहनता से व सूक्ष्मता से सोचने की क्षमता विकसित करना है। बुध्दिमानी के साथ सद्चरित्र - यही सच्ची शिक्षा का लक्ष्य है।
4. ज्ञान वो सबसे शक्तिशाली हथियार है जिससे आप पूरी दुनिया बदल सकते है।
5. शिक्षा की जड़ें कड़वी होती है, मगर फल मीठा होता है।
6. कोई भी, जिसने सीखना छोड़ दिया चाहे उसकी उम्र बीस साल हो या अस्सी साल हो, वो बूढ़ा है कोई भी जिसने सीखना नही छोड़ा, वो युवा है।
7. औपचारिक शिक्षा आपको जीवन यापन करने योग्य बनाती है, स्वः शिक्षा आपको सफल बनाती है।
8. बिना अपना आपा और आत्मविश्वास खोये, कुछ भी कर सकने की योग्यता ही शिक्षा है।
9. अगर लोग छोटी-छोटी नादानियॉ नहीं करते तो कुछ भी बड़ा बुद्विमत्तापूर्ण काम नहीं होता।
10. शिक्षा का महान उद्देश्य केवल ज्ञान प्राप्त करना नही, उस पर अमल करना है।
11. जीवन ऐसे जियो कि आप कल तर जायेगे, ज्ञान ऐसे प्राप्त करो कि आप अमर है।
12. परिवर्तन ही सच्ची विद्या का अंतिम परिणाम है। धन तभी सार्थक है, जब धर्म भी साथ हो।
13. जिसके पास धैर्य है, वह जो चाहे वो पा सकता है।
14. यदि आप दृढ़, संकल्प और पूर्णता के साथ काम करेगे तो सफलता निश्चित है।
15. मनुष्य की सबसे बड़ी शिक्षक उसकी गलतियां होती है।
16. कर्म वो आईना है जो हमारा स्वरूप हमें दिखा देता है।
17. विशिष्टता तभी सार्थक है, जब शिष्टता भी साथ हो।
18. ज्ञानी होना तभी सार्थक है जव सरलता भी साथ देती है।
19. सम्पत्ति तभी सार्थक है जव स्वास्थ्य भी अच्छा हो।
20. परिवार का होना तभी सार्थक है जव उसमें प्यार और आदर हो।
21. "परिस्थिति" की पाठशाला ही इंसान को वास्तविक शिक्षा देती है।
22. "छोटी सोच"- शंका को जन्म देती है...और "बड़ी सोच"-समाधान को.....।
23. समस्या का अंतिम हल है माफी, कर दो या मांग लो।

कुमारी दिव्या टेम्भ
बी.कॉम द्वितीय वर्ष

कुछ विशिष्ट जन्तु

1.	उड़ने वाली स्तनी	–	चमगादड़
2.	अण्डा देने वाला स्तनी	–	आर्नियोरिकस
3.	उड़ने वाला सरीसृप	–	ड्रैको (एक प्रकार की छिपकली)
4.	उड़ने वाली मछली	–	एक्सोसीट्स
5.	सबसे लम्बी आयु वाला जन्तु	–	कछुआ (टेक्टयूडो)
6.	सबसे लम्बी छिपकली	–	कोमोडो ड्रैगन (3 मीटर)
7.	सबसे छोटा कशेरूकी जन्तु	–	पेन्डाका पिग्मिया (एक प्रकार की मछली)
8.	विश्व का विशालत्तम जन्तु	–	नीला व्हेल (30 मीटर)
9.	पानी न पीने वाला जन्तु	–	कंगारू रैट
10.	पीठ के उपर आँखो वाला जन्तु	–	तिलचट्टे की
11.	सफेद खून वाला जन्तु	–	तिलचट्टा
12.	जमीन पर न बैठने वाला जन्तु	–	चमगादड़
13.	उड़ने वाला सॉप	–	यूरोफ्लेटायडी
14.	तीन हृदय वाला प्राणी	–	कैटलफिश
15.	सर्वाधिक तीव्रगामी पक्षी	–	गरूड़
16.	घोंसला न बनाने वाला पक्षी	–	कोयल
17.	सबसे बड़ा स्वावलंबी पक्षी	–	हारिल
18.	बिना पैर का घोड़ा	–	सॉफ
19.	नेत्र व पंख वाला दीमक	–	स्वारमर
20.	हमेशा खुली आँखो वाला जन्तु	–	सॉप
21.	जन्तुओं का खून चूसने वाला पक्षी	–	वैम्पायर चमगादड़ (अमेरिका)
22.	बच्चा पैदा कर दूध पिलाने वाली मछली	–	शील और व्हेल मछली
23.	पत्थर खाने वाला पक्षी	–	शुतुरमुर्ग

कुमारी माहेश्वरी बोपचे
बी.एस.सी तृतीय वर्ष

सुविचार

1. कुछ भी नया करने में संकोच मत करो ये मत सोचो की हार होगी, हार तो कभी नहीं होती या तो जीत मिलती है या सीख मिलती है।
2. अगर उपवास करके भगवान खुश होते है इस दुनिया में बहुत दिनों तक खाली पेट रहने वाला भिखारी सवसे सुखी इंसान होता।
3. जीवन मे चार चीजें मत तोड़िए - विश्वास, रिश्ता, हृदय और वचन। क्योकि ये जब टूटते है तो आवाज नहीं आती पर दर्द बहुत होता है ।
4. हर तकलीफ से इंसान का दिल दुखता बहुत है, पर हर तकलीफ से इंसान सीखता बहुत कुछ है।
5. दर्द भी दो तरह के होते है- एक तो वो जो आपको तकलीफ देते हैं और एक वो जो आपको वदल देते है।
6. मनुष्य को हमेंशा यह नहीं सोचना चाहिए कि वो अपने जीवन मे कितना खुश है, बल्कि यह सोचना चाहिए की उस मनुष्य की वजह से दूसरे कितने खुश है।
7. सत्य से कमाया धन हर प्रकार से सुख देता है, छल कपट से कमाया धन दुख ही दुख देता है।
8. शिक्षक और सड़क दोनो एक जैसे होते है, खुद जहाँ है वहीं पर रहते है, मगर दूसरों को उनकी मंजिल तक पंहुचा देते है।

कुमारी संध्या पटले (बी.कॉम तृतिय वर्ष)

भारत के राज्य, राजधानी एवं मुख्यमंत्री

क्र.	राज्य	राजधानी	मुख्यमंत्री
1.	असम	दिसपुर	श्री सर्वानंद सोनोवाल
2.	उत्तरप्रदेश	लखनऊ	योगी आदित्यनाथ
3	पश्चिम बंगाल	कोलकाता	ममता बनर्जी
4.	बिहार	पटना	नीतीश कुमार
5.	उड़ीसा	भुवनेश्वर	नवीन पटनायक
6.	केरल	तिरूअन्तपुरम	पिनरई विजायन
7.	गुजरात	गाँधीनगर	विजय रूपाणी
8.	तमिलनाडू	चैन्नई	ओ ईदापदी पलीनी स्वामी
9.	जम्मूकश्मीर	श्री नगर	महबूबा मुफ्तीसईद
10.	पंजाब	चड़ीगढ़	केप्टन अमरिंद सिंह
11.	हरियाणा	चंड़ीगढ़	मनोहर लाल खटटर
12.	मध्यप्रदेश	भोपाल	शिवराज सिंह चौहान
13.	मणिपुर	इम्फाल	एन.बी.रेन सिंह
14.	हिमाचलप्रदेश	शिमला	जयराम ठाकुर
15.	उत्तराखण्ड	देहरादुन	प्रिबैन्द्र सिंह रावत
16.	अरूणाचलप्रदेश	ईटानगर	श्री पेमा खान्डू
17.	तेंलगाना	हैदराबाद	के. चन्द्रशेखर राव
18.	आन्ध्रप्रदेश	हैदराबाद	बाई.एस. जगमोहन रेड्डी
19.	कर्नाटक	बंगलौर	बी.ए.येदपुर पुरप्पा
20.	गोवा	पणजी	प्रमोद सावत
21.	छत्तीसगढ़	रायपुर	भुपेश बघेल
22.	झारखण्ड	रॉची	हेमन्त सोरेन
23.	नागालैण्ड	कोहिमा	नेफियूरियो
24.	महाराष्ट्र	मुम्बई	उध्दव ठाकरे
25.	मिजोरम	आइजोल	जोरा मयंगा
26.	मेघालय	शिलांग	कॉनराड संगमा
27.	राजस्थान	जयपुर	अशोक गढलोक
28.	भारत	दिल्ली	अरविन्द केजरी वाल
29.	सिक्किम	गंगलोक	प्रेमसिंह तमांग
30.	त्रिपुरा	अमरतला	विप्लव कुमार देव
31.	पाण्डुचेरी	पाण्डिचेरी	बी.नारायण स्वामी

भारत के कुल राज्य एवं उनके जिले की संख्या

राज्य	जिले
आन्ध्रप्रदेश	13
अरूणाचल	24
असम	33
बिहार	38
छत्तीसगढ़	27
गोवा	02
गुजरात	33
हरियाणा	22
झारखण्ड	24
कर्नाटक	30
मध्यप्रदेश	52
महाराष्ट्र	36
मणिपुर	16
मेघालय	11

राज्य	जिले
मिजोरम	08
नागालैण्ड	12
ओड़ीसा	30
पंजाब	22
राजस्थान	33
सिक्किम	04
तमिलनाडू	33
त्रिपुरा	08
उत्तरप्रदेश	75
उत्तराखण्ड	13
पश्चिम बंगाल	23
तेलगाना	33
केरल	14

मनोज आमाडारे
बी.ए तृतीय वर्ष

GST

1.	GST लागू हुआ	–	1 जुलाई 2017
2.	GST का महत्व	–	कनाडा से लिया गया
3.	GST बिल पारित करने वाला प्रथम राज्य	–	असम
4.	GST लागू करने वाला प्रथम राज्य	–	तेलंगाना
5.	GST लागू करने का सुझाव	–	विजय केलकर समिति
7.	GST प्रारूप के प्रथम अध्यक्ष	–	असीम दास गुप्ता
8.	GST का गठन	–	अनुच्छेद 279(क)
9.	GST पारित किया गया	–	122 वें संशोधन के तहत
10.	GST परिषद का मुख्यालय	–	दिल्ली
11.	GST बिल के अध्यक्ष	–	भारत के वित्त मंत्री
12.	GST अपनाने वाले देश की संख्या	–	160
13.	GST लागू करने वाला विश्व का प्रथम देश	–	फ्रांस
14.	GST के तीन भाग है	–	CGST, SGST, IGST

कुमारी पल्लवी वारके
बी.ए.तृतीय वर्ष

सामान्य ज्ञान

1. "कोर्थ स्टेट" किसे कहते है?

उत्तर- समाचार पत्र

2. संसार की किस चीज की गति सबसे तेज है ?

उत्तर- मन

3. रविवार की छुट्टी कब से आरम्भ हुई?

उत्तर- सन् 1843 से

4. वह क्या है, जो संसार में हर जगह, हर वक्त पाया जाता है?

उत्तर- ईश्वर

5. 1 से लेकर 100 तक की गिनती लिखने मे कितनी बार 1 को लिखना पड़ता है?

उत्तर- 21 बार

6. बच्चे किस महिने मे कम रोते है?

उत्तर- फरवरी में

7. किस स्थान पर छः महिने के दिन - रात होते है?

उत्तर- उत्तरी ध्रुवों पर

8. किस देश के लोग पीले रंग के होते है?

उत्तर- चीन

9. ताजमहल को कितने कारीगारों ने कितने समय में बनाया ? उसमें कितनी लागत आयी ?

उत्तर- ताजमहल को 20000 कारीगारों ने 20 वर्ष में बनाया, इसे बनाने में उस समय चार करोड़ रु
खर्च आया था।

10. किस देश के लोग काले रंग के होते है?

उत्तर- अफ्रीका के नीग्रो लोक

11. विश्व में सबसे अधिक मतदाता किस देश मे है?

उत्तर- भारत (50 करोड़ से अधिक)

12. किस देश के लोग सांप खाते है?

उत्तर- चीन

13. पृथ्वी के किस भाग में सुनहरा सूर्योदय व सूर्योस्त होता है?

उत्तर- अन्टार्क्टिका दक्षिण ध्रुवीय प्रदेश

14. सबसे गर्म व सबसे ठण्डा ग्रह कौन सा है?

उत्तर- सबसे गर्म वुध एवं सबसे ठण्डा ग्रह प्लूटो

15. विश्व का सबसे प्राचीन धर्म कौन सा है?

उत्तर- हिन्दू धर्म

16. अन्तरिक्ष में जाने वाली प्रथम महिला कौन है ?

उत्तर- कल्पना चावला

रोशनी बिसे
बी.एस सी प्रथम

मेरे पापा

मुझे इतना प्यार न दो पापा,
कल जितना मुझे नसीब नही!
ये जो माथा चुमा करते ही,
कल इस पर शिकन अजीब न हो!
मैं जब भी रोती हूं पापा,
तुम आँसू पोछा करते हो!
मुझे इतनी दूर न छोड़ आना,
मै रोउ और तुम करीब न हो ।
मेरे नाज उठाते हो पापा
मेरे लाड़ उठाते हो,
मेरी छोटी - छोटी ख्वाहिश पर
तुम जान लुटाते हो !
कल ऐसा न हो एक नगरी में,
मैं तन्हा तुमको याद करू और
रो रो कर फरियाद करू !
ऐ भगवान मेरे पापा सा,
कोई प्यार जताने वाला हो ,
मेरे नाज उठाने वाला हो !

काजल चौरसिया
बी.ए. द्वितीय वर्ष

हमारा हिन्दुस्तां

सारे जहाँ से अच्छा हिन्दुस्ताँ हमारा,
मुश्किल बहुत है लेकिन जीना यहाँ हमारा।
सब बुलबुले यह कहकर, खामोश हो गई हैं,
कौओं के शोर में अब, नगमा कहाँ हमारा।
पर्वत वो सबसे उँचा, गम मे पिघल रहा है,
मालूम है उसे भी दर्द निंशा हमारा।
संगी सिखा रहें आपस में वैर रखना,
मिट्ता ही जा रहा है, हम सबमें भाई चारा।।
हम बेवफा ही समझे, जाते रहे है अब तक,
सौ बार ले चुके है, वो इम्तेहां हमारा ।।
हर पेड़ पर है उल्लू कब्जा जमाए बैठे,
किस शाख पर बनेगा अब आशियाँ हमारा।।
अजमत दरी धोवले, दहशत गरी है हर सू,
जन्नत नुमा चमन में कैसे खिजा ना आए,
कातिल है बुलबुलो का बागवाँ हमारा।।
हम को मिटाने वाले सब मिट गए जहाँ से,
अब तक मगर है बाकी नामो निशां हमारा ।।
इशीद ये है कहता आंहे भरते - भरते,
कैसे बदल गया है अब हिन्दुस्तां हमारा।।

रूप महान या गुण महान

एक बार सम्राट चद्रंगुप्त ने चाणक्य से कहा - चाणक्य काश! तुम खूबसूरत होते? यह सुनकर चाणक्य बोले -राजन ! जहां तक मेरा मानना है, इंसान की पहचान उसके गुणों से होती है रूप से नही। तब चन्द्रगुप्त ने पूछा - क्या कोई ऐसा उदाहरण दे सकते हो, जहाँ गुण के सामने रूप छोटा रह गया हो ?

चाणक्य ने राजा को दो गिलास पानी पीने दिया और फिर चन्द्रगुप्त से कहा - पहले गिलास का पानी सोने के घड़े का था और दूसरे गिलास का पानी मिट्टी के घड़े (मटके) का आपको कौन -सा अच्छा लगा।

चन्द्रगुप्त बोले - मटके से भरे गिलास का पानी अच्छा लगा पास ही चंद्रगुप्त की पत्नी भी खडी थी और वे चंद्रगुप्त और चाणक्य की बातो को बड़े ध्यान से सुन रही थी । चाणक्य के इस उदाहरण से वे काफी प्रभावित हुई। उन्होंने कहा - वो सोने का घड़ा किस काम का, जो प्यास न बुझा सके। मटका भले ही दिखने में अच्छा न हो लेकिन प्यास मटके के पानी से ही बुझती है.....

"यानी रूप नही, गुण महान होता है"।

पूजा तिवारी
विजय शंकर तिवारी

बेटी बचाओ और बेटी पढाओ

बेटियो को बचालो .....बेटो की तरह पालो.....

जिस राष्ट्र की बेटियों को सम्मान नहीं किया जाता है, उस राष्ट्र की बेटिया राष्ट्र का कैसा निर्माण करेंगे।

यदि बेटो की तरह पालोगे तो.....

बेटियो को बचालो बेटो की तरह पालो

ये भी अपनी संतान है, कोई गैर नहीं अरे इनके अन्दर भी जान है, कोई गैर नही गर्भ के अन्दर बेटी के जो प्राण हरन करते हैं सबसे बड़ा पाप दुनिया का अपने सर धरते है, भगवान रूपी बच्ची, क्यों काट डाली कच्ची वो दुनिया से अंजान है, कोई गैर नहीं आपने सुना होंगा कि परम पिता परमात्मा की सबसे सुन्दर रचना है, क्या -इंसान ,लेकिनआज देखा जाता है,कि इंसान पशुओ से भी बेकार और नीचे गिर चुका है बेकार और नीचे गिर चुका है।

बेटियो को बचालो.....बेटो की तरह पालो.....

बंदरी अपने बच्चो को छाती से चिपकाती, कुतिया भी आठ आठ पिल्लो को दूध पिलाती है, सबको बच्चे प्यारे, इनको कोई नही मारे.....

अरे तू कैसा इंसान है तेरी खैर नहीं
अरे इनके अन्दर भी जान है, कोई गैर नहीं
माता में ममता होती है संतान लगे है, प्यारी
हत्या करने वाले को तो कहते है हत्यारी
एक बात कहते है, हम
बेटी नहीं बेटों से कम
इनकी अपनी पहचान है, कोई गैर नही
इनके अन्दर भी जान है कोई गैर नहीं
अन्तिम लाइनों मे बड़ा सुन्दर लिखा है, और क्या कहना है,
अल्ट्रा साउड करने वाले सुनो डॉ. भैया
जिसने तुमको जन्म दिया है वो थी तेरी मैया, पड़ लिख के यारो
मत बेटियो को मारो ..

कुमारी भारती गौतम
बी.एस सी द्वितीय वर्ष

जिन्दगी के मैदानों में

अजीब सी धुन बजा रखी है
जिंदगी ने मेरे कानों में,
कहाँ मिलता है चैन
पत्थर के इन मकानों में।
बहुत कोशिश करते है
जो खुद का वजूद बनाने की
हो जाते है दूर अपनों से
नजर आते है वेगानों में।

हस्ती नही रहती दुनिया में
इक लंबे दौर तक आखिर
मे जगह मिलती है
उन्हें कहीं दूर शमशानों में।
न कर गम कि
कोई तेरा नहीं
खुश रहने की राह है
मस्ती के तरानो मे

पीयूष बोरकर
बी.ए तृतीय वर्ष

मेरी माँ

जिससे बंधी है खुशियों मेरी
जिससे बना ये जहाँ सबसे
अच्छी सबसे प्यारी
वो है मेरी माँ.....
वो है मेरी माँ.....
कभी डॉटती भी नहीं
कभी मारती भी नहीं
कही रूठती मै कभी
मुझको वो लेती मना
सबसे अच्छी सबसे प्यारी
वो है मेरी माँ.....
वो है मेरी माँ.....
बचपन बिताया ऑचल तले
ममता से सींचा उसने मुझे
गोदी में सुन-सुन के लोरी
होती रही मैं जवा.....
सबसे अच्छी सबसे प्यारी
वो है मेरी माँ.....
वो है मेरी माँ.....
हो ना कभी मुझसे जुदा
मेरी गुरू है वो मेरी खुदा
मेरी लिए हर-पल हमेंशा
रव से जो माँगे दुआ

अरूणा सोनवाने
बी.ए तृतीय वर्ष

गुरू और समुद्र

1. गुरू और समुद्र दोनो ही गहरे है
पर दोनो में एक ही फर्क है
समुद्र की गहराई मे इन्सान
डूब जाता है। और गुरू की
गहराई मे इंसान तर जाता है।

2. शिक्षक और सडक दोनो
एक जैसे होते है, खुद
जहाँ है वही पर रहते है।
मगर दूसरो को उनकी मंजिल
तक पहुँचा देहते है।

3. दुनिया की हर चीज ठोकर
लगने से टूट जाया करती है ।
एक कामयाबी ही है।
जो ठोकर खाकर ही मिलती है।

4. जिंदगी के हर कदम पर
हमारी सोच हमारे बोल
हमारे कर्म ही हमारा भाग्य लिखते है।

5. झूठ बोलते है वो लोग जो
कहते है हम सब मिट्टी से बने है।
मै कई अपनी को देखा जो
पत्थर से बने है।

6. जिंदगी आसान नही होती है ।
इसे आसान बनाना पड़ता है।
कुछ अंदाज से कुछ
नजर अंदाज से।

7. देने के लिए दान,
लेने क लिए ज्ञान।
और त्यागने के लिए
अभिमान सर्वश्रेष्ठ है।

कुमारी रागिनी चौधरी
बी.ए. तृतीय वर्ष

शायरी

एक दुनिया है, जो समझाने से भी नही समझती,
एक माँ थी, बिन बोले सब समझ जाती थी।

उसकी दुआओं में ऐसा असर है,
कि सोये भाग्य जगा देती है,
मिट जाती है दुःख दर्द सभी,
माँ जीवन मे चार चाँद लगा देती है।

न जाने क्यों आज अपना ही घर
मुझे अनजान सा लगता है,
तेरे जाने के बाद ये घर - घर
नहीं खाली मकान सा लगता है।

तेरे ही आँचल में निकला बचपन,
तुझ तक ही तो जुडी हर धड़कन ,
कहने को तो माँ सब कहते
पर मेरे लिए तो है तू भगवान ।

हालातो के आगे जब साथ,
न जुबां होती है,
पहचान लेती है, खामोशी मे हर
दर्द वो सिर्फ "माँ " होती है।

सब माँ पे लिखते है। पिता पे लिखते है।
मै भला उन पे क्या लिखूं, जिनसे हम लिखते है।

पीयुष बोरकर
बी.ए तृतीय वर्ष

कविता

बेटी बनकर आयी हूँ,
माँ बाप के जीवन में
बसेरा होगा कल मेरा किसी और के
आँगन में क्यू ये रीत बनायी होगी
खुदा ने कहते है लोग आज नहीं
तो कल तू पराई होगी, जन्म
पाल पोसकर जिसने बड़ा किया और
वक्त आया तो उसी हाथों ने विदा किया,
टुट कर विखर जाती है,
हमारी जिन्दगी और उस बन्धन में
प्यार मिले थे जरूरी तो नही,
क्यो ये रिश्ता इतना अजीज होताहै
क्या यही हम वेटियो का नसीव होता है।
फूलो का ताज होती है, वेटियाँ माएका और
ससुराल दो-दो कुलं की ताज होती है वेटिया।
मत झुकने देना इस ताज को क्योकि
बेटो से बढ़कर अपनी होती है वेटियाँ

वंश वंश करते मानव तुम
वंश बेल को काट रहे हो
एक फल की चाहत मे तुम
पूरा बाग उजाड़ रहे हो
फूल रहे ना धरती पर तो
फूल तुम कैसे पाओगे
अंश काटकर अपना तुम
कैसे वंश बढाओगे
उम्र की ढलती शाम मे जब
बेटा खडा न होगा साथ
याद करोगे अंश को अपने
खुद मारा जिसको अपने हाथ
मत कूचलो नन्ही कलियो को
उनको जग मे आने दो
बनकर फूल खिलेगी एक दिन
जीवन उनको भी पाने दो।

दिव्या बिसेन
बी. ए. प्रथम वर्ष

नारी सशक्तिकरण

ए मेरे देश की नारी
तू क्यूँ है इतनी बेचारी
तेरी शक्ति तेरी भक्ति
तेरा हर एक रूप बड़ा है
तू है दूँर्गा तू है काली
सबने ये स्वीकार किया है
तू खूद को पहचान न पाती
सारा जीवन यूँ ही बिताती
सबका सब कुछ सुनते सुनते
सबमें तू बस से जान लुटाती
क्यूँ तू खूद को मान देती
क्यूँ तू खुद को जान न लेती
तेरी अपनी सोच अलग है
तेरा खुश रहना भी हक है
तेरी भी कुछ उम्मीदें है
तुझको भी सपने आते है
तू बस सबकी सूनती रहती
सबके आगे सर को झुका के

दिल का दर्द

तू बस दिल का दर्द छिपाती
एक दिन ऐसा भी आएगा

सबको सब कुछ मिल जाएगा
तेरी त्याग भावना पर

सबका सार भी झुक जायेगा
पर दिल के कोने मे बस

तेरा सपना मर जायेगा
यूँ तू खूश कम न होगे

एक टीस बस उठ जाएगी
काश मेरा भी
कोई वजूद होता

जाग्रति पटले
बी.ए. द्वितीय वर्ष

बेटी

बेटी बनकर आयी हुँ
मॉ बाप के जीवन मैं
बोरा होगा कल मेरा
किसी और के आंगन में।
क्यू ये रित खुदा ने बनाई होगी
कहते है आज नहीं तो कल तू पराई होंगी।
देके जन्म पाल पोस कर
जिसने बड़ा किया
और वक्त आया तो उन्हीं
हाथो ने विदा किया।
टुट कर बिखर जाती है
हमारी जिंदगी वही पर
फिर भी उस वंधन में
प्यार मिले जरूरी तो नही।
क्यू ये रिस्ता हमारा
इतना अजीव होता है
क्या यही हम सब
बेटीया का नसीव होता है।

प्रियंका घोड़ेसवार
वी. एस. सी. तृतीय वर्ष

G.K.(GENRAL KNOWLELEGE) M.P.(MIDDLE PROVISION)

1) म.प्र. का गठन 1 नवम्बर 1956 को मे हुआ था उस समय प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने इसका नामकरण किया था।
2) म.प्र. के उपनाम - सोयाप्रदेश, हृदयप्रदेश, नदियों का मायका आदि।
3) वर्तमान में भारत की टाइगर संख्या 3000 है।
4) म.प्र. में 52 जिले और 375 तहसील है। और बालाघाट जिले मे 13 तहसील है
5) बैहर, कटंगी, वारासिवनी, लालबर्रा, लांजी, किरनापुर, बिरसा, परसवाड़ा, खैरलांजी, तिरोड़ी
6) म.प्र. का कल क्षेत्रफल - 3287263
7) म.प्र. में शिक्षा गांरटी योजना 1 जनवरी 1997 में लागू की गई।
8) वैनगंगा नदी बालाघाट से होकर गुजरती है।
9) बालाघाट जिले में सबसे अधिक मैंगनीज निकाला जाता है।

माता-पिता को भूलना नहीं

भूलो सभी को मगर, माता-पिता को भूलना नहीं।
उपकार अगणित है उनके, इस बात को भूलना नहीं।
पत्थर पूजे कई तुम्हारे, जन्म के खातिर भरे।
पत्थर बन माता-पिता का, दिल कभी कुचलना नहीं।
मुख का निवाला दे भरे, जिसने तुम्हें बड़ा किया
अमृत पिलाया तुमको, जहर उनके लिये उगलना नही।
कितने लड़ाये लाड़, सब अरमान भी पूरे किये।
पूरे करो अरमान उनके, बात यह भूलना नही,
लाखों कमाते हो भले, माता-पिता से ज्यादा नहीं।
सेवा बिना सब राख है, मद में कभी फूलना नही।
संतान से सेवा चाहो, संतान बन सेवा करो।
जैसी करनी वैसी भरनी, न्याय यह भूलना नहीं।
सोकर स्वंय गीले में सुलाया तुम्हें सुखी जगह।
मॉ की अमीमय ऑखों को, भूलकर कभी भिगोना नही।
जिसने बिछाये फूल थे, हर दम तुम्हारी राह में
उस राह बर की राह के, कंटक कभी बनना।

1. मॉ ममता की छाया मे सुकून सा नजारा है आँखों मे वो प्यासवन रस अमृत सा पावन मन
2. मॉ जब मुस्कुराये तो धरती अम्बर छा जाये ममता ही ममता नजर आये
3. मा का लो भोलापन ऑखो मे कोमलता लाये मॉ के ऑचल के बिना सारा संसार मुरझाये
4. सृष्टि का यह चक्र अनमोल मॉ के लिए कुर्बान रहे मॉ के अस्तित्व को जानपाये वो दुनिया को पहचान जायें।

अनुराधा पटले
बी.एस सी तृतीय वर्ष

डॉ. भीमराव आम्बेडकर की जीवनी

संविधान के निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को म
प्र. के इन्दौर जिले की फौजी छावनी के एक छोटे से कस्बे महु में हुआ था। उनक
पैदाइशी नाम भीमराव था उपकी मॉ उन्हे प्यार से भीमा कहकर पुकारती थी। उनके
पिता का नाम रामजी मालो सकपाल था वे ब्रिटिश सेना में सुबेदार के पद पर कार्यरत
थे भीम का परिवार मुलतः कोकण क्षेत्र के रत्नागिरी जिले के दापोली तालूक के
अम्वावडे गांव का रहने वाला था जिसकी वजह से भीम का उपनाम आम्बावाडेकर थ
भीमराव की मॉ का नाम भीमावाई था। वे एक शिक्षित व सम्पन्न परिवार की थी।
भीमराव अपने माता -पिता की चौदहवी संतान थे। वे अपने भाई-बहनो मे
सबसे छोटे थे। उनके भाई वहनो मे नौ की मृत्यु हो गई थी उन्हे मिलाकर केवल पांच पुत्र व पुत्रिका ही जीवित
रहे, इनमे 3पुत्र व 2 पुत्रिया थी। जिसमे बडे भाई का नाम बलराम और दुसरे भाई का नाम आनन्दराव था
उनके अतिरिक्त मंजुला व तूलसी दो बहने थी वे भी भीम से वड़ी थी। जब स्कूल में पड़ते थे तब उनके एक
ब्राम्हण शिक्षक थे जो उनसे वहुत प्यार करते थे।

दीक्षा वासनिक (बी. ए तृतीय वर्ष

सत्य के प्रयोग (आत्मकथा)

आत्मिक शिक्षा

विद्यार्थियों के शरीर और मन को शिक्षित करने की अपेक्षा आत्मा को शिक्षित करने मे मुझे बहुत परिश्रम करना पड़ा। आत्मा के विकास के लिए मैने धर्मग्रन्थों पर कम आधार रचा था, मैं मानता था कि विधार्थियों को अपने - अपने धर्म के मूल तत्व जानने चाहिए अपने - अपने धर्म ग्रन्थों का साधारण ज्ञान होना चाहिए, इसलिये मैने यथाशक्ति इस बात की व्यवस्था की थी कि उन्हें यह ज्ञान मिल सके। किन्तु उसे बौध्दिक शिक्षा का अंग मानता हूँ आत्मा की शिक्षा बिल्कुल एक भिन्न विभाग है, इसे मै टालस्टाय आश्रय के बालको को सिखाने लगा, उसके पहले ही जान चुका था, आत्मा का विकास होने का अर्थ है चरित्र का निर्माण करना, ईश्वर का ज्ञान पाना, आत्मज्ञान प्राप्त करना । इस ज्ञान को प्राप्त करने में बाल कलाकारों को बहुत ज्यादा मदद की जरूरत होती है और इसके लिये बिना दुसरा ज्ञान व्यर्थ है। हानिकारक भी हो सकता है, ऐसा मेरा विश्वास था।

मैने सुना है, कि लोगो मे यह भ्रम फैला हुआ है कि आत्मज्ञान चौथे आश्रम मे प्राप्त होता है। लेकिन जो लोग इस अमूल्य वस्तु की चौथे आश्रम तक मुलतवी रजने है वो आत्मज्ञान प्राप्त नही करते बल्कि बुढ़ापा और दुसरा परन्तु दयाजनक बचपन पाकर पृथ्वी पर भाररूप बनकर जीते हैं। इस प्रकार का सार्वजनिक अनुभव पाया जाता है, संभव है, कि सन् 1911- 1912 मे मै इस भाषा में न रजता, पर मुझे अच्छी तरह याद है कि उस समय मेरे विचार इसी प्रकार के थे।

आत्म शिक्षा किस प्रकार दी जाय ? बालको से भजन गवाता, नीति की पुस्तको बढ़कर सुनाता किन्तु इससे मुझे संतोष न होता था। जैसे - जैसे मै उनके सम्पर्क मे आता गया, मैने यह अनुभव किया कि यह ज्ञान पुस्तको द्वारा तो नही दिया जा सकता है। शरीर की शिक्षा जिस प्रकार शारिरिक कसरत द्वारा दी जाती है, बुध्दि कर बौध्दिक कसरत द्वारा ही दी जा सकती है अतएवं युवक हाजिर हो चाहे न हो शिक्षक को सावधान रहना चाहिये। लंका मे बैठा हुआ शिक्षक भी अपने आचरण द्वारा अपने शिष्यो की आत्मा हिला सकता है। मै स्वंय झूठ बोलू और अपने शिष्यों को सच्चा बनाने का प्रयत्न करू तो व्यर्थ ही होगा।

वर्षा अगासे
बी.कॉम द्वितीय वर्ष

शिक्षा का महत्व

सिर पे तगारी,
हाथ में झाड़ू
जीवन तेरा गुमनाम का।
धर्म न बदला
कर्म न बदला
मैला उठाया दर इंसान का।
काम के बदले
झूठन खाया
घूट पिया अपमान का।
फटे पुराने वस्त्र लेकर
अहसान लिया यजमान का।
मंदिर-मस्जिद
शिक्षा के दरबार में
तिरस्कार हुआ तेरे अरमान का।
झाड़ू छोड़ो
कलम पकडों
जीवन जियो सम्मान का।

अनन्त कुमार साकेत

अंग्रेजी सीखें

1.	Aim	-	अपना लक्ष्य निर्धारित करो,
2.	Beauty	-	अपना हर काम बेहद खूबसूरती से करो,
3.	Carrier	-	अपना पूरा ध्यान अपने कैरियर पर फोकस करो
4.	Decorum	-	शिष्टाचार आपके प्रकृति का एक हिस्सा है, इसके बिना बड़ी से बड़ी डिग्री बेकार है।
5.	Easy	-	अपने हर काम को सरल मानो क्योकि दुनिया में कुछ भी नामुमकिन नहीं है।
6.	Face	-	अपनी हर कठिनाई से संघर्ष को उससे अपना चेहरा चुराने की कोशिश न करें।
7.	Growth	-	अपनी वृध्दी को मापो।
8.	Hallow	-	अपने हर काम को पवित्र मानो
9.	Identy card	-	आपका हर काम ही आपका परिचय पत्र है।
10.	Jolley	-	हर समय खुश रहो।
11.	Keep	-	हर हाल में अपनी अच्छाई की रक्षा करो।
12.	Lead	-	आगे बढ़कर नेतृत्व करो ।
13.	Moave	-	अपने आंदोलन को हर दम चलाते रहो।
14.	Nature	-	हर गलती से सबक लो और उसे सुधारो।
15.	Overtime	-	सफलता के लिए कुछ अतिरिक्त करना बहुत जरूरी है।
16.	Pure	-	अपना हर काम ईमानदारी से करो उससे शुध्दता का ख्याल रखो
17.	Qualification	-	आपका क्वालिफिकेशन आपके कैरियर बैंक का चेकबुक हैं।
18.	Ration	-	अपना हर काम सही समय और सही अनुपात में करो।
19.	Survive	-	फेल होने पर जबरदस्त वापसी करना सीखे, सर्ववाख (जीना) करना सीखो।
20.	Twinkle	-	आसमान मे चमकते चन्द्रमॉ की तरह चमको।
21.	Uphold	-	अपनी अच्छाई का खुद ही समर्थन करो, किसी की राह मत तको।
22.	Valid	-	अपने हर काम को दृढ़ चुनो।
23.	Way	-	अपना रास्ता खुद चुनो।
24.	X-Ray	-	अच्छो -बुरो को पहचानने के लिए ऑखो को एक्स - किरणो की तरह रखो।
25.	Yare	-	अपने हर काम मे फुती दिखाओ।
26.	Zenith	-	और अंत (जेनिथ-शिखर) में लक्ष्य प्राप्त कर लो ।

प्रिया राठौर
बी.एस सी द्वितीय वर्ष

कुछ पंक्तियाँ

1. "हमारे कारवॉ को मंजिलो का इंतजार है,
ये ऑधियां ये बिजलियो की पीठ पर सवार है।
तू आ, कदम मिला के चल, चलेगे एक साथ हम,
अगर कही है, स्वर्ग तो उतार ला जमीन पर।
तू जिन्दा है, तो जिन्दगी की जीत में यकीन कर।

2. चरणो मे इनके सारी दुनिया को वर दो
इनकी ममता की छाया मे सारा जीवन गुजार दो।
अगर निभाना है, सच्चा धर्म तो मॉ को नित शीश
झुकाओ यह मै नही कहती सारा जग कहता है,
बंधुओं माता-पिता की सेवा से ज्ञान पर भवसागर से तर जाओ।

3. वतन तेरी ही राहो मे बहा देगे लहु अपना,
फिदा तेरी बाहो में, यही एक मेरा सपना।
आजादी की बगिया में, ऐसा एक फुल बन जाउॅ।
देश प्रेम की खूशबू, इस चमन में फैलाउॅ।
करू कुछ काम ऐसा कि, मुझ पर गर्व हो सबको।
देश के नाम ही तन मन, और जीवन अपर्ण कर जाऊँ।

पहेलियाँ

1. प्रथम कटे तो रेत कहलाऊ
मध्य कटे तो चावल कहलॉऊ
अंत कटे तो बजनी हो जॉऊ
दुनिया भर में जाना जांऊँ
(भारत)

2. बड़े-बड़े शहर है
पर बिल्ड़िग नही
बड़ी-बड़ी नदी है
पर पानी नही
(नक्शा)

बहुत सुन्दर संदेश

1. एक चिड़िया ने मधुमक्खी से पूछा –
कि तुम इतनी मेहनत से शहद बनाती हो और इंसान उसे अक्सर चुरा कर ले जाता है,
तुम्हे बुरा नही लगता ।
मधुमक्खी ने बहुत सून्दर जवाब दिया–
इंसान मेरा शहद ही चुरा सकता है पर मेरी शहद बनाने कि कला नही ,
कोई भी आपका Creation चुरा सकता है पर आपका Talent नही ....

अनमोल वचन

1. देर से बनो पर जरूर कुछ बनो, क्योंकि लोग वक्त के साथ खैरियत नही हैसियत पुछते है.....
2. परखना मत, परखने मे कोई अपना नहीं रहता
किसी भी आईने मे देर तक चेहरा नही रहता
बड़े लोगो से मिलने से हमेशा, फसला रखना,
जहां दरिया समंदर से मिला, दरिया नही रहता
3. जीतने से पहले जीत ओर ,
हारने से पहले हार
कभी नही माननी चाहिए
4. समझो तो परिवार ही एक मंदिर है
जिससे अपने कुछ नियम होने चाहिए
एक दुजे मे स्नेह कि भक्ति होनी चाहिए
और दिलो मे भावना कि मस्ती होनी चाहिए
5. हजारो मे मुझे, सिर्फ एक
वो शख्स चाहिए
जो मेरी गैर मौजूदगी मे
मेरी बुराई न सुन सके,
6. छोटे थे, हर बात भूल जाया करते थे,
दुनिया कहती थी कि
याद करना सीखो
बड़े हुए तो हर बात याद रहती है, दुनिया कहती है कि भूलना सीखो,
7. अगर नीयत अच्छी हो तो नसीब कभी बुरा नही हो सकता।
8. उस जगह हमेशा खामोश रहना, जहाँ दो कौड़ी के लोग अपनी हैसियत के गुण गाते हो।
9. ये सच है कि अपनो के साथ वक्त का पता नही चलता, पर ये भी सच है कि वक्त के साथ अपनो का भी पता चलता है।
10. लक्ष्य पर आधे रास्ते तक जाकर कभी वापस न लौटे क्यूंकि वापस लौटते पर भी आधा रास्ता पार करना पडेगा !
11. भाग्य को और दूसरो को दोष क्यो देना
जब सपने हमारे है तो कोशिश भी हमारी होनी चाहिए।

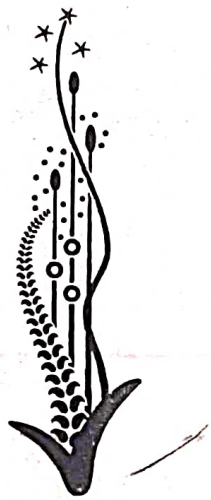

नीतु ध्रुवे
बी.ए. तृतीय वर्ष

लक्ष्य प्राप्ति के उद्देश्य

जब तक आप अन्दर से जुनून, विश्वास और मेहनत के लिए तैयार है, तब तक दुनिया में आप कुछ भी पा सकते है दोस्त जिन्दगी में किसी भी मंजिल या मुकाम को पाने के लिए सबसे आवश्यक चीज है, ईमानदारी, मेहनत तथा आपका धैर्य। अगर आप ईमानदारी से मेहनत तथा कभी भी धैर्य ना खोते हुए अपनी मंजिल की तरफ कदम बढ़ाते है तब सफलता नहीं मिलती है तो हम निराश होकर प्रयास करना छोड़ देते है। लेकिन दोस्तो आपको कभी भी निराश नहीं होना चाहिए बल्कि ऐसे समय पर आपको एक बार और पूरी ताकत के साथ प्रयास करने की जरूरत होती है।

दोस्तो कई बार ऐसा देखा गया है। कि हमें सही मार्गदर्शन ना मिलने के कारण भी हम सफलता के मार्ग से भटक जाते है ऐसे समय में हमें जरूरत होती है किसी ऐसे व्यक्ति या साधन की जो हमे सफलता के लिए प्रेरित करते हुए उर्जा और उत्साह से ओत प्रोत कर दे ताकि हम पुनः और अधिक जोश तथा जुनून के साथ अपने मंजिल को पाने के लिए जुट जाएं।

1. "उड़ान बड़ी चीज होती है रोज उड़ो पर शाम को रोज नीचे आ जाओ,
   क्योंकि आपकी कामयाबी पर ताली बजाने वाले और गले लगाने वाले नीचे ही रहते है।"
2. "आप अपना भविष्य नहीं बदल सकते लेकिन आप अपनी आदतो को बदल सकते है
   और निश्चित रूप से आपकी आदतो से आपका भविष्य बदल सकता है।"
3. "इंसान कहता है कि पैसा आये तो मैं कुछ कर दिखाऊँ।
   और पैसा कहता है, कि तू कुछ कर तो मैं आऊँ"।

प्रियंका गभने
बी.ए. तृतीय वर्ष

सुविचार

1. अगर आज कमाई से ज्यादा
   मेहनत करते हो तो
   बहुत जल्द मेहनत से
   ज्यादा कमाई करोगे.....
2. मुश्किले तो कुछ दिन रहेगी
   लेकिन सफलता तो पूरी
   जिन्दगी रहेगी.....
3. तमाशा कोई और नही बल्कि हम
   खुद बनाते है अपनी जिन्दगी
   का हर किसी को अपनी
   कमजोरी बता कर.....
4. अपने अस्तित्व व हक के
   लिए जरूर लड़ो भले ही आप कितने भी
   कमजोर क्यो न हो.....
5. अपने माता-पिता का सहारा बनिए
   किसी का टाइम पास नही.....
6. जो जीतता है, तो हार भी सकता है
   लेकिन जो दूसरों को जीतता है वो कभी
   हारता नही.....
7. तुम क्या सिखाओगे मुझे प्यार
   करने का सलीका
   मैने माँ के एक हाथ से थप्पड़
   और दुसरे से रोटी खायी है।
8. तुम्हारी जिन्दगी समंदर मे गिरती है,
   तब वक्त तैरना सिखा देता है,
9. मुश्किले इसलिए आती है, ताकि आप दो
   कदम और बढ़ा सके।
10. हमे नही आती है उड़ती पतंगो
    सी चालाकिया गले मिलकर
    गला काट वो माझा नही हूँ
    मैं.....

राहुल कनौजिया
बी.ए.प्रथम वर्ष

चंद्रयान मिशन 2 के बारे मे मुख्य जानकारी

1. चन्द्रयान मिशन 2 को कब लॉन्च किया गया?
उत्तर- 22 जुलाई2019
2. चन्द्रयान 2 अभियान को भारत के किस शक्तिशाली रॉकेट से लॉन्च किया गया था?
उत्तर- CSLV मार्क 3
3. चन्द्रयान 2 को किस अंतरिक्ष केन्द्र से लॉन्च किया गया था?
उत्तर- सतीस ध्वन अंतरिक्ष केन्द्र
4. चन्द्रयान मिशन 2 को लॉन्च करने मे कितना खर्च आया ?
उत्तर- 960 करोड़ रू.
5. आई.एस.आर.ओ.(भारतिय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) कहां पर है।
उत्तर- बैगलूरू
6. चन्द्रयान 2 को कहा पर उतारना था?
उत्तर- चन्द्रयान के दक्षिण ध्रुव पर
7. चन्द्रयान 2 अभियान को रूप से लॉन्च किया?
उत्तर- श्रीहरिकोटा
8. भारत का अंतरीक्ष मंत्रालय किस के पास है?
उत्तर- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास बैंगलोर
9. चन्द्रयान मिशन 2 के प्रोजेक्ट डायरेक्टर कौन थे?
उत्तर- एम वनिता और रितू करीधल
10. चन्द्रयान 2 के तीन महत्वपूर्ण हिस्से कौन से थे?
उत्तर- आर्बिटर, लेनड़ींग एवं रोवर।
11. चन्द्रयान 2 का हिस्सा लैनडर,रोवर का क्या कार्य था?
उत्तर- चन्द्रमा की सतह पर उतरने का
12. चन्द्रयान 2 का हिस्सा रोवर का क्या कार्य था?
उत्तर- चन्द्रमा की सतह पर उतरना पेपर और चलना।
13. चन्द्रयान मिशन 2 लैण्डर का क्या नाम रखा गया था?
उत्तर- VIKRAM & ROVER का नाम PRAGYAN

रोशनी सांहगडाले
बी.ए. तृतीय वर्ष

वाह रे जिंदगी

जीवन की आधी उम्र तक पैसा कमाया
पैसा कमाने में इस शरीर को खराब किया।
बाकी ऑधी ठीक कराने मे लगाया।
पर शरीर बचा न पैसा।
वाह रे जिंदगी
शमशान के बाहर लिखा था!
मंजिल तो तेरी यही थी।
बस जिंदगी गुजर गयी आते - आते
क्या मिला तुझे जला दिया जाते जाते
वाह रे जिंदगी

दौलत की भूख ऐसी लगी की कमाने चले गये।
जब दौलत मिली तो हाथ से रिश्ते निकल गये।
बच्चो के साथ रहने की फुरसत ना मिल सकी।
फुरसत मिली तो बच्चे कमाने निकल गये।
वाह रे जिंदगी

कुमारी प्रेमलता उयके
बी. ए. द्वितीय वर्ष

राष्ट्र देशभक्ति

देश भक्ति को अपने देश के प्रति प्रेम कर्तव्य और वफादारी के द्वारा परिभाषित किया जाता है। जो लोग अपने देश और राष्ट्र के हित में समर्पित देते है ऐसे लोगों को सच्चा देश के साथ - साथ वहाँ रहने वाले लोगो के कार्य विकास के लिए भी बढ़ावा देना चाहिए। किसी भी व्यक्ति का देश के प्रति अमूल्य प्रेम और भक्ति राष्ट्र देश भक्ति कि भावना को परिभाषित करती है। जो लोग सच्चे देशभक्त होते है, वे अपने देश के प्रति और उसके निर्माण के लिए भारत को परम वैभव तक ले जाने के लिए कुछ भी कर सकते है। देशभक्ति देश के प्रति प्यार और सम्मान की भावना है। देशभक्ति अपने देश के प्रति नि:स्वार्थ प्रेम तथा उसमें गर्व करने के लिए जाने जाते है। दुनिया है। दुनिया के हर देश मे उनके देशभक्त का एक संगठन समुह होता है, जो अपने देश के विकास के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते है उन्हे हम सच्चे देश भक्त कहते है।

:: सुभाषित ::

देशरक्षासमं पुण्य, देशरक्षासमं व्रतम्!
देशरक्षासमो यागो, दृष्टों नैव च।।
अर्थ- देश रक्षा के समान पुण्य, देश रक्षा के
समान व्रत और देश रक्षा के समान यज्ञ नही देखा।
अर्थात् 'देश रक्षा' ही सर्वोच्च कार्य है !

अनिल पटले
बी.ए तृतीय वर्ष

हाँ बहुत अच्छा लगता है ।

हॉ मुझे अपना कॉलेज बहुत अच्छा लगता है।
अच्छा लगता है मुझे रोज कॉलेज जाना पढाई के समय पढाई करना और फिर उस प्यार से चार पॉच दोस्तों के साथ ढेर सारी मस्ती करना हॉ मुझे बहुत अच्छा लगता है।
लोग कहते है जो मजा स्कूल मे है, वो कॉलेज मे कहॉ आता है, तो आपसे एक बात कह दूँ ।
रोज कॉलेज आकर हमारे जैसे पढ़कर तो देखना बहुत सुहाना लगता है।
हॉ मुझे बहुत अच्छा लगता है।

वो हमारे मेश्राम सर का फिजिक्स पढ़ाना, साकेत सर का पढ़ाई के लिए बार-बार समझाना,
और लोधी सर का फटाफट गणित समझाना, हॉ बहुत अच्छा लगता है।
हॉ मुझे अपना कॉलेज बहुत अच्छा लगता है।

और हॉ हमारे नये टीचर्स का तो क्या कहना
शीतल मैंडम का शीतल सी वाणी मे केमेस्ट्री पढ़ाना और पाटिल सर का 'केमेस्ट्री इज द बेस्ट' बताना हॉ बहुत अच्छा लगता है।
जो नहीं आते रोज कॉलेज उनसे एक बात कहती हूँ, ये समय ये मौसम ये गुलशन,
ये नजारा दोबारा नहीं आयेगा।
एक बार रोज कॉलेज आकर पढ़कर तो देखो बहुत अच्छा लगता है।
हॉ मुझे अपना कॉलेज बहुत अच्छा लगता है

खुशबु बिसेन
बी.एस सी द्वितीय वर्ष

हसगुल्ले

1. पागल - डॉक्टर साहब में चश्मा लगाकर पढ़तो सकूंगा ना?
डॉक्टर - हॉ हॉ बिल्कुल पढ़ सकोगे।
पागल - आपका यह अहसान में जिंदगी भर नही भूलगा डॉक्टर साहब, आपने अनपढ़ की जिंदगी वना दी।
(डॉक्टर साहब अभी अस्पताल में भर्ती है)

2. क्लास में टीचर ने बच्चों को एक निबंध लिखने के लिए दिया।
विषय था- आलस्य क्या है?
बंटी ने तीन पेज खली छोड़दिए और अंत मे लिखा - आलस्य यही है।

3. बाप (बेटे से)- अरे बेवकूफ छगनलाल की बेटी को देख स्कूल में हमेशा फ्र्स्ट आती है?
बेटा- और कितना देखूं उसी को देख देख कर तो फैल हो गया।

4. लड्डू-इस साल छुट्टियों का क्या प्लान है?
मड्डू- कुछ खास नही यार पिछले साल कश्मीर नही गए थे, इस साल कन्याकुमारी नहीं जायेगे।

5. वेटर - आपने समोसे और कचौरियो को अंदर से खा लिए लेकिन बाहर का सारा छोड़ दिया ऐसा क्यों?
मड्डू - क्योकि डॉक्टर ने कहा है, बाहर का मत खाना।

रोशनी चौधरी
बी.एस सी प्रथम वर्ष

मंजिल पाने के लिए पहले लक्ष्य तय करे

लक्ष्य के बिना व्यक्ति जीवन में इधर - उधर भटकता रहता है। और कभी यह नही जान पाता है कि वह कहां जा रहा है? इंसान ने जितनी भी तरक्की की है लक्ष्य बनाकर की है। हमारे जितने भी आविष्कार हुए है। चाहे वे चिकित्सा के क्षेत्र में हो इंजिनियरिंग के क्षेत्र में हो या किसी भी क्षेत्र में हो । ये भी इसी कारण संभव हुए है, क्योंकि इन्हें हासिल करने का लक्ष्य बनाया गया था। व्यापार में सफलता भी अक्सर तभी मिलती है। क्योकि उसे हासिल करने का लक्ष्य वनाया जाता है। लक्ष्य अपने से ज्यादा होता है। लक्ष्य का अर्थ है - उद्देश्य। क्योंकि लक्ष्य नहीं वनाया जाता तब तक कुछ भी हासिल नहीं होगा। लक्ष्य के बिना आदमी जीवन भर इधर-उधर भटकता है। और कभी यही नहीं जान पाता कि वह कहॉ जा रहा है। इसलिए वह कभी भी मंजिल तक नही पहुँच पाता।

लक्ष्य सफलता के लिए उसी तरह जरूरी है। जिस तरह जीवन के लिए हवा है। कोई भी बिना लक्ष्य के सफल नही हुआ। इसीलिए आप पहले लक्ष्य को तय कर ले कि आपको कहॉ पहुचना है। इसी तरह जो व्यक्ति लम्बे समय तय नही कर पाता वह भी यूही भटकता रहेगा बिना लक्ष्य के हमारा विकास नही होगा।

"लक्ष्य प्राप्ति के लिए अपनी समस्त शक्तियॉ द्वारा परिश्रम करना ही पुरूषार्थ है।

अरूचि बिसेन
बी.ए. तृतीय वर्ष

सुविचार

जब इंसान की जरूरत बदलती है
तो उसका आपसे
बात करने का तरीका भी बदल जाता है।
विचारो को पढ़कर बदलाव नहीं आता है,
विचारो पर चलकर ही बदलाव आता है।
किसी का सरल स्वभाव उसकी कमजोरी
नहीं होती है,उसके संस्कार होते है।
सच हमेशा फैसला करवाता हूँ लेकिन
झूठ मनुष्य के बीच फासले करवाता है।
सच्ची मित्रता उत्तम स्वास्थ्य के समान है
उसका महत्व तभी जान पाते है ।
जब हम उसे खो देते है।
बोलने से पहले शब्द मनुष्य के वश में होते है,
परन्तु बोलने के बाद मनुष्य शब्दों के वश में होते है।

दिपीका साकरे
बी.ए. तृतीस वर्ष

हिम्मत और साहस

मेरा जो भी तजुर्बा है ऐ जिंदगी मैं बतला जाउगी।
चाहे जितना करना पड़े सघर्ष, मैं कर जॉउगी।
उम्मीद क्या होती है जमाने में
ये हमसे बेहतर कोई नही जानता,
कभी आ मेरी चौखट मे,
ये विषय भी तुझे सिखला जॉउगी।
मेरा जो भी तजुर्बा है ऐ जिन्दगी
मै तुझे बतला जॉउगी।
रंग बदल के तू मेरा इम्तिहा ना ले
जीतूगी मै ही अब हार का नाम ना ले
सितम का जादु मेरा औरो मे चल जायेगा
उठूँगी हर हाल मे गिरने का नाम ना ले
प्यास मेरी थोड़े की नही है जो मिट जाये
जरूरत आने पर ये आसमा भी पी जॉउगी।
मेरा जो भी तजुर्बा है ऐ जिंदगी मै तुझे बतला जाउँगी

सुरेखा वासनिक
बी.ए. द्वितीय वर्ष

सुविचार

1. जब कहने के लिए कुछ
अच्छा नहीं हो तो
चुप रहना एक बेहतर विकल्प है।

2. पीपल के पत्तों जैसा न बनो,
जो वक्त आने पर सूख कर
गिर जाते है,
बनना है तो मेंहदी के पत्तो जैसा बनो,
जो खुद पीसकर भी दूसरों की जिदंगी में रंग भर देती है।

3. जीवन मे ये मायने नही रखता है,
की आप कितने खुश है, बल्कि ये
इससे ज्यादा मायने रखता है कि आपकी
वजह से कितने लोग खुश है।

4. खुद की जन्नत को
दुनिया में देखना चाहते हो तो,
सिर्फ एक बार माँ की गोद में
सो कर देखना।।

5. माँ जब भी दुआँए
मेरे नाम करती है,
रास्ते की दर ठोकरे
मुझे सलाम करती है।

6. दुनिया में सबसे सुन्दर अगर कोई
है तो, वो माँ है।

7. माफी मांगने से यह साबित नहीं होता
की हम गलत है, और दूसरा सही है
हम रिश्तो को निभाने की काबिलियत
उनसे ज्यादा रखते है।

प्रीति ठाकरे
बी.ए. प्रथम वर्ष

असफलता सफलता आईना

सफलता और असफलता एक ही सिक्के के दो पहलु है। पर लोग उसी को पंसद करते है, जो सफल है। यही कारण है, कि जब काफी प्रयास करने के बाद भी किसी को असफलता ही मिलती है। तो वह इस कदर घबरा जाता है कि लोगों का सामना करने से कतराने लगते हैं।

यदि हम इतिहास के पन्ने पलट कर देखें तो हर महापुरूष की सफलता के पीछे यही रहस्य छिपाकर उन्होंने असफलता को चुनौती के रूप मे स्वीकार किया। वे महापुरूष अपनी आंतरिक शक्तियो को पहचानते थे। और हर कठिन परिस्थिति का पूरे आत्मविश्वास व धैर्यता के साथ सामना करते थे।

सामान्यतः विफलताँए कभी खुद आसमान से नही टपकती है। प्रयास में कभी - कभी मूल और असावधानी अक्सर असफलताओं को आंमत्रित करती है। असफलता सफलता की ओर जाने का रास्ता है। कुछ लोगो का तो यहाँ तक कहना है कि सफलता बदलाव के लिए बेहद जरूरी है। यह हमें मानसिक रूप से लड़ने के लिए तैयार करती हैं।

चुनौती हमारे जीवन को उत्साह जनक गति प्रदान करती है।
मंजिले तो वही तय करते है, जिनके कदमों मे जान होती है।
पंखो से कुछ नही होता, हौसलो से उड़ान होती है।

"वक्त की गति को समझो,
वक्त की रफ्तार थामो।
जिन्दगी कोई खेल नहीं,
उसकी सही कीमतें पहचानो।
सफलता का कोई अंत नही ।
इसे बस एक लक्ष्य जानो।
सफलता मंजिल अपनी,
सफलता की राहें ठानो।

संविधान निर्माता की प्रकिया

तत्कालीन राष्ट्रपति और संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. श्री राजेन्द्र प्रसाद जी के द्वारा संविधान निर्माता का कार्य डॉ भीमराव आम्बेडकर जी के नेतृत्व मे स्थापित समिति के द्वारा 2 वर्ष 11 महिने 18 दिन में भारत के संविधान 26 नवम्बर 1949 को देश मे संविधान को लागू कर दिया गया। हमारे देश का यह संविधान पूरे विश्व में सबसे बड़ा लिखित संविधान जिसमे पहले 395 अनुच्छोद, 8 अनूसूचियाँ व 22 भाग थे।इस विशाल और महान संविधान जिसने हमे हमारे हक और अधिकारो के लिए लड़ने की ताकत दी है, इसकी रक्षा करना हम सभी हिन्दुस्तानीयों का परम कर्तव्य है। इस महान संविधान ने देश में सभी धर्मो को बराबर का दर्जा दिया है, इसलिये तो कहते है कि

"मेरी माँ की मिट्टी का
अन्दाज ही निराला है।
हिन्दू मुस्लिम सिख इसाई
सबको अपने ऑचल मे पाला है।।

पूजा मरठे
बी.ए. द्वितीय वर्ष

शायरियाँ

1. हर सपनो को अपनी सांसो में रखो
हर उम्मीद को अपनी बाहो में रखो
हर कदम पर जीत तुम्हारी होगी।
"बस "मंजिल को अपनी निगाहों मे रखो।

2. फर्क होता है अमीर और फकीर में
फर्क होता है किस्मत और लकीर में
अगर कुछ चाहो और न मिलें तो समझ लेना
की कुछ और अच्छा लिखा है तकदीर में

3. जीत के खातिर जुनून चाहिए।
जिसमें उबाल हो ऐसा खून चाहिए।
यह आसमान भी आएगा जमीन पर
बस इरादों में जीत की गूंज चाहिए।

4. दिखाना है तो सादगी दिखा,
पाना है तो रब को पा।
यह दुनिया है बड़ी जालिम,
गम से कभी न घबरा।

5. एक दिन सैर को हम निकले दिल
मे कुछ अरमान थे।
एक तरफ थी झोपड़ियॉ एक तरह शामशान थे।
पॉव तले एक हडडी आई उसके
यही ब्याने थे।
चलने वाले संभल के चल हम
भी कभी इंसान थे।

7. लहरो से पानी को हटाया नही जाता
गम में रोने वालो को हॅसाया नही जाता।
बनने वाले तो खुद बन ही जाते अपने
किसी को अपना कहकर बनाया नही जाता।

8. मेहनत इतनी खामोशी से करो।
कि सफलता शोर मचा दे।

9. कौन कहता है प्यार करना पाप है।
प्यार के लिए बने हम आप है।
प्यार जीवन का जाप है।
सिर्फ प्यार के लिए उन्हें मत ठुकराओ
जो हमारे मां बाप है।

दिया शरणागत
बी.ए. द्वितीय वर्ष

उसे भी गगन मे उड़ने दो

उन्मुक्त पंछी के जैसे उसे भी गगन में उड़ने दो
जाने दो मत रोको, अपने मन की करने दो।
हँसने खेलने का , उसको भी अधिकार है,
जो छीने उसके सपनो को, उसको धिक्कार है,
कब तक शील भंग कर ,उसके मन को तोड़ोगे,
हीन मानसिकता के चलते उसको न बढ़ने दोंगे।
वह भी तो है अंश ईश का, प्रकृति का उपकार है,
फिर क्यों उसके हॅसने पर, तुमको ऐतराज है?
वह भी मान तुम्हारा है,इक दिन सम्मान बढ़ाएगी,
जब भी हो मुश्किल में, तो काम तुम्हारे आएगी।।

पिता का कहना

रात ढलती रही, दिन भी ढलता रहा।
हमसफर बनके मैं, साथ चलता रहा।।
रात ढलती रही, सिर्फ ऑसू लिये।
बंद कमरे में तन्हा, मैं जलता रहा।।
दिल जला करके, जिनको दी रोशनी ।
जिन्दगी भर उन्ही को, मैं खलता रहा।।
गैर कोई न थे, मै समझता रहा।
बेरहम वक्त भी, मुझको छलता रहा।
दुसरो को बदलना, मुनासिब न रहा।।
कैसे मैने की, खुद को बदलता रहा।
मुश्किलो से बचकर, निकलता रहा।।

अंशु बिसेन
बी.एस.सी. तृतीय वर्ष(विज्ञान संकाय)

सौरमण्डल

1.	सबसे बड़ा ग्रह	–	बृहस्पति
2.	सबसे चमकीला ग्रह	–	शुक्र
3.	सबसे भारी ग्रह	–	बृहस्पति
4.	पृथ्वी की बहन	–	शुक्र
5.	नीला ग्रह	–	पृथ्वी
6.	हरा ग्रह	–	वरूण
7.	पृथ्वी का उपग्रह	–	चन्द्रमा
8.	सबसे चमकीला तारा	–	साइरस
8.	सौरमण्डल का सबसे बड़ा उपग्रह	–	गैनीमेड
9.	सौरमण्डल का सबसे छोटा ग्रह	–	डीमोस
10.	सबसे अधिक उपग्रहों वाला ग्रह	–	बृहस्पति

कुमारी रूपा सेंदरे
बी. ए. प्रंथम वर्ष

विश्व की प्रमुख झीलें

	नाम		देश
1.	टिटिकाका झील	–	पेरू, बोलीवीया
2.	बैकाल झील	–	रूस
3.	विक्टोरिया झील	–	चुगांडा, केन्या
4.	विनीपेग झील	–	कनाडा
5.	लैडोगा झील	–	रूस
6.	सुपीरियल झील	–	कनाडा तथा संयुक्त राज्य अमेरिका
7.	टेगानिका झील	–	कांगो, तंजानिया
8.	ग्रेट स्लेव झील	–	कनाडा
9.	ईरी झील	–	कनाडा तथा संयुक्त राज्य अमेरिका
10.	मिंशीगन झील	–	संयुक्त राज्य अमेरिका

स्थानों के भौगोलिक उपनाम

	उपनाम		स्थान
1.	पुरव का मोती	–	सींगापूर
2.	सूर्योदय का देश	–	जापान
3.	नील नदी की देन	–	मिस्त्र
4.	चीनी का कटोरा	–	क्यूबा
5.	दुनिया की छत	–	पामीर का पठार
6.	एम्पायर सिटी	–	न्यूयॉर्क
7.	यूरोप का स्वर्ग	–	स्विट्जरलैण्ड
8.	लौंग का द्वीप	–	जंजीबार (अफ्रीका)
9.	हजार झीलो का देश	–	फिनलैण्ड
10.	सात पर्वतों का नगर	–	रोम
11.	चीन का शोक	–	हैंगहो नदी
12.	कंगारूओं का देश	–	ऑस्ट्रेलिया

म.प्र. प्रमुख तथ्य

1.	राजकीय राजधानी	–	भोपाल
2.	राजकीय राजभाषा	–	हिन्दी
3.	राजकीय पशु	–	बारहसिंगा (ब्रेडरी जाति)
4.	राजकीय पुष्प	–	सफेद लिली
5.	राजकीय खेल	–	मलखम्ब
6.	राजकीय नाट्य	–	माच
7.	राजकीय वृक्ष	–	बरगद
8.	राजकीय फसल	–	सोयाबीन
9.	राजकीय नृत्य	–	राई
10.	राजकीय मछली	–	महाशीर
11.	म.प्र. नाम किसने दिया	–	पं. जवाहरलाल नेहरू
12.	राज्य का गठन	–	1 नवम्बर 1856 ई.
13.	वर्तमान का गठन	–	1 नवम्बर 2000 ई.

सुविचार

1. प्रभाव बेहतर होने से अच्छा है, स्वभाव वेहतर होना।
2. बड़प्पन वह गुण है जो पद से नहीं, संस्कारो से प्राप्त होते है।
3. तूफान में कश्तियॉ और अभिमान में, हस्तियॉ मिट जाती है।
4. समस्या का अंतिम हल माफी ही है, कर दो या माग लो
5. सच के साथ चलिए एक दिन वक्त, आपके, साथ चलेगा।
6. परस्पर आदान -प्रदान के बिना समाज मे जीवन का निर्वाह संभव नही है।
7. एक विश्वास की प्रार्थना अंधकार के सारे वंधन तोड़ने का सामर्थ्य रखती है।
8. मन की शक्ति और उर्जा ही सही जीवन का सार है।
9. लक्ष्य तक पहुँचने का आसान और श्रेष्ठ रास्ता, समीक्षा दूसरो के वजाय स्वयं कीजिये।
10. छोटी सोच शंका को जन्म देती है, और बड़ी सोच समाधान को।
11. आलसी मनुष्य का वर्तमान और भविष्य नहीं होता।
12. छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता और टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता।
13. बड़ी सोचो और करने से मत डरो।

राहुल ईडपाचे
बी.ए. प्रथम वर्ष

भारत देश से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां

1.	राष्ट्रगान मे लगने वाला समय	-	52 सेकण्ड
2.	राष्ट्रगीत मे लगने वाला समय	-	65 सेकण्ड
3.	राष्ट्रध्वज की लम्बाई और चौड़ाई का अनुपात	-	3.2
4.	सफेद रंग किसका प्रतीक है	-	शांति का
5.	केसरिया रंग किसका प्रतीक है	-	त्याग और वीरता का
6.	नीला रंग किसका प्रतीक है	-	समृध्दि का
7.	नीला चक्र किसका प्रतीक है	-	गतिशीलता का
8.	नीले चक्र मे कितनी तीलियॉ है	-	24 तीलिया
9.	नीले चक्र का अर्थ	-	एक दिन के 24 घंटे
10.	नीला चक्र कहॉ से लिया गया है	-	अशोक स्तम्भ से
11.	भारत का प्रथम नागरिक	-	राष्ट्रपति
12.	भारतीय सेना के तीन अंग	-	जल सेना, थल सेना, वायु सेना
13.	सेना मे वीरता का सर्वोच्च सम्मान	-	परमवीर चक
14.	थल सेना का प्रमुख	-	जनरल
15.	जल सेना का प्रमुख	-	एड़मिरल
16.	वायु सेना का प्रमुख	-	एयर चीफ मार्शल
17.	तीनो सेनाओ का प्रमुख	-	राष्ट्रपति
18.	हमारी शासन प्रणाली	-	संसदीय लोकतंत्र
19.	भारत शब्द का मुल	-	राजा भरत
20.	इंडिया शब्द का मूल	-	नदी (सिंध - Indus)
21.	भारतीय नागरिक का सर्वोच्च सम्मान	-	भारत रत्न

सुनाक्षी पन्दरे
बी.एस सी द्वितीय वर्ष

शिक्षक का ज्ञान सभी शिक्षको को समर्पित

अक्षर - अक्षर हमें सिखाते
शब्द - शब्द का अर्थ बताते
कभी प्यार से कभी डाँट से
जीवन जीना हमे सीखाते।
सुन्दर सूर सजाने को साज बनाता हूँ।
ना सिखिये परिदों को बाज बनाता हूँ।
चुपचाप सुनता हूँ शिकायते सबकी।
तब दुनिया बदलने की आवाज बनाता हूँ।
समंदर वो परखता है हौंसले कश्तियो के।
और मैं डूबती कश्तियो कों जहाज बनाता हूँ।
बनाए चाहे चाँद पे कोई बुर्ज ए खलीफा।
अरे मै तो कच्ची ईटो से ही ताज बनाता हूँ।

आरती पंदरे
बी.एस सी द्वितीय वर्ष

इंसान जाने खो गये है....

जाने क्यूँ अब शर्म से चेहरे गुलाब नही होते।
जाने क्यूँ अब मस्त माहौल नही होते।
पहले बता दिया करते थे, दिल कि बाते।
जाने क्यूँ अब चेहरे, खुली किताब नही होते।
सुना है बिना कहे, दिल की बात समझ लेते थे
गले लगते ही दोस्त हालात समझ लेते थे
तब ना फेसबुक था ना स्मार्ट फोन ना ट्विटर अकाउंट
एक चिट्ठी से ही, दिलो के जज्बात समझ लेते थे
सोचती हूँ हम कहाँ से कहाँ आ गए,
व्यावहारिकता सोचते -सोचते भावनाओं में खो गये।
अब भाई -भाई से समस्या का समाधान कहां पूछता है।
बेटी नही पुछती, माँ से ग्रहस्थी के सलीके
अब कौन गुरू के, चरणो मे बैठकर
ज्ञान की परिभाषा सीखता है।
परियो की बातें अब कहा किसे भाती है।
अपनो कि याद, अब किसे रूलाती है,
अब कौन, गरीब को साख बताता है।
अब कौन, कृष्ण, सुदामा को गले लगाता है
जिन्दगी मे हम केवल व्यावहारिक हो गये है
मशीन बन गए है, हम सब इंसान जाने कहाँ खो गये है

कुमारी सीमा टेकाम
बी.ए. द्वितीय वर्ष

गुरू की महिमा

जग आज मिले शिक्षक कहता,
वह गुरू कहलाता था।
सम्मान भाव से शिष्य जहां
श्रध्दा भक्ति से झुक जाता था ।
गुरू दक्षिणा जहां कभी हाथ का
अंगूठा था,
एक लव्य जैसे शिष्य जहां कभी
गुरू ये न शिकवा करते थे।
नमन कर शिक्षा लेते थे,जो
दम था माली में,
वह आज कहां पर खो गया।

सुरेखा अडमेचा
बी.ए द्वितीय वर्ष

जीता जागता शिक्षक भी माटी
जैसा हो गया।
सुन नाम गुरू का पहले ,,मन
ये श्रृध्दा आ जाती थी।
उस भारतीय संस्कृति का,
वह श्रध्दा भाव कहां गया।
जो शिक्षा बच्चों को देते है ।
भले ही वह ज्ञान का सागर है,
पर क्यो बच्चो का सागर सूखा है।
आओ करे सम्मान गुरू का, ज्ञान
अपने इस आंचल को, श्रध्दा भक्ति से
हम आज भर ले।

अच्छे विचार

कहते है कि सफलता पाने का कोई एक सूत्र नहीं हो सकता लेकिन सपने देखने की चाहत और उन्हें पूरा करने के लिये जी तोड़ मेहनत करते रहने वालो को कोई पछाड़ नही सकता। दुनिया के महान लोगों के सफलता से जुड़े हुए विचार जानकर आपको आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

सुविचार

1. कभी भी लक्ष्य निर्धारित करने या नया सपना देखने के लिए बहुत बड़ा होना आवश्यक नहीं।
2. लक्ष्य ना होने क साथ समस्या ये है कि, आप अपना समस्त जीवन मैदान में उपर - नीचे दौड़ते रहने के बाद कोई जीत हासिल नही कर पाते।
3. मुठ्ठी भर संकल्प वह लोग जिनकी अपने लक्ष्य दृढ आस्था है इतिहास की धारा को बदल सकते है ।
4. कोई लक्ष्य मनुष्य के साहस से बढ़ा नहीं, हारा वही जो लड़ा नही।
5. एक रास्ता खोजो उस पर विचार करो, उस विचार को अपना जीवन बना लो। उसके बारे में सोचो उसका सपना देखो, उस विचार पर जियो, मस्तिष्क मांशपेशियो की नशें आपके शरीर के प्रत्येक भाग को उस अन्य विचार को जगह मत दो, सफलता का यही रास्ता है।
7. जब तक आप खुद पर विश्वास नहीं करते है तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं करते।
8. यह कभी मत कहो कि मैं नहीं कर सकता क्योंकि आप अनंत है आप कुछ भी कर सकते हो।

चित्ररेखा भलावी
बी. ए तृतीय वर्ष

कितना अजीब है न...

1. 20 रूपये का नोट बहुत ज्यादा लगता है, जब गरीब को देना हो। मगर होटल में टिप देना हो तो बहुत कम लगता है।
2. तीन मिनिट के लिये भगवान को याद करना कितना मुश्किल है, मगर तीन घंटे फिल्म देखना कितना आसान है।
3. पूरे दिन मेहनत के बाद जिम जाने से नहीं थकते मगर माँ -बॉप के पैर दबाना हो तो हम थक जाते है।
4. वेलेन्टाईन डे के लिये हम पूरे साल इंतजार करते हैं मगर मदर्सडे कब है हमे पता ही नहीं...
5. एक रोटी नही दे सका कोई उस मासूम बच्चे को लेकिन वो तस्वीर लाखो मे बिक गई जिसमें रोटी के लिये वह बच्चा उदास बैठा था।

हमारी शुभकामना

1. नवल कुसुम तुम इस प्रांगण के कभी विलग न तम से होगे
   निर्मल कटंक रहित मार्ग पर, ईश कृपा से सदा चलोगें।
2. मन खुशियों से सरावोर हो, जब जीवन में शिष्य मिले।
   रंग निखर जाये स्वप्नों के आशाओं के सुमन खिले।
4. रहना अटल कर्म क्षेत्र में, नहीं कभी तुम हार मानना।
   फलीभूत हो अभिलाषाएं, समझो तभी सफल साधना।

ऑचल कटरे
बी.ए. प्रथम वर्ष

विद्यार्थी जीवन

एक व्यक्ति के जीवन का सर्वोतम काल उसका विद्यार्थी जीवन है क्योंकि यह हर व्यक्ति के भविष्य की नींव तैयार करता है। विद्यार्थी जीवन में आत्मसंयम और आत्मानुशासन का काफी महत्व है।

विद्यार्थी वह व्यक्ति होता है जो कोई चीज सीख रहा होता है। विद्यार्थी किसी भी आयुवर्ग का हो सकता है बालक, किशोर, युवा और वयस्क लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि वह कुछ सीख रहा होना चाहिए, जिसे किसी संस्थान में सीखना पड़े। विद्यार्थी वह होता है जो दूसरे से ज्ञान प्राप्त करता है।

विद्यार्थी का अर्थ यह होता है कि अपने से बड़ो का कैसे आदर करना चाहिए। विद्यार्थी जीवन बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। किसी देश के विकास में विद्यार्थी का बहुत बड़ा योगदान होता है।। विद्यार्थी का प्रथम लक्ष्य शिक्षा ग्रहण करना ही होना चाहिए। शिक्षा के द्वारा विद्यार्थी जो चाहता है उसे प्राप्त कर सकता है और अपने भविष्य में आगे बढ़ सकता है। शुरूवाती दौर से ही विद्याथीयों को शिक्षा पर अधिक ध्यान देना चाहिए। हर एक विद्यार्थी चाहता है कि मैं अच्छी शिक्षा लेकर अच्छा इंसान बनूं एवं देश की सेवा करू तथा अपने गॉव शहर का नाम ऊँचा करूँ।

विद्यार्थी जीवन भले ही कुछ कष्टप्रद होता है परन्तु कड़ी मेहनत करके आगे चलकर यही जीवन भले ही कुछ कष्टप्रद होता है, लेकिन यही जीवन सफलता की कुंजी बन जाता है। इसीलिए इसे जीवन का सर्वोत्तम समय कहा गया है।

किसी भी भवन की नींव मजबूत होगी तभी भवन मजबूती से खडा रह सकेगा । यहाँ विद्यार्थी जीवन को नींव एवं सम्पूर्ण जीवन को भवन कहा गया है। विद्यार्थीयों को इस काल की महता भली -भॉति समझते हुए कड़ी मेहनत एवं अथक परिश्रम करने की आवश्यकता है।

भुवनेश्वरी कटरे
बी. कॉम प्रथम वर्ष

REAL KNOWLEDGE WORLD

FATHER OF ALL SUBJECTS

	SUBJECTS		FATHER
1.	Histiry	-	Herodotus
2.	Economic	-	Adam smith
3.	Civics	-	banjamin franklin
4.	geography	-	Eratosthenes
5.	Biology	-	Aristotle
6.	.Modern chemistry	-	Antuine covosier
7.	Physics	-	Albert einstein
8.	Zoology	-	Aristatle
9.	Computer	-	Charles Babbage
10.	Batany	-	Theophrastus
11.	Hindi litrature	-	Bhartendy Harischandra
12.	English	-	Geoffery chhaucher
13.	Sanskrit	-	Panini
14.	Maths	-	Archimedes
15.	Geometry	-	Eulid
16.	mensuration	-	leonard digges
17.	ALgebra	-	Muhammad izmmussal khwarizmi
18.	Statistics	-	Sir ronalal fisher
19.	Probability	-	Girolamo Grdano
20.	Trigonometry	-	hipporchus
21.	english grammar	-	lindley murray
22.	Internet	-	robert iliot kan winton surf

PRIYA RAUT
B.SC.1TH YEAR

प्यारी सी बातें

1. आज तेरे लिए वक्त का इशारा है, देखता ये जहां सारा है, फिर भी तुझे मंजिलो से प्रकाश है।
2. जल को बर्फ मे बदलने मे वक्त लगता है, सूरज को निकलने में वक्त लगता है, अपने हौसलो से किस्मत बदलने में भी वक्त लगता है।
3. यह सच है की हर कोशिश करने वाला सफल नहीं होता। लेकिन यह भी सच है, कि सफलता कोशिश करने वालो को ही मिलती है।
4. ठोकरें हमें बताती है कि तुम असावधान हो चुके हो, वक्त के साथ बदलना और हर ठोकर के साथ सम्भालना बहुत जरूरी होता है।
5. मत समझ तू खुद को कमजोर हौसला रख तू कुछ बड़ा करने वाला है, यह सूरज भी दुनिया में अकेला है, पर यही एक सूरज से पूरी दुनिया मे उजाला है।
6. जिन्दगी में कभी भी मुसीबत आए तो घबराना मत क्योंकि गिरकर उठने वाले को ही बाजीगर कहते है।
7. शेर छलांग मारने के लिए एकदम पीछे हटता है, इसी तरह जब जिंदगी आपको पीछे छोड़ती है तो घबराए नही जिंदगी एक आपको उँची उड़ान देने के लिए तैयार है।
8. कह दो प्यासे से थोड़ा और कठिन हो जाए, कह दो चुनौतियो से थोड़ा और कठिन हो जाए। अरे अपना ही चाहते हो ना हमारी हिम्मत को तो कह दो आसमान से थोड़ा और उँचा हो जाए।
9. मुश्किल नहीं है इस दुनिया में कुछ भी, तू जरा हिम्मत तो कर ख्वाब बदलेगे, हकीकत मे तू जरा काशिश तो कर।
10. आर्थिक सदा चलती नही, मुश्किलों सदा रहती नही, मुश्किलो सदा रहती नही, मिलेगी तुझे मंजिल तेरी जरा, कोशिश तो कर।

आयुषी मानकर

सबसे अधिक फसलो के उत्पादन वाले राज्य

	फसल	-	उत्पादन राज्य
1.	सेव	-	जम्मू-कश्मीर
2.	चॉवल	-	पश्चिम बंगाल
3.	बाजरा	-	राजस्थान
4.	केला	-	तमिलनाडु
5.	कपास	-	गुजरात
6.	नारियल	-	केरल
7.	चाय	-	असम
8.	आलू	-	उत्तर प्रदेश
9.	काली मिर्च	-	केरल
10.	मक्का	-	आंध्रप्रदेश
11.	आम	-	उत्तरप्रदेश
12.	सरसों	-	राजस्थान
13.	प्याज	-	महाराष्ट्र
14.	सोयाबीन	-	मध्यप्रदेश

अभिषेक नांगवंशी
बी.ए. तृतीया वर्ष

समय का मोल

जब व्यक्ति स्वंय अपने जीवन का मोल नहीं समझना, उसको बनाए रखने का प्रयास नहीं करता, तब दुनिया में कौन दूसरा उसके लिए चिंतित होगा? जीवन -मुल्यों का कार्य जीवन का मूल्य बनाए रखना है। आज व्यक्ति सुबह से शाम तक इतना व्यस्त प्रतीत होता है कि ऐसे कहीं रूककर यह सोचने का भी नहीं है कि उसका रास्ता आगे जाकर सही निकलेगा या नहीं। मार्ग भटक जाने पर रूककर किसी राहगीर से पूछा भी जाता है, लेकिन आज पूछना भी अपने आप में एक शर्म की बात लगती है।

हमें हमारे समय की कीमत का आज भी एहसास नहीं है हम कहते है जवानी बार-बार नही आती। इसका तो एक -एक पल कीमती होता है। और हम घंटो लगा देते है। ऐसे कामों में जहॉ उसकी कीमत ही नही रहती।

हमने जवानी का मनोरंजन बना दिया है। अवकाश की अवधारणा से जोड़ दिया है यह काल तो तपने का है निखरने का है। उफान होना चाहिए। शिखर चुनने से कम कुछ सोचना ही क्यों चाहिए ? सर्वश्रेष्ठ काल को सर्वश्रेष्ठ उपयोग में लेना चाहिए। यदि यह जागरूकता नही है तो सही बुध्दि का अभाव है। पशु की तरह शरीर में ही उलझकर रह जायेगे । शिखर के बजाय तलहरी में ही जीवन कर जायेगा।

जिस प्रकार बिना भूख लगे खाने से कष्ट हो जाता है। इस प्रकार प्रसन्न मन को रंजक में लगा देने का भी अच्छा परिणाम नही आता। मन दुखी हो बोझ से दवा हो, अवसादग्रस्त या थका हो तभी मनोरंजक की आवश्कता होती है। आज जिस प्रकार रंजक हो रहा है। वह तो मन तक पहुंचता ही नहीं।

आज हमारी पॉच ज्ञानेन्द्रियॉ हमसे दूर होने लगी। न अच्छा देखते हैं,न अच्छा सुनते है, और अच्छा खाते भी नहीं। अनावश्यक सामग्री ने हमें चारों ओर से घेर रखा है। हमारा ज्ञान + दिशा का ज्ञान ही नहीं कर पाता है। हमें हमारे जीवन का उद्देश्य तय करना होगा। लेकिन इतना तो हम आज ही तय कर सकतें है, कि हम अनावयश्क कुछ नहीं करेंगे। समय को रचनात्मक रूप में ही काम लेंगे। समय लौट कर नहीं आता। समय ही तो जीवन है। इसको दूसरो की मर्जी पर छोड़ा भी नहीं जा सकता है। किसी को यह अधिकार नही है कि मेरे जीवन का हिस्सा बेकार कर दे।

तो आओ, संकल्प करे, जीवन की सार्थकता समझें। ऊँचे सपने देखेंगे युवावस्था फिर लौटकर नहीं आएगी जीवन को उॅचाईयॉ देने का सही समय है। कई नासुर शक्तियॉ हमारे मार्ग में आएगी। हमें उनसे लड़ते हुए आगे बढ़ना है। मन के मायाजाल में फसना नहीं है। यह तो हार होगी। इस उम्र में हार कैसे स्वीकार हो सकती है? हमें तो कुछ कर गुजरना है, जीवन की पहचान देनी है।

आज प्रवन्धन के गुरू कहते है कि जो कुछ करो, परिश्रम को ध्यान में रखकर करो। यही बात तो आपके कार्यों को और जीवन को सार्थकता देगी। लक्ष्य ही परिणाम बनता है, उसी तरह का मन में वातावरण बनाया जाता है और उसी तरह का व्यक्तित्व वन जाता है । अतः जीवन का एक लक्ष्य तो यह होना ही चाहिए- "घटिया विषय से दूरी और सर्वश्रेष्ठ का चुनाव।"

आरजू बिसेन
बी.एस सी प्रथम वर्ष

राज्यों का गठन वर्ष

राज्य		गठन वर्ष
आन्ध्रप्रदेश	-	1 अक्टूबर 1953
महाराष्ट्र	-	1 मई 1960
गुजरात	-	1मई1960
नागालैण्ड	-	1 दिसम्बर1963
हरियाणा	-	1 नवम्बर 1966
हिमाचल प्रदेश	-	25जनवरी 1971
मेघालय	-	21 जनवरी1972
मणिपुर	-	21 जनवरी1972
त्रिपूरा	-	21 जनवरी 1972
सिक्किम	-	26जनवरी1975
मिजोरम	-	20 फरवरी1987
अरूणाचल प्रदेश	-	20 फरवरी 1987
गोवा(25 वॉ)	-	30 मई1987
छत्तीसगढ़(26वॉ)	-	1 नवम्बर 2000

कुछ महान कार्यो से सम्बन्धित व्यक्ति

ब्रम्ह समाज	-	राजारायमोहन राय
आर्य समाज	-	स्वामी दयानंद सरस्वती
प्रार्थना समाज	-	आत्माराम पांडुरंग
भक्ति आन्दोलन	-	रामानुज
सिख धर्म	-	गुरू नानक
बौध्द धर्म	-	गौतम बुध्द
न्याय दर्शन	-	गौतम
वैशेतिक दर्शन	-	महर्षि कणाद
साख्य दर्शन	-	महर्षि कपिल
योग दर्शन	-	महर्षि पतंजली
रामकृष्ण मिशन	-	स्वामी विवेकानन्द
हरिजन संघ की स्थापना	-	महात्मा गॉधी
सत्ती प्रथा का अन्त	-	लॉर्ड विलियन बैटिक
दिल्ली सल्तनत की स्थापना	-	कुतुबुद्दीन ऐबक
खालसा पन्थ	-	गुरू गोविन्द सिंह
इस्लाम धर्म की स्थापना	-	हजरत मोहम्मद साहब
पारसी धर्म के प्रवर्तक	-	जर्थपट
शंक संम्वत्	-	कनिष्क
मौर्य वंश के संस्थापक	-	चन्द्रगुप्त मौर्य
गुप्त वंश के संस्थापक	-	श्री गुप्त
मुगल साम्राज्य की स्थापना	-	बाबर
विजयनगर साम्राज्य की स्थापना	-	हरिहर व बुक्का

कुमारी माया नेवारे
बी.ए. तृतीय वर्ष

डर के आगे जीवन है...

डर इंसान की सबसे बड़ी कमजोरी होती है। हर इंसान में डर कहीं न कहीं मन के किसी कोने में विद्यमान होता है। जो कि आपकी सफलताओं में ना जाने कितनी रूकावटें उत्पन्न करता है । डर उन्हें पीछे खींचता है जो डर का सामना ही नहीं करना चाहते । अपने डर को पहचाने और पहचानकर इसे महसूस करे । अगर आप डर के साथ सहज नही है तो यह बात जानते कि आप अकेले नही है । याद रखे कि इतिहास के सबसे महान लोगो ने भी अपने डर का मुकाबला किया था। क्या आपके ज्यादातर डर भविष्य से जूड़े है? कभी यह न सोचे कि क्या हो जायेगा ।

भविष्य के बारे विचार करना बन्द कर दे और वर्तमान में जीना शुरू करे । अपने डर को दूर करने के लिए मौजूद करने में कुछ खास करें। वर्तमान में जो घटित हो रहा है उसका आंनद ले। अपने डर का डट कर सामना करे। आप कोई विपदा में आ जाए तो आप क्या करेगे ?इसकी योजना बनानी पड़ेगी । आपको अपने सबसे बुरे डरों की कल्पना करनी होगी। आपको सोचना होंगा कि आखिर उस स्थिति में पहुँचने पर क्या करेंगे ? अपनी जिन्दगी में आने वाले डर को निकाल कर फेंक दो और अपनी नई जिन्दगी की शुरूआत नए शिरे से करे तभी आपको पता चलेगा कि डर के आगे जीत है।

कुमारी यास्मिन वट्टी
बी. ए. (द्वितीय वर्ष)

भारत का संविधान
नागरिको के मूल कर्त्तव्य

अनुच्छेद 51 क.

मूल कर्तव्य :- भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह-

1. संविधान का पालन करे और उसके आदर्शो,संस्थाओ, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे।
2. स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शो को हृदय में संजोए रखें और उनका पालन करे।
3. भारत की संप्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और एसे अक्षुण्ण बनाए रखे।
4. देश की रक्षा करे और आसन किए जाने पर शब्द की सेवा करे।
5. भारत के सभी लोगो में समरसता और समान भ्रातत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म- भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावो से परे हो ऐसी प्रभाओ का चयन करे जो महिलाओ के सम्मान के विरूध्द हो।
6. हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली पंरम्परा का महल समझे और उसका परिक्षण करें।
7. प्राकृतिक पर्यावरण की जिसके अन्तर्गत वन झील, नदी और वन्यजीव है, रक्षा करें और उसका संवर्धन करें तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखें।
8. वैज्ञानिक दृष्टिकोण मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे।
9. सार्वजनिक सम्पति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे।
10. व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियो के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर वढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई उचाईयॉ को छू सके
11. यदि माता-पिता या संरक्षक है छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने यथास्थिति बालक या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

दिक्षा पंचतिलक (बी.ए. तृतीय वर्ष)

विद्यार्थी के दोहे

काल पढ़े सो आज पढ़, आज पड़े सो अब
फीस डबल हो जाएगी, फिर पढ़ेगा कब।
स्कूल में सुमिरन सब करे, घर में करे न कोय,
जो घर में सुमिरन करें, सो फैल काहे को होय।
पहली घण्टी गई, आने में हो गई देर
गेट आउट सुन चुप रहे, देख समय का फेर।
पोथी पढ़-पढ़ जग हुआ, पास भया न कोय
दिन में कुंजी पढ़े, पास तुरन्त होय।
एक भरोसा एक बल, एक आस विश्वास,
नकल करो हो जाओगे, फर्स्ट डिविजन पास।

ये 5 बाते जीवन भर याद रखना

1. जो होता है, अच्छे के लिए होता है भले अभी बुरा लग रहा है, लेकिन चल के पता चल जाएगा, कि वो भी अच्छे के लिए हुआ था।
2. कई बार अपनों की खुशी के लिए खुद की, खुशी छोड़नी पड़े तो ज्यादा उदास मत हो।
3. अगर लाइफ में कोई कमी है कुछ परेशानी है तो उसे ठीक करने की सोचो उसके बारे में सोच के दुःखी होने से कोई मतलब नही।
4. सच को तुरंत स्वीकार कर लो , क्योंकि किसी झुठ को सच मानने से परेशानी बढ़ती है।
5. अगर लाइफ में कुछ परफेक्ट नहीं है तो क्या हुआ हिम्मत करके खुद को परफेक्ट बना लो।

कुमारी खुशबु सुलाखे
बी. ए. प्रथम वर्ष

स्त्री

सरल भाषा में कहूँ।
स्त्री यानी
"अगरबत्ती"
जिसमे आग भी है,
धीरज भी है।
सहनशीलता भी है।
अपने आप को धीरे -धीरे
जलाकर अपने परिवार को
सुगंधित करने की ताकत भी है।।
" हाँ! नारी हूँ मै

कभी साजन की मौत हूँ मैं।
कभी मितवा की प्रीत हूँ मैं।
कभी ममता की मूरत हूँ मैं।
कभी अहिल्या सीता की सूरत हूँ मैं।
कभी मोम सी कोमल पिघलती हूँ मैं।
कभी अपने ही अश्रु पीती हूँ मैं।
कभी स्वर चित दुनिया में जीति हूँ मैं।
ईश्वर की अनूठी रचना हूँ मैं।
हाँ! नारी हूँ मै

जयश्री मरकाम
बी.एस. सी. द्वितीय वर्ष

हसगुल्ले - रसगुल्ले

1. थानेदार (सिपाही से) - तुमने चोर को क्यो नही पकड़ा?
सिपाही - हुजूर जिस घर में चोर घुसा था उसके बाहर लिखा था अन्दर आना मना है।

2. एक पागल बस में बैठा सबको टरका रहा था मै महाराणा प्रताप हूँ। मेरे सामने काई आंख नही निकाल सकता।
कंडक्टर चतुर था- उसने अगले स्टाप पर बस रूकवाई और बोला -चित्तौड़!फिर क्या था,वह पागल फौरन वही उत्तर गया।

3. ग्राहक (दुकानदार से)-क्यों भाई देशी घी है? क्या भाव है?
दुकानदार - हॉ है । 30 रूपये किलो।
ग्राहक - 25 पैसे का दे दो।
दुकानदार - यह डिब्बा लीजिये और पांच मिनट सूंघ लीजिये।

4. एक सज्जन रोज सांयकाल मंदिर जाते थे। वहां बैठे एक अंधे भिखारी को रोज 10 पैसे देते थे। एक दिन वह अंधा भिखारी वहां नही था। उन्होंने पास बैठे दूसरे भिखारी से पूंछा - वह अंधा भिखारी आज दिखाई नही दे रहा । कहां गया?
दूसरे भिखारी ने जवाब दिया - आज वह सिनेमा देखने गया है।

5. शिक्षक -एक आलू के दो टुकड़े करके प्रत्येक के 2 टुकड़े करे तो कितने टुकड़े होगे।
रमेश- चार।
शिक्षक - फिर वैसे ही काटे तो?
रमेश -आठ!
शिक्षक-फिर वैसे ही काटे तो।
रमेश - तब तो भुरता बन जायेगा।

भारती ठाकरे
वी. ए. द्वितीय वर्ष

किनारे

किनारे हमेशा इंतजार करते है
वे नदियों के दुःख से दूर हैं
और उनके खिलाफ में वह जाते है।
जब सूखने लगती है नदी
किनारे भी ओझल हो जाते है धीरे - धीरे
वे एक लुप्त नदी के अहस्य किनारे होते है
जो चुपचाप अगली बारिश की प्रतिक्षा का इंतजार करते है।
जिससे वे हो सके अपने होने का इंतजार करते है
.....
खुशं हूं मैं
क्योंकि मुझे सपनों से ज्यादा अपनो की फिकर है .....
हो सके तो दिलों में रहना सीखो,
गुरूर में तो हर कोई रहता है.....।

कुमारी आरती सोनी
वी.एस सी द्वितीय वर्ष

सफलता एक ऐसा शब्द है जो सिर्फ शब्द नहीं किसी की चाहत और किसी का सपना होता है। पर सफलता प्राप्त करना आसान नहीं होता है। सफलता प्राप्त करने के लिए बहुत मेहनत करना पड़ता है।

आईये पढ़ते है सफलता पर लिखी कविता

निश्चित ही सफलता मिल जायेगी।

राह नही आसान है ये
मुश्किल रास्ते मे आएगी
किस्मत पे रास्ते भरोसा मत करना
ये राह तुम्हे भटकाएगी
मत हारना हिम्मत इनसे तुम
चाहे जितने धमासान रहे
निश्चित ही सफलता मिल जाएगी
तुम खड़े जो सीना तान रहे

जो कभी कोई रह जाती है।
तो उसका तुम अभ्यास करो
जो गिरते हो तुम एक दफा
तो उठकर फिर प्रयास करो
लगे रहो तुम कर्म में अपने
जब तक इस तन में प्राण रहे
निश्चित ही सफलता मिल जाएगी
तुम खडे जो सीना तान रहे।

गिरने मे वक्त नही लगता
लगता है नाम कमाने मे
खुद ही चलना पड़ता है
सच्चाई की राह जो चलते
समाज मे उसकी शान रहे
निश्चित ही सफलता मिल जाएगी
तुम खडे जो सिना तान रहे।

कुछ भी करना तुम जीवन मे
मगर कभी न वो काम करना
हो जाए जिससे वदनामी
और जीना भी लगे मरना
बना तुम्हारा सम्मान रहे
निश्चित ही सफलता मिल जाएगी
तुम खडे जो सीना तान रहे।

हरित पीछले
बी.ए.प्रथम वर्ष

QUOTATION

1. Good mind, god find.
2. All is well that ends well.
3. Better todey thah tomarrow.
4. HONESTY IS THE BEST POLICY.
5. Barking dogs seldom bite.
6. Time and tide wait for no.
7. Beauty has wings.
8. Tit for tat.
9. Like father like son.
10. As yopu saw, so you reap.
11. Might is night
12. TO kill the goose that days the golden eggs.
13. Oil and truth must come out.
14. Nip the evil in the dub.
15. Anger is blind.
16. It is never to late to mend.
17. Many a little makes a mickle
18. A walf in shep's clothing or mouth of maney heart of gall.
19. A drowning man cutchs a straw.
20. An idle mind is the devil's warkshop
21. All that glitters is not gold.
22. Saying is one things and doing another.
23. Unity is strength.
24. Make hay,while the san shines.
25. BY trying the creeks gat into truy.
26. DO not put off til tomorrow what you can do today.
27 Maney begets maney.
28. Gather thistles and expect pickles.
29. Men rule the world women rule man.

DURG MESHRAM
B.SC 3 YEAR

सफलता के लिए विद्यार्थी को ध्यान रखनी चाहिए ये बातें –

1. प्रयास करे की क्रोध न करें – क्रोध में आदमी अंधा हो जाता है। उसे सही गलत की पहचान नहीं रह जाती है और जो व्यक्ति क्रोधी स्वभाव के है और छोटी – छोटी बात पर भी गुस्सा होकर कुछ ऐसा कर बैठता है जिसके लिए आगे आकर पछताना पड़े वैसे लोग क्रोध आने पर किसी का भी बुरा कर बैठते है।

2. देख परायी चुपडी न ललचाओ जी (लोभ न करे)– लालच बुरी बला है हम सबने ये सुना है और पढ़ा है लालची इंसान अपने फायदे के लिए किसी का भी इस्तेमाल कर सकते है और किसी के साथ भी धोखा कर सकते है। ऐसे व्यक्ति सही गलत के वारे मे विल्कुल नहीं सोचते।

3. निद्रा आवश्यकता से अधिक सोने से वचे:– स्वस्थ मनुष्य के लिए 6-8 घंटे सोना आवश्यकता होता है। विद्यार्थियों को इस वात का ध्यान रखना चाहिए । वे आवश्यकता से ज्यादा निद्रा से बचे । अत्यधिक निंद्रा से शरीर से हमेशा थकान वनी रहती है। और अगर शरीर थका हो तो ध्यान केकन्द्रित करना मुश्किल हो जाता है, और अध्ययन के लिए दिमाग का केंद्रित होना अत्यंत आवश्यक होता है।

विशाल पटले
प्रयोगशाला तकनिशियन

देश की सेवा

"यदि मैं इस देश की सेवा करते हुए शहीद भी हो जांऊँ।
मुझे इसका गर्व होगा, की मेरे खून की हर एक बूँद .....
रस देश की तरक्की में और इसे मजबूत गतिशील बनाने मे योगदान देगी।"

जिंदगी की सच्चाई

जिंदगी निकल जाती है ढूंढ़ने में कि..... ढूंढ़ना क्या है?
अंत मे तलाश सिमट जाती है इस सुकून मे कि .....
जो मिला, तो भी कहां साथ लेकर जाना है।

वक्त

वक्त कहता है..... मै फिर ना आऊँगा क्या पता मै तुझे हसाऊँगा या रूलाऊँगा जीना है तो इस पल को ही जी ले, क्योंकि इस पल को मै अगले पल तक नही रोक पांऊँगा!

शिक्षक

शिक्षा से बेहतर कोई वरदान नही है, शिक्षक का
आशीर्वाद मिले इससे बड़ा कोई सम्मान नही है।

स्वतंत्रता दिवस अमर रहे का अर्थ

शब्द		अर्थ
स	-	स्वतंत्र रहेगा।
व	-	वतन हमारा आसमान मे
तं	-	तंत्र तंरगे गुंजी थी, बापू की
त्र	-	त्रासंदिव झेलकर।
ता	-	ताकत से भागा था फिरंगी आज
दि	-	दिवस 15 अगस्त
व	-	वतन की आजादी का पर्व ये।
स	-	संकल्प को दोहराते है अपना।
अ	-	अखण्डता कायम रखेगे।
म	-	मरकर भी याद रखेगे।
र	-	रहम की भीख न मांगेंगे।
हे	-	हे माँ तुझे सलाम।

आकाश राहंगडाले
बी.ए. द्वितीय वर्ष

कर्तव्य अभिप्राय और प्रकार

कर्तव्य –अभिप्राय और आशय –

किसी संदर्भ व्यक्ति के कर्तव्य होने का आशय यह होता है कि संदर्भ में कुछ करना या कुछ न करना उसका उत्तरदायित्व है दुसरे शब्दो मे , "समाज और राज्य व्यक्ति से जिन कार्यों को करने की अपेक्षा की जाती है, वही उसके कर्तव्य है।" कर्तव्य का आधार मात्र अवधारणा है कि जीवन की जो सुविधाएँ या स्थितियाँ मुझे प्राप्त है वही अन्य व्यक्तियो को भी प्राप्त है। अतः मेरा दायित्व है कि मैं ऐसे उतरदायित्व का पालन करू जिससे उन्हे वे स्थितियाँ सहज ही उपलब्ध रहें हॉव हाउस ने लिखा है –अधिकार व कर्तव्य सामाजिक कल्याण की दशाएँ हैं। समाज के प्रत्येक सदस्य का इस कल्याण के प्रति दोहरा दायित्व है। अधिकार एक माँग है तो कर्तव्य । दूसरी मेरे अधिकार समाज के अन्य सदस्यों का कर्तत्व निर्धारित करते है और अन्य सदस्यो के अधिकार मेरे कर्तव्य को निर्धारित करते हैं।"

मोटे कतौर समाज और राज्य मे व्यक्ति के कर्तव्यों की दो श्रेणियाँ होती है।

1) नैतिक कर्तव्य (Mogail Datles) –

नैतिक कर्तव्यो का आधार व्यक्ति की नैतिक या उसका अन्तः करण होता है, उनका कोई वैधानिक आधार नहीं होता अर्थात् इन कर्तव्यों का पालन करने के लिए राज्य द्वारा व्यक्ति को बाह्य अथवा दण्डित नहीं किया जा सकता है। इन कर्तव्यो का स्त्रोत व्यक्ति का विवेक है।

सामाजिक प्राणी होने के नाते व्यक्ति से जिन कर्तव्यो की अपेक्षा की जाती है उन्हे ही नैतिक कर्तव्य कहा जा सकता है जैसे –सत्य बोलना, कमजोर और असहाय की सहायता करना। ऐसे कार्य न करना जिससे सामाजिक हितो की पूर्ति में बाधा पैदा हो, अपने देश से प्रेम करना, सभी देश वासियो के प्रति बन्धुत्व का भाव रखना आदि। इन कर्तव्य का पालन न करने पर राज्य द्वारा कोई दण्ड नहीं दिया जा सकता, "अधिक से अधिक समाज ऐसे सदस्यो का बहिष्कार कर सकता है।

2.) वैधानिक कर्तव्य (Legal Datles) –

वैधानिक कर्तव्य वे कर्तव्य है जो राज्य के संविधान या विधियो द्वारा स्थापित किये जाते है। इनका पालन करना या नहीं करना व्यक्ति की इच्छा पर निर्भर नहीं होता वरन् ये व्यक्ति पर बाह्यकारी होते है और इनका पालन न करने पर व्यक्ति को दण्ड का भागी बनना पड़ता है आधुनिक राज्यो में नागरिको के मुख्य वैधानिक कर्तव्य निम्नांकित है–

1. राज्य के प्रति निष्ठा भाव रखना–

प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह उस राज्य के प्रति निष्ठा का भाव रखे जिसका वह नागरिक है। इसका आशय यह है कि वह राज्य की एकता और अखण्डता को बरकरार रखने में और युध्द के समय राज्य की सुरक्षा में अपना योगदान दे। यह प्रत्येक नागरिको का कर्तव्य है कि वह दुश्मनो से राज्य की रक्षा करे कोई ऐसा कार्य नही करे जिससे राज्य की शांति और सुव्यवस्था में कोई बाधा पैदा हो।

2. राज्य की विधियों का पालन करना –

राज्य की विधियो का पालन करना और राज्य की विधियो द्वारा आरोपित दायित्वों का निर्वाह करना किसी भी नागरिक का सर्वप्रमुख वैधानिक कर्तव्यो है । राज्य एक संप्रभु इकाई है।जिसकी इच्छा सर्वोच्च होती है। इस सर्वोच्च इच्छा की अभिव्यक्ति ही राज्य की विधियो के रूप मे होते है। राज्य द्वारा विधियो का निर्माण समाज में व्यवस्था स्थापित करने की दृष्टि मे भी है कि वे विधियो का पालन करे।यदि नागरिकों को यह लगता है कि राज्य द्वारा निर्मित कोई विधि अन्याय पूर्ण है वे शांति पूर्ण ढ़ंग से उसका विरोध कर सकते है और उसे निरस्त कराने के लिए सवैधानिक उपायो का सहारा ले सकते है।

3. करों का भुगतान करना -

राज्य एक सुसंगठित सामाजिक जीवन की स्थापना और नागरिकों के कल्याण के लिए निर्मित एक संगठन है। सामाजिक जीवन को व्यवस्थित स्वरूप देने और नागरिकों के लिए विभिन्न कल्याणकारी कार्यो के सम्पादन हेतु राज्य को हमारी आवश्यकता होती है।इसके लिए राज्य द्वारा नागरिकों पर विभिन्न प्रकार के कर आरोपित किये जाते हैं। नागरिको का कर्तव्य है कि वे ईमानदारी से राज्य के समस्त करो का भुगतान करें ताकि राज्य का कार्य सुचारू रूप से चल सके। राज्य द्वारा निर्धारित करो का समय से भुगतान न करने पर राज्य द्वारा दण्डात्मक कारवाई की जा सकती है।

आधुनिक राज्यों में नागरिको के मुख्य वैधानिक कर्तव्य है-

अर्थात् इनका समुचित पालन नहीं किये जाने पर राज्य द्वारा दण्डकारी कार्यवाही की जा सकती है। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक व्यवस्था बनाये रखने में सहयोग करना, मताधिकार का विवेकपूर्वक प्रयोग करना, सार्वजनिक सम्पति की सुरक्षा में योगदान देना सार्वजनिक पदों से जुड़े दायित्वों का ईमानदारी से निर्वाह करना और भी नागरिकों के कर्तव्य माने जाते है। परन्तु इन्हे विशुध्द वैधानिक कर्तव्यों की श्रेणी में नही रखा जा सकता, क्योंकि इनका निर्वाहत नहीं करने पर व्यक्ति को राज्य द्वारा दण्डित नही किया जा सकता । सामान्यतया यहां कहा जा सकता है कि व्यक्ति को उन सभी कर्तव्यों का पालन करना चाहिये जि ससे राज्य में सुव्यवस्था बनी रहे और राज्य अपनी कल्याणकारी भूमिका का सम्यक रूप से निर्वाह कर सके।

"सुविचार - आज के नागरिको के यह होना चाहिए"।

अधिकार और कर्तव्य संबंध

"अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

यदि व्यक्ति उन्हें अपने दृष्टिकोण से देखता है तो वे अधिकार है और यदि उन्हे दूसरे के दृष्टिकोण से देखा जाय तो वे कर्तव्य हो जाते हैं।

लास्की ने भी लिखा है कि मेरा अधिकार तुम्हारे कर्तव्य से साथ बँधा हुआ है।" उल्लेख यह है कि प्रत्येक अधिकार के साथ एक समानांतर कर्तव्य भी जुड़ा होता है। इसका कारण यह है कि राज्य द्वारा अधिकार की व्यवस्था किसी एक व्यक्ति या व्यक्तियो के लिए नहीं वरन्राज्य के सभी नागरिकों के लिए की जाती है व्यक्ति अपने अधिकारो का प्रयोग समुचित रूप से कर सके, यह इस बात पर निर्भर करता है।

कि अन्य व्यक्ति ऐसा कोई कार्य न करें जिससे कि व्यक्ति द्वारा संबंध अधिकार के उपयोग में कोई बाधा पैदा हो यदि मुझे कार्य करने और जीविकोपार्जन का अधिकार है तो मेरा यह कर्तव्य भी है, कि मैं ऐसा कोई कार्य न करूं जिससे कि समाज के अन्य व्यक्तियों का कार्य करने और जीविकोपार्जन का अधिकार बाधित हो।

"अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलु है"- अधिकार और कर्तव्य सहगामीइकाई है। एक के अभाव में दूसरे का अस्तित्व सम्भव नही है। अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू है, इसे लास्की ने चार प्रकार से व्यवस्थित किया है, सर्वप्रथम मेरा अधिकार कर्तव्य है, दुसरा-मेरा अधिकार मे यह कर्तव्य निहित है कि मै तुम्हारे समान अधिकारो को स्वीकार करू। तीसरा - मुझे अपने अधिकार का प्रयोग सामाजिक हित में वृध्दि करने की दृष्टि से करना चाहिए तथा अंततः राज्य मेरा अधिकार को सुरक्षित रखता है तथा उनकी व्यवस्था करता है अतःराज्य की सहायता मेरा कर्तव्य है। इस प्रकार स्पष्ट है कि अधिकार और कर्तव्य दोनो का अस्तित्व एक दुसरे पर आधारित है। और एक के अभाव मे दुसरा निरर्थक हो जायेगा।

डेलेन्द्र गौतम
बी.ए. प्रथम वर्ष

आज का मीठा मोती

खुशी उनको नहीं मिलती
जो अपनी शर्तों पे,
जिंदगी जीया करते हैं।
खुशी उनको मिलती है,
जो दूसरों की खुशी के,
लिए अपने शर्ते बदल
लिया करते है।

मेरे गुरू कहते है.....
मत सोच की तेरा
सपना क्यो पूरा नही होता।
हिम्मत वालो का इरादा
क़भी अधूरा नही होता ।
जिस इंसान के कर्म,
अच्छे होते है,
उसके जीवन में कभी
अंधेरा नही होता।

मैदान में हारा हुआ फिर से जीत सकता है,
परन्तु मन से हारा हुआ कभी जीत नही सकता।

इस तरह अपना व्यवहार रखना चाहिए।
कि अगर कोई तुम्हारे बारे में बुरा कहे
तो कोई भी उस पर विश्वास ना करे।
जिंदगी वैसी नही जैसी इसके लिए
कामना करते है यह तो वैसी बन
जाती है जैसी आप इसे बनाते है।

जिन्दगी

जिंदगी अभी तो चलना सीखा है,
हार कैसे मान लूँ

जानती हुँ रास्ते मे मिलेगें कई कॉटे
पर दौड़ लगाने का जज्बा रखती हूँ

हौसला हार कर बैठ जॉउ,
उतनी कमजोर भी नही
हर पल हर कदम हर दम

जिंदगी एक कसौटी है।
पर कसौटी को पार कर
वही साहसी है।

तैयार हुँ हर परीक्षा देने को,
पर सुन्दर परिणाम की इच्छा रखती हूँ।

नीलू कोकोडे
बी.एस सी तृतीय वर्ष

जनरल नॉलेज

1. विश्व मे कौन -सा देश है जहाँ सफेद हाथी पाये जाते है?
उ. थाइलैण्ड
2. ऐसा कौन -सा जीव है जो जिंदगी भर बिना पानी पीये जीता है या जी सकता है?
उ. अमेरिका का रैट कंगारू
3. विश्व मे काले रंग के हंस किस देश मे पाये जाते है?
उ. ऑस्ट्रेलिया
4. विश्व मे सबसे बातूनी पक्षी कौन - सा है?
उ. प्रइल नाम का भूरे रंग का नर तोता (अफ्रीका)
5. विश्व का सबसे तेज उड़ने वाला पक्षी कौन - सा है?
उ. डक हाक
6. उड़ने वाले मेढ़क का क्या नाम है?
उ. रांक्रो फोरस
7. सबसे अधिक दिनो तक जीने वाला प्राणी कौन-सा है?
उ. कछुआ 300 वर्ष तक।
8. विश्व की सबसे बडी घड़ी कौन - सी है तथा कहाँ पायी जाती है?
उ. बिगबेन जो लन्दन में पायी जाती है।
9. विश्व का सबसे बडा बैंक कौन -सा है?
उ. बैंक ऑफ अमेरिका
10. विश्व का वह कौन सा देश है जो आज तक किसी का गुलाम नही हुआ?
उ. नेपाल
11. विश्व का सबसे गरीब देश कौन सा है?
उ. भूटान
12. विश्व मे सबसे कठोर कानून किस देश का है?
उ. सउदी अरब।

पायल बरमैया
बी. एस सी प्रथम वर्ष

सुविचार

- बडप्पन वह गुण है, जो पद से नही,
संस्कारो से प्राप्त होता है।
तूफान मे कश्तियां और अभिमान में हस्तियां मिट जीती है।
- "छोटी सोच" शंका को जन्म देती है.....
और "बडी सोच"-समाधान को.....
- सच के साथ चलिए, एक दिन वक्त आपके साथ चलेगा
- अगर आप किसी का अपमान कर रहे हैं,
तो वास्तव में आप अपना सम्मान खो रहे है।
- बाहर की चुनौतियों से नहीं हम अपनी
अंदर की कमजोरियों से हारते है।

कविता

आसमान मे कितने तारे
चॉद सितारे कितने प्यारे
टिम-टिम-टिम रात सवारे
चमक - चमक के रात उजारे
आसमान मे.....
बादल आते कहॉ छुप जाते
हम भी तुमको ढुंढ न पाते
आसमान में.....
सोच में भी हम आ जाते
सुबह होते ही कहॉ छुप जाते
आसमान मे.....
चॉद सितारे.....

सफल मानव जीवन

सफल मानव जीवन में उद्देश्य की महत्व -

उद्देश्य के बिना जीवन महत्वहीन है। ठीक उसी तरह जैसे पतवार नाव जो लहरों के थपेड़ा से पल में इधर तो पल में उधर होती है, और कभी कभी तो डुब जाती है।

यह जीवन यूं ही व्यतीत करने के लिए नही है, कीड़े मकोड़े की तरह मर जाना जीवन का ध्येय जो नही है स्वयं के लिये जीना तो पशुओं का होता है। मनुष्य जीवन का उद्देश्य तो दूसरो को सुख देना एवं मानवता की सेवा करना होना चाहिए वरना हमसे तो ये पेड़-पौधे अच्छे है जो अपने फल स्वयं भी नही खाते अपितु दूसरों को देते है। यहाँ तक कि अपने पत्तें तक पशुओं को खिलाकर प्रसन्न रहते है। हम इन पेड़ों और नदीयों से बहुत कुछ सीख सकते है कि मानवता की सेवा कैसे करे।

हमें अपने लक्ष्य के प्रति गहरा लगाव होना चाहिए। बॉधाए तकलीफें तो आयेगी उनसे विचलित न होकर उनके वीच से बढ़ाया गया, प्रत्येक कदम हमें एक नये अलौकिक सुख व आनन्द की अनुभूति करायेगा।

"सपनो से दुनिया में सफलता साकार
नहीं होती कोशिश करने वालो की हार नही होती है।

जीवन मे वाधाओं का आगमन वारम्वार हो, कई आर हमें अपने लक्ष्य से विचलित भी होंगे, कई वार निराश भी होंगे और यदि हम कठिनाईयॉ की परवाह किये वगैर मुस्कराये तो उन परिस्थितियों से झलक लेते हुए अपने कहलायेगे।

यदि आप अपने जीवन में सुख और संतोष चाहते है तो अपने प्रयास से संतुष्ट रहे। चाहते है अपनी मंजिल अपने लक्ष्य अपने उद्देश्य को सामने रखकर आगे 'कदम बढ़ाये तो निश्चित ही सफलता हमारे कदमो में होगी। हमारे जीवन में हमे संतोष मिलेगा हम कुछ भी ना होते हुए भी सब कुछ होंगे। तभी तो किसी ने कहा है :-

'जो त्यागते गये वही पूजते गये
जिन्होने जोड़ा वही डूबते गया।

निकिता पटले
बी.ए. द्वितीय वर्ष

हम तुम बहुत पुराने साथी

हम तुम बहुत पुराने साथी
जगती के मधुबन में
दोनो तन - मन से कोमल है,
फूल रहे ग्रह, बन मे
हम उपवन का तुम जन-मन का
मधु कण-कण कर जोडो
देखो मालिक, मुझे न तोडो।
हम तुम दोनों में यौवन है
दोनो मे आकर्षण
दोनो कल मुरझा जाएंगे।
कर क्षण भर मधुघर्षण

आओ क्षण भर हँस खिल मिल ले
कल की कल पर छोड़ो,
देखो मालिन, मुझे न तोड़ो
जब जग मुझे तोड़ने आता
मै हँस - हँस रो देता
जब तुम मुझ पर हाथ उठाती
मै सुधि- सुधि खो देता
हृदय तुम्हारा -सा ही मेरा,
इसको यों न मरोड़ो,
देखो मालिन -मुझे न तोड़ो ।।

चारू शरणागत
बी.एस सी तृतीय वर्ष

BIOLOGY
DISCOVERY OF CELL

1. कोशिका की खोज - रार्बट ब्राउन (1965)
2. कोशिका सिध्दान्त - श्वास (जर्मन वन्सपति वैजा.)
   व श्लाइडेन (जर्मन प्राणी वैज्ञानिक) 1938 - 1965
3. जीवित कोशिका को सर्वप्रथम ल्युवेनहॉक द्वारा देखा गया
4. सबसे छोटी कोशिका - माइकोप्जाज्मा लैडलैवी (0.25 m)
5. सबसे बड़ी कोशिका - शुतुरमुर्ग का Egg (15 c.m.)
6. Animal में लम्बी कोशिका - Nerve Cell
7. Plant में Langer Living Cell जिसकी Lenth 12c.m. होती है एसिटेघुलेरिया है। जो एककोशिकीय समुद्री शैवाल है।

CELL ERGENS के खोजकर्ता

1. Golgi body - Camilo Golgi (1898)
2. Endoplasmic Reticulum - Porter (1961)
3. Lysosome - Christion De Duve (1955)
4. Microcondria - Kalliler (1850)
5. Ribosome - Robinson & Brown
6. Centrosome - nucleus - Robert brown

1. सेन्ट्रिओल व राइबोसोम NON -COMPERTMENT ORGEN है।
2. COMPOUND MICROSCOPE - का निर्माण सर्वप्रथम हालैण्ड क वैज्ञानिक "जेनसैन" ने किया।
3. MITROCONDRIA का SELF ONA होता है।
4. CELL MEMBRONE WARD का प्रयोग सर्वप्रथम नागेली व क्रेमर (1955) मे किया गया।
5. कोशिका जितनी छोटी होगी उसकी MATABALIK क्रिया उतनी ACTIVE होगी।

हेमलता चौधरी
बी. एस सी प्रथम वर्ष

10 आदतें जो बना सकती हैं आपको SUPER SUCCESSFUL

1. हमेशा जीत के बारे में सोचे।
2. प्लानिंग फाइनेशियल कंडीशन के हिसाब से करे।
3. पहले दूसरों को समझिए फिर अपनी बात कहिये।
4. रिस्क टेन्कर बनें।
5. शार्ट के बजाए हार्ड वर्क पर फोकस करे।
6. अपनी दिनचर्या फिक्स करे।
7. अपने टैलेट को पहचान कर कार्य चुनें।
8. प्रोएक्टिव बनिए।
9. लोग क्या कहेगे इसकी चिन्ता मे ना उलझे।
10. सेहत मद रहे और मानसिक रूप से शान्त रहे।

शशी कुमार कुडापे
बी. ए. तृतीय वर्ष

माँ
की तस्वीर

तमाम ख्वाहिशें पूरी कर आया।
तमाम कोशिशें पूरी कर आया।
जब याद किया दिल से आपको।
माँ। तब मैं आपकी तस्वीर कहीं खो आया ।।

बचपन का प्यार आज भी नहीं भूला।
वो आपकी सीख आज भी नहीं भूला।
आपकी लाठी का स्वाद अब मुझे है समझ आया।
जब याद किया दिल से आपको
माँ। तब मैं आपकी तस्वीर कहीं खो आया ।।

इतना बड़ा हुआ पर आपका प्यार ना समझ सका।
आपकी ख्वाहिश का अन्दाजा अब मैंने है लगाया।
जब याद किया दिल से आपको।
माँ। तब मैं आपकी तस्वीर कहीं खो आया ।।

दरकार समझ आने लगी है आपकी।
तकलीफ समझ आने लगी है आपकी।
अब जाके आपका प्यार है समझ आया।
इन गैरों को कहीं दूर मैं छोड़ आया।

जब याद किया दिल से आपको
माँ। तब मैं आपकी तस्वीर कहीं खो आया ।।

माँ
की तस्वीर

तमाम ख्वाहिशें पूरी कर आया।
तमाम कोशिशें पूरी कर आया।
जब याद किया दिल से आपको।
माँ! तब मैं आपकी तस्वीर कहीं खो आया !!

बचपन का प्यार आज भी नहीं भूला।
वो आपकी सीख आज भी नहीं भूला।
आपकी लाठी का स्वाद अब मुझे है समझ आया।
जब याद किया दिल से आपको
माँ! तब मैं आपकी तस्वीर कहीं खो आया !!

इतना बड़ा हुआ पर आपका प्यार ना समझ सका।
आपकी ख्वाहिश का अन्दाजा अब मैंने है लगाया।
जब याद किया दिल से आपको।
माँ! तब मैं आपकी तस्वीर कहीं खो आया !!

दरकार समझ आने लगी है आपकी।
तकलीफ समझ आने लगी है आपकी।
अब जाके आपका प्यार है समझ आया।
इन गैरों को कहीं दूर मैं छोड़ आया।

जब याद किया दिल से आपको
माँ! तब मैं आपकी तस्वीर कहीं खो आया !!

तथागत मन्डा

मानव शरीर में तत्वों की मात्रा

1.	ऑक्सीजन	-	65%
2.	कॉर्बन	-	18%
3.	हायड्रोजन	-	18%
4.	नाइट्रोजन	-	3%
5.	कैल्शियम	-	2%
6.	फास्फोरस	-	1%
7.	पोटेशियम	-	0.35%
8.	सल्फर	-	0.25%
9.	सोडियम	-	0.15%
10.	क्लोरिन	-	0.15%
11.	मैग्नीशियम	-	0.05%
12.	कॉपर	-	0.05%
13.	लोहा	-	0.004%

भारत की नदियों की लम्बाई

क्र.	नदियों के नाम		लम्बाई
1.	ब्राम्हापुत्र नदी	-	2900 कि. मी.
2.	गंगा नदी	-	2525 कि.मी.
3.	गोदावरी नदी	-	1465 कि. मी.
4.	कृष्णा नदी	-	1400 कि.मी.
5.	यमुना नदी	-	1376 कि.मी.
6.	नर्मदा नदी	-	1312 कि.मी.
7.	घाघरा नदी	-	1080 कि.मी.
8.	सतलज नदी	-	1450कि.मी.
9.	चंबल नदी	-	965कि.मी.
10.	महानदी	-	858कि.मी.
11.	कावेरी नदी	-	805कि.मी.
12.	कोसी नदी	-	729 कि.मी.
13.	सोन नदी	-	784कि.मी.
14.	ताप्ती नदी	-	724 कि.मी.

संजय सुलाखे
बी. ए. प्रथम वर्ष

जन्तुओं के गर्भ अवधि काल

1.	हाथी	-	621 दिन
2.	घोड़ा	-	330 दिन
3.	बाघ	-	155 दिन
4.	कुत्ता	-	63 दिन
5.	भैसा	-	300 दिन
6.	चूहा	-	21 दिन
7.	गिलहरी	-	10 दिन
8.	चीता	-	95 दिन
9.	गाय	-	281 दिन
10.	बकरी	-	151 दिन
11.	शेर	-	120 दिन
12.	ऊँट	-	100 दिन

छोटे कदम से सफर की शुरूआत करें।

हकीकत है इस संसार में कि छलांग लगाने वाले फिसल जाते हैं। धीमी शुरूआत वाले जीत जाते हैं।

खोकर पाने का मजा ही कुछ और है।
रोकर मुस्कुराने का मजा ही कुछ और है।
हार तो जिंदगी का हिस्सा है मेरे दोस्त
हारने के बाद जीतने का मजा ही कुछ और है।

आप अपना भविष्य नहीं बदल सकतें।
लेकिन अपनी आदतें बदल सकते है।
और निश्चित रूप में आपकी आदतें
आपका भविष्य बदल देंगी।

ताश के पत्तों मे महल नहीं बनता
नदी को रोकने में समुद्र नहीं बनता
क्योंकि एक जीत से कोई सिकन्दर नहीं बनता।

सफलता कि कहानियां मत पढ़ो
उससे आपको केवल एक संदेश मिलेगा।
असफलताओं की कहानियां पढ़ो उससे
आपको सफल होने के आइडिया मिलेगे।

"लोग डूबते है तो समुद्र को दोष देते है,
मंजिल न मिले तो किस्मत को दोष देते है।
खुद तो संभल कर चलते नही,
जब लगती है ठोकर तो पत्थर को दोष देते हो।"

मनिषा राहँगडाले (बी.एस सी तृतीय वर्ष)

जीने की कला

1. बुराई करने के अवसर तो बहुत आते है किन्तु भलाई करने के अवसर बहुत कम आते है।
2. मनुष्य जितना छोटा होता है, उसका अंहकार उतना ही बड़ा होता है।
3. ईर्ष्या करनेवाले मनुष्य में स्वयं कुछ वनने की न महत्वाकांक्षा होती है न लगन
4. प्रकृति जब कठिनाई बढ़ाती है तो बुध्दि भी बढ़ाती है।
5. अपना कर्तव्य करो शेष ईश्वर के अधीन छोड़ दो ।
6. क्रोध मूर्खता से शुरू होता है। और पश्चाताप पर खत्म होता है।
7. वही सच्चा जीवन व्यतीत करता है जो अपनी जीवन शक्ति भावी संतान के लिए व्यय कर देता है।
8. धर्म ईश्वर और मनुष्य के प्रति प्रेम से अधिक कुछ भी नही है।
9. मित्र पचास भी कम है शत्रु एक भी बहुत।
10. सच्चा मित्र वही है जो संकट मे काम आये।

जीवन क्या है

जीवन कर्तव्य की पुकार है उसका पालन करो।
जीवन एक उपहार है उसे स्वीकार करो।
जीवन एक साहसिक कार्य है सफलता प्राप्त करो ।
जीवन एक क्रीडा स्थली है मन लगाकर खेलो।
जीवन एक संगीत है सब मिलकर गान करो।
जीवन एक प्रतिभा है सत्य रूप से पालन करो।
जीवन एक स्वर्ग अवसर है उचित लाभ उढाओ।
जीवन एक रहस्य है उसके रहस्य को खोलो।
जीवन एक प्रेम पंथ है, उसका आनंद उठाओ।
जीवन सौंदर्य से भरा है, उसका गुण गान करो।
जीवन एक अनुभूति जी भरकर अनुभव करो।
जीवन एक महासग्राम है उसमें विजय प्राप्त करो।
जीवन एक पहेली है उसे बुध्दि से हल करों।
जीवन एक महान लक्ष्य है प्राप्ति के लिये सदा प्रयत्न करो।

चुटकुले

1) चीकू - दुकानदार से गोरा करने वाली कीम है,आपके पास
दुकानदार - हां है
चीकू - फिर लगाते क्यों नही तुम्हे देखकर मै रोज डर जाता है,

2) लड़का - चुपचाप खुजा कर सो जाना चाहिए क्योकि आप कोई रजनीकांत तो नही हो कि मच्छर से सॉरी बुलवा लोंगे।

3) टीचर नेताजी से -आपका लड़का फेल हो गया है, और आप लड्डू खिला रहे हो?
नेता जी - 80 लड़को की क्लास मे 60 फेल है, बहुमत तो मेरे बेटे के साथ है।

आँचल कटरे
बी.ए. प्रथम वर्ष

शुध्द प्रेम के सत्य विचार

1. आसान नही है उस इंसान को समझना,
जो जानता सब कुछ है पर बोलता, कुछ नही है।

2. कौन कहता है ..... कि रोना गलत है,
मन की भावनाओ का..... क्यूँ बहना गलत है,
कभी -कभी तो ये .कुदरत भी रोती है
तभी तो ये हसीन ..... बरसात होती है।

3. मेरे पास वक्त नही है,
नफरत करने का उन लोगो सें।
जो मुझसे नफरत करते है, क्योकि
मैं व्यक्त हूँ उन लोगो मैं जो मुझसे प्रेम करते है।

4. जिंदगी का सबसे बुरा लम्हा वो है,
जब कोई अपना आपको इतने दुःख दे,
कि आंखे भर जाए और वही पूछे,
क्या हुआ.....?
और आपको मुस्कुराकर कहना पड़े कुछ नही

5. जरूरी नही है की इंसान सुन्दर,
और बेहद खुबसूरत हो
अच्छा तो वही इंसान है जो
आपके साथ तब हो जब
आपको उसकी जरूरत हो।

6. मैं विधाता होकर भी
विधि के विधान को नही टाल सका,
मेरी चाहतो राधा थी,
और चाहती मुझको मीरा थी।
पर मै हो रूकमणी का गया.....।

7. मनुष्य घर बदलता है, कपड़े बदलता है,
रिश्ते बदलता है फिर मित्र बदलता है,
प्यार बदलता है,
फिर भी दुःखी क्यों रहता है?
क्यो कि वह स्वंय को नही बदलता।

8. पंसद वह नहीं जो दिलो जान सें
होती है पंसद वह नही जो मुस्कान
देती है। पंसद तो वह है जो हजारो
की भीड़ मे अपने प्रियतम को
पहचान लेती है। राधे-राधे
जय राधे कृष्णा

दिव्या पंचतिलक
वी.ए. तृतीय वर्ष

सुविचार

मेहनत एक ऐसी सुनहरी चीज है।
जो बन्द भाग्य के दरवाजे भी खोल देती है।

अपने लफ्जों का प्रयोग बहुत सावधानी।
से कीजिए क्योकि यह आपके परिवेश
का सबसे बड़ा सबूत है।
तुम पानी जैसे बनो जो अपना रास्ता
खुद बनाता है।
पत्थर जैसे ना बनो जो दूसरे
का भी रास्ता रोक लेता है।

सिर्फ सपनों से कुछ नहीं होता।
सफलता प्रयासों से हासिल होती है।
जिंदगी में इतनी तेजी से दौड़ो की
लोगो के बुराई के धागे अपने
पैरो मे ही आकर टूट जाये

आपका हर सपना सच हो सकता है।
अगर आप उसे पाने की हिम्मत रखते है।
जो तुम सोचते हो वो हो जाओगे
यदि तुम खुद को कमजोर सोचते हो।
तो तुम कमजोर हो जाओंगे,
अगर खुद को ताकतवर सोचते हो।
तो तुम ताकतवर हो जाओगे।

जितेन्द्र बोपचे
बी. ए. तृतीय वर्ष

खेल, स्वास्थ्य और कैरियर

शारीरिक गतिविधि एवं खेल, संस्कृति एवं मानव जीवन के अभिन्न अंग होने के साथ-साथ मानव संसाधन विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है। खेल युवाओं में उर्जा प्रसारित करने का प्रभावी तरीका भी है। खेल मानव से साधन विकास रणनीति का एक अनिवार्य तत्व होना चाहिए और इस उद्देश्य के लिए युवाओं को आत्मविश्वास, संगठित और सक्षम कार्यबल में बदलने के लिए एक उपकरण के रूप में उपयोग किया जा सकता है,जो राज्य की आर्थिक भलाई और सामाजिक परिवर्तन ला सकता है। खेलो को बढ़ावा देने का उद्देश्य उभरते हुए सामान्य तथा दिव्यांग खिलाड़ियों को बेहतर अवसर प्रदान करने तथा सक्षम बनाने का है।

खेल और स्पोर्ट्स शारीरिक गतिविधि हैं, जो प्रतियोगी स्वभाव के कौशल विकास में मदद करता है। आमतौर पर, दो या अधिक समूह एक दूसरे के साथ मनोरंजन या इनाम प्राप्त करने के लिए दुसरे से प्रतिस्पर्धा करते है। महिलाओ और पुरूषों दोनों के लिए खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है, क्योंकि यह एक व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य, वित्तीय स्थिति को बढ़ावा देता है। यह नागरिकों के चरित्र और स्वास्थ्य के निर्माण के द्वारा राष्ट्र को मजबूती प्रदान करने में महान भूमिका निभाता है। खेल मनुष्य के कार्य करने के तरीकों में गति और सक्रियता लाता है।

"खेल और आराम में करो खेल का चुनाव, खेलो द्वारा विकसित होता शरीर तथा स्वास्थ्य पर पड़ता है इसका अच्छा प्रभाव।।"

खेल के महत्व ओर भूमिका को किसी के भी द्वारा नजर अंदाज नहीं किया जा सकता है, क्योंकि यह वास्तव में बहुत महत्वपूर्ण विषय है। लोग अपने व्यक्तिगत विकास के साथ ही पेशेवर विकास के लिए खेल गतिविधियों में शमिल हो सकते है। यह लड़के और लड़कियों दोनों के लिए अच्छे शरीर का निर्माण करने के लिए बहुत अच्छा है। यह लोगों को मानसिक रूप से सतर्क शारीरिक रूप से सक्रिय ओर मजबूत बनाता है।

"खेलने कूदने का लो संकल्प, स्वस्थ्य रहने का है यही विकल्प"

खेल के दो सबसे अधिक महत्वपूर्ण लाभ अच्छा स्वस्थ्य और शांत मस्तिष्क है। वे और बधिक अनुशासित, स्वस्थ, सक्रिय, समनिष्ठ हो सकते है, और आसानी से व्यक्तिगत व पेशेवर जीवन में किसी भी कठिन स्थिति के साथ सामना कर सकते है। खेलों में नियमित रूप से शामिल होना आसानी से चिंता, तनाव और घबराहट से उबरने में मदद करता है।

"आज के समय में दिख रहा है खेलकूद का अभाव, यही कारण है कि विद्यार्थियों में नही दिख रहा सेहतमंदी का प्रभाव।"

यह शरीर के अंगो के शारीरिक कार्यों को बेहतर बनाता है और इस तरह पूरे शरीर के कार्यो को सकारात्मक रूप से नियंत्रित करता है। यह शरीर के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है और इस प्रकार मन या दिमाग शांतिपूर्ण, तेज और बेहतर एकाग्रता के साथ सकिय रहता है। यह शरीर व मन की शक्ति और उर्जा का स्तर वढ़ा देता है। यह हर किसी को नीरज जीवन से एक अच्छा अन्तराल (ब्रेक) देता है।

"तरह -तरह के खेलों का लोगों के बीच करो प्रचार, क्योंकि ये शरीर के भीतर करते है शक्ति का संचार।"

खेल उज्जवल पेशेवर कैरियर रखता है इसलिए रूचि रखने वाले युवाओं को चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है, और उन्हें तो केवल पूरी लगन के साथ अपनी इस रूचि को नियमित रखना है। यह टीम में सहयोग और टीम निर्माण की भावना के विकास के द्वारा सभी को टीम में संघर्ष करना सिखाता है। खेलों के प्रति अधिक झुकाव एक व्यक्ति और एक राष्ट्र दोनों को स्वास्थ्य और वित्तीय रूप से अधिक मजबूत बनाता है। इसलिए इसे अभिभावकों, शिक्षकों और देश की सरकार के द्वारा अधिक बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

"खेलकूद है स्वास्थ्य का मूल, इनमें भाग लेकर बनाओ जीवन अनूकुल।"

नियमित आधार पर खेल खेलना एक व्यक्ति के चरित्र और स्वास्थ्य निर्माण में मदद करता है। यह आमतौर पर देखा जा सकता है कि युवा अवस्था से ही शामिल रहने वाला एक व्यक्ति बहुत ही साफ और मजबूत चरित्र के साथ ही अच्छे स्वास्थ्य को विकसित करता है। खिलाड़ी बहुत अधिक समय के पावंद और अनुशासित होते है। इस प्रकार हम कह समते हैकि खेल राष्ट्र और समाज के लिए विभिन्न मजबूत और अच्छे नागरिक प्रदान करता है।

शारीरिक शिक्षा में BPES, BPED, MPED, MPHIL, PHD, NSNIS, PGP IN SPORTS MANAGEMENT, MA IN YOGA, BPT, MPT SPORTS की शिक्षा प्राप्त कर प्रशिक्षक, व्यायाम शिक्षक निदेशक, कोच, क्रीड़ा अधिकारी, सहायक संचालक (खेल), संचालक (खेल) आदि पदों पर नियुक्ति के अवसर प्राप्त कर सकते है।

"जीतने वाले कोई अलग काम नही करते, वे हर काम अलग ढंग से करते है।"

अधीर कुमार घोड़ेश्वर (क्रीड़ा अधिकारी)
राजा भोज शासकीय महाविद्यालय कटंगी
जिला बालाघाट (म.प्र.) मो. नं. 9425641680

नैतिक शिक्षा का महत्व

सदाचार

'असतो मा सद्गमय तमसो मा ज्योतिर्गमय'

सुनो, स्वर्ग क्या है? सदाचार है
मनुष्यत्व ही मुक्ति का द्वार है।
सदाचार ही गौरवागार है।
मनुष्यत्व ही मुक्ति का द्वार है।

सहनशीलता - जितने कष्ट कष्टको मे जिनका जीवन
सुमन खिला - गौरव - गंध उतना ही यत्र-तत्र सर्वत्र मिला।।
आत्मविश्वास - अगर तुम ठान लो, तारे गगन के तोड़ सकते है।
अगर तुम ठान लो, तुफान का पथ मोड़ सकते है।
होंगे कोई और किनारो पर बैठे।
मै दौड़ लगाया करता हूँ मझदारो सें।।
सकल पदार्थ है जहॉ माही
कर्महीन नर पावत नहीं।

राष्ट्रप्रेम - जो भरा नही है भावी से, बहती जिसमें रसधार नहीं,
वह हृदय नहीं है पत्थर है जिसमे स्वदेश का प्यार नही।

जागृति गिरी
बी. एस सी द्वितीय वर्ष

समय को नष्ट करती है, चीजें

1. हमेशा टी. वी. देखना।
2. आप अकेलेपन का अनुभव करते है। सिर्फ इसलिए किसी रिश्ते मे रहना।
3. बिना मांगे दूसरो की समस्याएं सुलझाना ।
4. सभी के साथ बहस कर खुद को बेहतर बताना,
5. निरंतर इस बात के लिए शिकायत करतें रहना जो आप भूतकाल में बदल सकते है।
6. किसी ऐसे इंसान से प्यार की उम्मीद करते रहना जो वास्तव में आपसे बिल्कुल प्यार नही करना।
7. सोशल मिडिया (WHATSAPP, FACEBOOK, INSTAGRAM ETC) ये बात जिंदगी में जितनी जल्दी समझ जाएगें उतना ही बेहतर है।

MY DAIRY

1. किताबों में जिंदगी दिखने लग जाती है।
   जब जिंदगी का कोई मकसद हो
   वरना सारी उम्र गुजर जाती है
   किस्मत खराब थी कहते कहते.....
2. दुनिया में कम लोग ही ऐसे होते है.....
   जो जैसे लगते है.....
   वैसे होते है.....।
3. दुनिया का सबसे फायदेमंद सौदा
   बुजुर्गो के साथ बैठना।
   चन्द लम्हों के बदले मे वो आपको वर्षो का तजुर्बा दे देते है।
4. यकीन मानिए बिना CARRIER के ना कोई इज्जत है।
   और न सुख ।
   इसलिए मेहनत कीजिए और बेहतर CARRIER बनाइये।
5. तारिफ चेहरे की नही
   चरित्र की होनी चाहिए
   अच्छा चेहरा बनाने में वस कुछ ही मिनट लगते है।
   लेकिन अच्छा चरित्र बनाने में पुरा जीवन .....!!

GENRAL KNOWLEGE

1. 26 जनवरी 2020 सें दमन दीव दादर नागर हवेली एक हि केन्द्र शासित प्रदेश है।
2. नार्वे वनों की कटाई पर प्रतिवंध लगाने वाला विश्व का प्रयास देश बना।
3. दिल्ली मेट्रो कचरे से निर्मित उर्जा का USE करने वाली पहली मेट्रो बनी।

4. BETTI (COHEN FEMAL) ने CARTON NETWORK का निर्माण किया।
6. ऐडम्स ब्रिज (राम सेतू) भारत व श्रीलंका को जोड़ता है।
6. विराट कोहली भारत के एकमात्र ऐसे खिलाड़ी जिसने पास खुद का जेट (PLAN) है।
7. हाल ही मे ISRO (INDIAN SPEE RISARCH ARGNAI) ने अंतरिक्ष मे भेजे जाने वाले पहले "हाफ हुमेनाइड रोबोट" का अनावरण किया है जिसका नाम व्योममित्र है।
8. भारतीय मुल की अचैना राव न्युयार्क शहर में कोर्ट की जज नियुक्त हुई।
9. 24 जनवरी बालिका दिवस के रूप में मनाया जाता है।
10. 14 फरवरी शहीद दिवस के रूप मे मनाया जाता है।
11. स्टैचू ऑफ युनिटी को आठवॉ अजूबा माना जाता है।
12. सबसे बडा संविधान संशोधन 42 वॉ है उसे लघु संविधान भी कहा जाता है।
13. सविधान के पिता -डॉ. भीमराव आम्बेडकर।
14. संविधान सभा के अध्ययक्षता डॉ. राजेन्दे पेसाद द्वारा की गई थी।
15. संविधान सभा का पहला संशोधन नई दिल्ली में हुआ था।
16. भारत का संविधान बनने में 2 वर्ष 11 माह 18 दिन लगें।
17. अमरूद के सेवन से CENER CELL DAETE होती है।
18. बिच्छु 6 दिनों तक सांस रोक के जिंदा रह सकता है।

AMAZING FACT

1. एक वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार विश्वासघाती लोगो का IQ लेवल कम होता है।
2. अगर कोई व्यक्ति ज्यादा सोता हे तो ये अन्दर से डिप्रेशन व परेशानी का संकेत है।
3. हमारी आंखो में 10 करोड़ 70 लाख CELL होती है।
4. Human hir and finger nails continue to grow after dead-
5. The warld is a cat like slructurre playing with Australia.
6. Never ask :
   - A woman - Her Age.
   - A man - His salary.
   - And student - His percentage.
7. Its is imposible to sneeze with your eye open.
8. When someane apperns in your dream it. mean that person misses you.
9. If you announce your gools to ather you are hers likely to make them happen.

हेमलता चौधरी
बी. एस. सी. प्रथम वर्ष

सुविचार

1. अपना मूल्य समझो और विश्वास करो की तुम
संसार के सबसे महत्वपूर्ण इंसान हो।
2. रिश्ता दिल से होना चाहिए, शब्दों से नहीं,
और नाराजगी शब्दो में होनी चाहिए दिल से नही।
3. परिवार वह सुरक्षा कवच है जिसमें रहकर
हर व्यक्ति शांति का अनुभव करता है
4. प्यार एक ऐसी चीज है जो इंसान को कभी गिरने नही ,
देती और नफरत ऐसी चीज है जो इंसान को उठने नही देती।
जीवन में ये ज्यादा मायने नही रखता की आप कितने खुश है।
बल्कि ये मायने रखता है, कि आपसे कितने खुश है।
5. कोई व्यक्ति इतना अमीर नहीं होता है,
कि वह अपना बिते हुए कल को खरीद सके और
इतना गरीब भी नही होता कि
वह अपना आने वाला कल भी न पा सके।
6. एक इंसान उस वक्त सबसे अच्छा होता है जब
वह कबूल कर लेता है कि उसके भीतर एक
झूठ बोलने वाला आदमी भी है।
7. दुनिया आपको उस वक्त तक नहीं हरा
सकती जब तक आप स्वयं से ना हार जाए।

करिश्मा उके
एम. ए. तृतीय सेमेस्टर

सुविचार

1) कुएं मे उतरने वाली बाल्टी
यदि झुकती है।
तो भरकर बाहर आती है।
जीवन का भी यही गणित है।
जो झुकता है। वह प्राप्त करता है।

2) जो हुआ वह अच्छा हुआ
जो हो रहा है, वह अच्छा हो रहा है।
जो होगा, वह भी अच्छा होगा,
तुम्हारा क्या गया, जो तुम रोते हो?
तुम क्या पैदा किया, जो नष्ट हो गया?
तुमने जो लिया, यही से लिया,
जो दिया, यही पर दिया
जो आज तुम्हारा है,
कल किसी और का था
कल किसी और का होगा।

3) सीढ़ियां उन्हे मुबारक हो
जिन्हे छत तक जाना है।
मेरी मंजिल तो आसमान है।
रास्ता मुझे खुद बनाना है।

4) जन्नत की महलो मे हो महल आपका,
ख्वाबो की वादी मे हो शहर आपका,
सितारो के आंगन मे हो घर आपका,
दुआ है, सबसे खूबसूरत हो हर दिन आपका,
सुप्रभात आप का दिन शुभ हो!

5) रफ्तार जिन्दगी की कुछ यू बनाये रखिये,
दुश्मन कोई आगे निकल न जाये
और दोस्त कोई पीछे घूट न जाये।

सोनिया मेश्राम

AMAZING FACT ABOUT GIRLS

1. महिलाएँ सिर्फ उन्हीं लोगों से बहस करती है जिनकी वो सच में CARE करती है।
2. दिल टूटने से मौत हो सकती है, इसे "STRESS CORDIOMYOPATHY" कहते है।
3. A psychology study suggests that
when you're singal.
all you're see are happy couples,
when you're committed , you
see happy singal,
4. Girls अपने मॉ-बॉप के लिए Princess और Husband के लिए Queen होती है।
5. जब हम अपने Partners के साथ चलते है तो हम धीमे चलनें लगते है।
6. 5 करोड़ लोगों तक पहुंचने के लिए Radio को 38 साल, टी.वी. को 13 साल और Internet को सिर्फ 4 साल लगे।
7. एक Han (मुर्गी) की सबसे लम्बी उड़ान 13 Second दर्ज की गई।
8. जब कोई कहता हैकि मुझे आपसे एक प्रश्न पुछता है। हमे तो हाल में किए गए सारे वुरे काम Second में याद आ जाते है।
9. पढ़ने और बोलने से बच्चों का दिमागी विकास ज्यादा होता है।
10. आप अंतरिक्ष में कभी रो नही सकते, क्योंकि आपके ऑसु नीचे नही गिरेगे।।
11. भारत में हर साल 5 लाख लोगो की मौत, अंग दान की कमी से होती है, 1.30 करोड़ की आबादी होने के बावजूद भारत मे 1% से भी कम लोग अंग दान करते है।
12. wo insaan apki value,
kabhi nahi smjhega,
jiske liye app humesha
Available rahte hai..
13. जिन्हें सपना देखना अच्छा लगता है उन्हे रात,
रात छोटी लगती है और जिनको सपने,
पूरे करना अच्छा लगता है उनको,
दिन छोटा लगता है।
14. जो लोग अंदर से मर जाते है, अक्सर वही दूसरों को जीना सिखाते है।
15. जो लोग ज्यादा Creative होते है, उन्हें ज्यादा सपने आते है।
16. अगर आप अपना फेसबुक अकांउट ओपन इन्टरनेट पर कोई और काम भी कर रहे है, तो फेसबुक आपकी सारी गतिविधि को रिकार्ड कर रहा है।
17. World में 3 देशों में Youtube बैन है- चीन, ईरान, और उत्तर कोरिया।
18. America main 12% seintist india q hai aur nasa main 36% scitist indian hai.
19. अगर आप Google की Search Box में "barrel Role" Type Kre तो Google का Home Page 360' घुम जायेगा।
20. भारत दुनिया का सबसे बड़ा फिल्म निर्माता है।

21. कारगिल यह 18 हजार फीट की उँचाई पर लगाया गया था।
22. कभी-कभी हम किसी के लिए उतने Important भी नही होते जितना हम सोच रहे होते है।
23. दिन प्रतिदिन इन्टरनेट यूज करने वाले युजर्स की संख्या बढ़ती जा रही है और इसी कारण इंटरनेट पर प्रति सेकेण्ड लगभग 27 हजार GB का टैफिक आता है।
24. 1932 में भारत ने पहला TEST MATCH खेला।
25. दुनिया में सबसे ज्यादा स्विट्जरलैण्ड में CHOCOLATE खाई जाती है।
26. SAB BADAL JATE HAI WAQT KE SATH SATH LOG BHI RISHTEY BHI, ESHAS BHI AUR KABHI HUM KHUD BHI.

हेमलता चौधरी
वी. एस. सी. प्रथम वर्ष

"नारी की महानता"

नारी का जीवन गुलाब के पुष्प की तरह कोमल और महान है। जिस प्रकार गुलाब का पुष्प कांटो से घिरा होता है गुलाब का पुष्प कांटो में रहने पर भी खुशबू बिखेरता है उसी प्रकार नारी भी कठिनाईयों का सामना हँसते - हँसते करती है एवं दूसरो के लिए खुशियां बिखेरती है।

गुलाब का पुष्प सूख जाने पर भी उसकी खुशबू कम नहीं होती उसकी खुशबू वैसी ही बनी रहती है। उसी प्रकार नारी के जीवन में दुःख आने पर भी वो हारती नही अपने कर्तव्य को पूरा करती है। वह कभी भी अपने को कमजोर नही समझती । वह अपने दुःख को दुनिया से छिपाकर आगे ही आगे बढती है नारी अपने जीवन मे सिर्फ दूसरों के लिए ही जीना चाहती है, वह अपने आप के लिए कभी नहीं जीती। इसलिए नारी को महान एवं त्याग की मूर्ति माना जाता है वह दूसरों के सुख में अपना सुख देखती है जिस प्रकार फूलों के बगीचे की शोभा गुलाब का फूल बढाता है, उसी प्रकार नारी बिना संसार सूना लगता है, नारी का जीवन त्याग और बलिदान का जीवन माना जाता है, नारी की महानता उसके चेहरे पर झलकती है नारी की महानता के कारण ही आज संसार में सुख-शांति देखने को मिलती है, नारी को जीवन मे कष्टों का सामना करना पड़ता है । नारी ना कभी अपने लिये जीती है ना जियेंगी।क्योंकि एक महान नारी का जीवन दूसरों को सुख देना होता है। दुःख देना नही ये सभी विशेषताएं नारी के जीवन को महान बनाती है।

"घर का बोझ नहीं होती है नारी
बल्कि ढ़ोती है, घर का सारा बोझ नारी
फूलों की शान होती नारी
त्याग की मूर्ति होती है नारी"

वो है तो सलामत है आपके कुर्ते के सारे बटन बची उसकी धवलता उनके होने से चलते है आपके हाथ और आपकी आंखे ढूंढ लेती है अपनी गुम हो कलम, घड़ी हो या चश्मा हो, या अखबार हो या किताबें, कोट और जूते, सब कुछ होता यथावत वेतरतीब बिखरी नही होती है ।

अबला ना समझो हमको हम भारत की नारी है।
कोमल -कोमल फूल नही ज्वाला है चिंगारी है।

रोहिणी भगत
बी. ए. प्रथम वर्ष

पूर्णिमा भगत
बी. ए. तृतीय वर्ष

जिंदगी का सच

यह है जिंदगी का सच
जो चाहा कभी पाया नहीं।

जो पाया कभी सोचा नहीं,
जो सोचा कभी मिला नहीं।

जो मिला रास आया नहीं,
जो खोया वो याद आता है,
पर वो पाया संभाला जाता नहीं।

क्यों अजीब भी पहली है जिंदगी,
जिसको कोई सुलझा पाता नहीं।

जीवन में कभी समझौता करना पड़े तो
कोई बड़ी बात नहीं है,
क्योंकि झुकता वही है जिसमे जान होती है,
अकड़ तो मुर्दे की पहचान होती है।

जिंदगी जीने के 2 तरीके होते हैं,
पहला जो पंसद है, उसे हासिल करना सीख लो,
दूसरा जो हासिल है, उसे पसंद करना सीख लो।

जिंदगी जीना आसान नही होता,
बिना संघर्ष कोई महान नहीं होता।

जब तक न पढ़े हथोड़े को चोट,
पत्थर भी भगवान नहीं होता।

जिंदगी बहुत कुछ सिखाती है,
कभी हंसाती है तो कभी रूलाती है।

पर जो हर हाल मे खुश रहते है,
जिंदगी उनके आगे सर झुकाती है।

चेहरे की हंसी से हर गम चुराओ
बहुत कुछ बोलो पर कुछ न छुपाओ।

खुद न रूठो कभी पर सब को मनाओ
राज है ये जिंदगी का बस जीते चले जाओ।
यही है जिंदगी का सच।

श्रध्दा विश्वकर्मा
बी.ए तृतीय वर्ष

मजेदार चुटकुले

1) पेपर देते समय एक बच्चा गुमशुम था ।
टीचर : तुम कन्फ्यूज क्यों हो ???
बच्चा चुप रहा !!!!
टीचर : क्या तुम अपनी रोल नंबर स्लीप घर भुल गए हो?
बच्चा फिर चुप रहा.....
टीचरः क्या तुम्हारी तबीयत खराब है?
बच्चा : चुप हो जा मेरी माँ.....
इधर मैं पर्चियां गलत पेपर की ले आया हूँ.
और तुझे पेन और रोल नंबर की पड़ी है।

2) पप्पु (डॉक्टर से):क्या दुध पीने से रंग गोरा होता है।
डॉक्टर : हॉ होता है।
पप्पू : यार आपको डॉक्टर किसने बना दिया?
डॉक्टर : क्यों क्या हुआ ?
पप्पूः अगर दूध पीने से रंग गोरा होता तो फिर भैस का बच्चा काला क्यों होता है?

3) रेल्वे स्टेशन पर एक चाय वाले ने सुन्दर लड़की देखी, बोलाः
भोली सी सूरत, आंखो मैं मस्ती,
दुर खड़ी शरमाए, आए हाए,
लड़कीः बंदर सी सूरत, हाथ में केतली दुर खड़ा चिल्लाए, चाय-चाय.....

4) सुनाता हूँ अपने स्कुल के प्रेम की कहानी,
एक थी Topper जो थी Percentage की रानी ,
फिर क्या हमने पटा ली, और फेल हो गयी महारानी।

5) जिस तरह अच्छी हवा, अच्छा
खानपान किसी भी इंसान के सेहत
मंद रहने के लिए जरूरी होता है उसी
प्रकार आपकी हंसी भी आपको स्वस्थ
रखने मे अहम भूमिका निभाती है।
अगर आप सुबह-शाम हंसने की आदत
डाल लें तो कोभी बीमारी,
चाहे मानसिक हो या नही आएगी।

वैशाली सुखदेवे
बी. एस. सी प्रथम वर्ष

सुविचार

ईश्वर आपका कभी बुरा नहीं करेगा
बुरे वक्त से कभी मत घबराना
क्योकि जिंदगी अचानक कहीं से भी अच्छा मोड़ ले सकती है।

स्वार्थ के पीछे भागने वाली ये दुनिया
किसी के लिए भी नही रूकती
हमे खुद रोकना पड़ता है।,
इस दुनिया में सबसे
बड़ा योध्दा माँ होती है।

नाखून बढ़ने पर नाखून ही काटे जाते है
उगलियॉ नही इसी तरह रिश्ते मे दरार आए
तो दरार को मिटाइये रिश्ते को नही।

अगर बिकी तेरी दोस्ती तो पहले खरीददार हम होगे ।
तुझे खबर न होगी तेरी किस्मत, पर तुझे पाकर सबसे अमीर हम होंगे।
दोस्त साथ हो तो रोने मे भी शान है।
दोस्त ना हो तो महफिल भी शमशान है।
सारा खेल दोस्तो का है मेरे दोस्त ,
वरना जनाजा और बारात,
एक ही समान है।

गंदगी तो न -देखने वाले
की नजरो मे होती है।
वरना कचरा चुनने वाले को तो
उसमे भी रोटी ही नजर आती है।

वक्त और किस्मत पर कभी घमण्ड मत करना
क्योंकि सुबह उनकी भी होती है।
जिनके दिन खराब होते है।

किसी के पैरों में गिरकर कामयाबी पाने के बदले,
अपने पैरों पर चलकर कुछ बनने की ठान लो,
जलील ना किया करो किसी फकीर को,
ए दोस्त वो भीख लेने नहीं तुम्हें
दुआएँ देने आता है।

8. खामोश बैठे हैं तो
लोग कहते है कि
उदासी अच्छी नही
और जरा सा हँस ले तो
लोग मुस्कुराने का कारण पूछ लेते है।

9. इंसान की अच्छाई पर सब खामोश रहते है।
लेकिन चर्चा अगर उसकी
बुराई पर हो तो गूंगे भी बोल पड़ते है।

10. खटकता तो उनको हूँ साहब
जहा मै झुकता नही
बाकी जिन को अच्छा लगता हूँ
वो कही झुकने भी नही देते।

अनमोल वचन

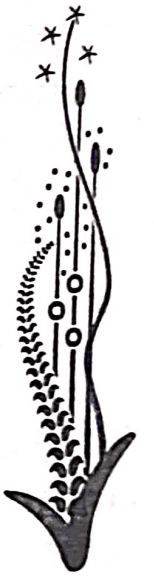

छोटे थे तब हर बात भूल जाया करते थे।
तो दुनिया कहती थी की याद रखता सीखो
पर अब बड़े हुए तो हर बात याद रहती है।

तो दुनिया कहती है भूलना सीखो
मेरी छोटी सी जिंदगी से मुझे बहुत
बड़ा सबक मिला है।

कि रिश्ता सब से रखना लेकिन उम्मीद किसी
से नहीं जिंदगी में होते है कुछ लोग ऐसे जिन्हे
जितना भी अपना बनाने की कोशिश कर
लो, मगर व साबित कर देते हैं कि वो गैर ही है।

इस दुनिया में फ्री में सिर्फ माँ- बाप का ही प्यार मिलता है,
इसके बाद हर रिश्ते के लिए कुछ न कुछ चुकाना पड़ता है।

गलती पर साथ छोड़ने ,
वाले तो बहुत है पर गलती
पर समझा कर साथ निभाने
वाले बहुत कम है।

विद्या चौरे
एम. ए. तृतीय सेमेस्टर

"SUMMARY"

The cherrry tree is a beautiful shart story that closely follouls the greruth of a cherry tree planted by a small boy . The sorroul cddaused by the destruction of the tfee the child by his grand father the reilard of the fatienle received by the small boy in form of sulect cherries. suceed in carying a frofound message of love of the story highty philasofhical

"It his qwhat it feels like to be god"

summary

robert frkost's this is one of the most pofular form .It is very tyfical of frost .It starts with a concrete sitration from the ordinarty life of an ordinary man .

The poet says that he knows the name of the person who owns this forest thrught his houre is in a neardy . village at the moment shout is falling and his house think is starnage that the should stay. at place at such a time.

this is the darkest evening of the year so the horse moves his week to warun the poet- This was the only sound other than the poet says that before the sleeeps he has much wark to snowly evening is a pastaral poem that, begins as a simpal

"summary"

The cherry tree is a beautiful short story that closely followls the growth of a cherry tree . the seeds ofr which were planted by a small boy . The act of patierce incoucadted in the child by his grand father . the child by his grand father the realard of the patienle received by. the small boy in form of small cherries suceed in garrying a frufound message of love of the story of highty philosofhical.

"It his what it feels like to be God"

टैनू परिहार
वी. कॉम तृतीय वर्ष

CAREER

खुद को व्यक्त करने का तरीका
अगर आप जीवन में खुद को व्यक्कत करने का तरीका खोज रहे है तो आपको कुछ खास व्यक्त का रखना चाहिए।

1. क्या है आपका लक्ष्य :-

अपने जीवन के मकसद को व्यक्त करने का आसान तरीका है कि आप अपने जीवन के लक्ष्य और रास्तो को नोट कर ले।

2. जीवन को प्रेरणा बनाए:-

खुद को 90वे जन्मदिन के बारे में विचार करे आप वहा मौजुद लोगो से क्या कहना चाहते है? आपके जाने के बाद लोगो को आपसे क्या प्रेरणा मिलेगी? काम परिवार या समुदाय से जूड़ी विरासत आपका मिशन हो सकता है।

3. जीवन का सार क्या है :-

आपने जिन रास्तो को चुना है जो आपकी पंसदीदा यादे व उपलब्धि है, उनके सबके बीच में आपके होने का सार क्या है।

सर रिचर्ड ब्रानसन कहते है कि जीवन का आनंद ले और गलतियो से सीखते रहे। यही जीवन का सार है।

फिरोज शेख
वी.एस सी द्वितीय वर्ष

सुविचार

1. एक बेटी से पूछा गया,
आँसू देने वाला करीब होता है,
या आँसू पोछने वाला?
बेटी का सुन्दर जवाब,
दोनो ही करीब होते हैं,
आँसू देने वाला अपने घर से विदा करता है और
आँसू पोछने वाला अपने घर ले जाता है।

2. जिंदगी की परीक्षा कितनी वफादार होती है, उसका
पेपर कभी लिक नहीं होता, क्या खुब लिखा है,
किसी ने संगत का जरा ध्यान रखना साहब, संगत
आपकी खराब होगी और वदनाम मॉ-बाप व उनके दिए संस्कार होगे।

3. प्रेरणा वो नहीं है जिसने 20 हजार मजदुरों से अपनी प्रेमिका
के लिए महल बनवाता और हाथ कटवा दिए.....
प्रेरणा उनसे लो जिन्होने अपने माता-पिता के एक वचन के लिए
14 वर्षो का वनवास काटा ।
" जय श्री राम"

4. हंसता हुआ चेहरा आपकी शान बढ़ाता है, मगर
हंसकर किया गया कार्य आपकी पहचान बढ़ाता है।
कौन कहता है कि इंसान खाली हाथ आता है,
और खाली हाथ जाता है, ऐसा नहीं है.....
इंसान भाग्य लेकर आता है, और कर्म लेकर जाता है।

5. पेड़ कभी डाली काटने से नही सुखता, पेड़ हमेंशा जड़
काटने से सुखता है, वैसे ही इंसान अपने कर्म से नहीं,
बल्कि अपनी छोटी सोच और गलत व्यवहार से हारता है।

6. सफलता की कहानी से अच्छा असफलता की कहानी पढ़ना चाहिए
क्योंकि सफलता की कहानी से आपको एक ही संदेश मिलेगा.....
और असफलता की कहानी से सफल होने के कुछ विचार मिलेगें।

7. Ek baat ..... Gussa करने के बदले रो लेना चाहिए,
क्यूकि Gussa दुसरों को तकलीफ देता है।
जबकि ऑसु बहुत Relax फिल करा देते है।

8. Ek baat bolu ..... life में किसी के पीछे ज्यादा मत पड़ो,
इससे उसके दिल में आपके लिये कोई जगह तो बनेगी नही,
पर आप - अपनी Self-Respact खो दोगें।

9. लफ्ज ही ऐसी चीज है जिसकी वजह से इंसान या तो दिल
में उतर जाते है या दिल से उतर जाते है।

10. जिंदगी में अपने -पन का पौधा लगाने से पहले जमीन
परख लेना चाहिए, क्योंकि हर एक मिट्टी
की फितरत में वफा नहीं होती।

11. नहीं और हॉ ये दो छोटे शब्द है लेकिन ये बोलने से
पहले बहुत सोचना पड़ता है.....
हम जिंदगी में बहुत सी चीजे खो देते है ना बोलते पर
और हॉ देर से बोलने पर।

12. मॉ से बड़ा कोई हमदर्द और बाप से
बड़ा कोई हम - सफर नही होता.....।

13. उस इंसान पर भरोसा करो जो आपके अंदर तीन
बातें जान सके.....
मुस्कुराहट के पीछे का दर्द
गुस्से के पीछे का प्यार
चुप रहने के पीछे की वजह,

प्राची पटले
बी. एस सी प्रथम वर्ष

मेरे सपने

होगे कब सपने मेरे पूरे,
मन की ये आवाज है
कब मिलेगा वो सब मुझको ,
जिसका न आवाज है।

सपनों ने मेरी नीदें लूट ली,
चैन भी मेरा छीन लिया,
इन सपनो ने सपने में भी ,
चैन से न जीने दिया।

और कितना ये तड़पायेंगे,
इसका न अंदाज है,
कब मिलेगा वो सब मुझको
जिसका न आवाज है।

सुनकर मेरे सपनों को बस ,
दुनिया सारी हॅसती है
बिन पंखो की कहकर मुझको
ताने देती रहती है।

क्यों करती है ये सब दुनियॉ
इसका कोई न राज है
कब मिलेंगा वो सब मुझको
जिसका न आवाज है।

नहीं सहारा कोई मुझको
अब तक गिरता रहा हूँ मैं
सब तो जाते है आगे
अब तक डूबता रहा हूँ मैं

मंजिल मक पहुचाएँ जो मुझको
आशा ही वो जहाज है
कब मिलेगा वो सब मुझको
जिसका न आवाज है।

मेरे सपने पूरे कर दो
ऐसा नही मैं कहता हूँ
मुझको बस हिम्मत दे दो
इतना ही तो मै कहता हूँ।

रूठना न तुम मेरे भगवान
सारी दुनिया नाराज है
कब मिलेगा वो सब मुझको
जिसका न आगाज है।

मिलेगे मुझको मेरे सपने
मेरे दिल की ये आगाज है
कब मिलेगा वो सब मुझको
जिसका न आगाज है।

होगे चुप ये दुनियॉ वाले
देख मुझे जो हॅसते है
बिन पंखो का कहकर मुझको
हर पल हॅसते रहते है।

होगे कब सपने मेरे पूरे
मन की ये आवाज है
कब मिलेगा वो सब मुझको
जिसका न आगाज है।

"हर सपनों को अपनी सांसो में रखो
हर उम्मीद को अपनी बाहों मे रखों
हर कदम पर जीत तुम्हारी होगी
बस मंजिल को अपनी निगारो मे रखो"

अश्विनी हनवत
बी.ए. तृतीय वर्ष

राजा भोंज शासकीय महाविद्यालय कटंगी, जिला-बालाघाट

क्रीड़ा विभाग

वार्षिक प्रतिवेदन (2019 -20)

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के खेल केलेण्डर 2019 -20 के परिपालन मे महाविद्यालय में अध्ययनरत नियमित विद्यार्थियों की महाविद्यालय, संभाग, राज्य एवं अन्तर विश्वविद्यालय स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजित की जाती है। जिसके अंतर्गत महाविद्यालय स्तर पर कवड्डी, खो - खो, व्हालीवाल, फुटबाल, क्रिकेट, एथलेटिक्स, बेडमिंटन, आदि प्रतियोगिता आयोजित कर जिला स्तरीय प्रतियोगिता हेतु जिले से संभाग स्तर पर एवं संभाग से राज्य स्तर पर विद्यार्थियों का चयन किया जाता है। जिसका निम्नानुसार है:-

जिला स्तर पर

क्र.	विधा का नाम	सम्मिलित विद्यार्थियों की संख्या	प्राप्त स्थान
1	खो - खो (महिला)	12	विजेता
2	कबड्डी (महिला)	11	सहभागिता
3	कबड्डी (पुरूष)	09	सहभागिता
4	क्रिकेट (पुरूष)	16	सहभागिता

संभाग स्तर पर

क्र.	विधा का नाम	सम्मिलित विद्यार्थियों के नाम	कक्षा	प्राप्त स्थान
1	खो-खो (महिला)	कु. संगीता परते	एम.एस.सी. तृतीय सेमे.	सहभागिता
2		कु. निशा कोवाचे	बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष	सहभागिता
3		कु. सरिता राउत	बी.ए. द्वितीय वर्ष	सहभागिता
4	कबड्डी (महिला)	कु. रितु मर्सकोले	बी.ए.	सहभागिता
5	क्रिकेट (पुरूष)	शुभम मेघानी	बी.कॉम. द्वितीय वर्ष	सहभागिता

जिला स्तरीय अधिकारी /कर्मचारी खेलकूद प्रतियोगिता में महाविद्यालय से निम्नांकित अधिकारी / कर्मचारी सम्मिलित हुए :-

जिला स्तर पर

क्र.	विधा का नाम	अधिकारियों के नाम	पदनाम	प्राप्त स्थान
1	शतरंज	डॉ. प्रमोद कुमार मेश्राम	सहायक प्राध्यापक	सहभागिता
2	बेडमिंटन	सुश्री कविता अहिगारे	सहायक प्राध्यापक	सहभागिता
3		श्री अधीर कुमार घोड़ेश्वर	क्रीडा अधिकारी	सहभागिता
4		डॉ. प्रभात सिंह ठाकुर	ग्रंथपाल	सहभागिता
5		डॉ. इंदू डावर	सहायक प्राध्यापक	सहभागिता
6		श्रीमती शीतल गुजरे	सहायक प्राध्यापक	सहभागिता

संभाग स्तर पर

क्र.	विधा का नाम	अधिकारी का नाम	पदनाम	प्राप्त स्थान
1	बेडमिंटन	श्री अधीर कुमार घोड़ेश्वर	क्रीड़ा अधिकारी	सहभागिता

क्रीड़ा अधिकारी

राजाभोज शासकीय महाविद्यालय, कटंगी (बालाघाट)

महाविद्यालय के गौरव

जिला स्तरीय खो-खो विजेता टीम

युवा उत्सव 2019 - 2020

मध्यप्रदेश उच्चशिक्षा विभाग द्वारा निर्देशित युवा उत्सव

सत्र् 2019 -2020 में राजा भोज शासकीय महाविद्यालय द्वारा साहित्यिक /सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन किया गया । इन प्रतियोगिता में छात्र -छात्राओं ने भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

जिला स्तरीय प्रतियोगिता में महाविद्यालय के निम्न छात्र - छात्राओं द्वारा प्रतिनिधित्व किया।

	विधा का नाम	छात्र/छात्राओं का नाम
1.	एकल गायन	रोशनी अगासे
2.	समूह गायन	कु. रोशनी अगासे , कु. अक्षिता मेश्राम,कु.दीक्षाकटरे, कु.वर्षा अगासे
3.	स्किट	कु. अक्षिता मेश्राम, कु.आरती मासूरकर,कु. रोशनी अगासे, कु.सविता सहारे
4.	रंगोली	कु.प्रियंका मासुरकर, कु.अंशु बिसेन
5.	स्फट पेन्टिग	विरेन्द्र नेवारे -प्रथम स्थान
6.	कोलाज	अभिषेक रांहागडाले,
7	क्ले मात्र लिग	चन्द्रकांत सोनवानी-प्रथम स्थान
8.	कार्टून	अभिषेक राहांगडाले
9.	पोस्टर	आरजू बिसेन
10.	वाद विवाद पक्ष	अभिषेक रांहागडाले
11.	वाद विवाद विपक्ष	तुषार उके
12.	प्रश्न मंच	सौरभ तहेकार,कु. हेमलता चौधरी,
13.	लोकनृत्य	कु.दीप्ती विश्वकर्मा,कु.सविता कटंगकार,कु.हिमांशी कनौजे, कु.सरगम कनौंजे,कु.तनु विश्वकर्मा,कु.सृष्टि हिरकने, कु. शिखा विश्वकर्मा

सांस्कृतिक विधाओ में श्री आशीष सूर्यवंशी(ढोलक), श्री खुमानसिंह (नगाड़ा), नरेन्द्र हिरकने (तबला) एवं श्री मिलिन्द हिरकने कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने में श्री दीपक हिरकने एवं डॉ. कुसुम लता उइके को सहयोग प्रदान किया।

:: प्रभारी युवा उत्सव ::
डॉ. श्रीमती कुसुम लता उइके

:: सांस्कृतिक प्रभारी ::
दिपेन्द्र हिरकने

प्रकृति और मानव पर प्रभाव

कोरोना वायरस वैश्विक महामारी 2019-20

कोरोना वायरस विश्व महामारी 2019-20 की शुरूआत एक नये किस्म के कोरोना वायरस (COVID-19) के संक्रमण के रूप में मध्यचीन के वुहान शहर में 2019 के दिसंबर माह में हुआ। चीनी वैज्ञानिकों ने बाद में कोरोना वायरस की एक नई नस्ल की पहचान की जिसे 2019-NCOV प्रारंभिक नाम दिया।

सड़कें वीरान तो हैं, मगर मंज़र साफ हो गया। सड़क किनारे लगे पौधे साफ और फूलों से गुलजार हो गये। यमुना नदी तो इतनी साफ हो गई कि सरकार हजारों करोड़ों खर्च करके भी जो काम नहीं कर पाई लॉकडाउन के 21 दिनों ने वो कर दिखाया। ऐसी ही तस्वीर दुनिया के तमाम दूसरे शहरों में भी देखने को मिल रही है। इसमें शक नहीं कि नया कोरोना वायरस दुनिया के लिए काल बनकर आया है। अमेरीका जैसे सुपर पावर देश की हालत खराब दी है इन चुनौतियों के बीच एक बात सौ फीसदी सच है, कि दुनिया का ये लॉकडाउन प्रकृति के लिए बहुत मुफीद साबित हुआ है, वातावरण धुलकर साफ हो चुका है, हालांकि ये तमाम कवायद कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए है।

कोरोना वायरस की महामारी ने ना जाने कितनों से उनके अपनों को हमेशा के लिए जुदा कर दिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर इसका बहुत नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। ना जाने कितनों का रोजगार खत्म हुआ है। अर्थव्यवस्था पटरी पर कब लौटेगी भी कहना मुश्किल है, लेकिन इस महामारी ने एक बात साफ कर दी कि मुश्किल घड़ी में सारी दुनिया एक साथ खड़ी होकर एक दूसरे का साथ देने के लिए तैयार है। तो फिर क्या यही जज्बा और इच्छा शक्ति हम पर्यावरण बचाने के लिए जाहिर नहीं कर सकते? हमें उम्मीद है इस समय का अंधकार हम स्वच्छ और हरे - भरे वातावरण से मिटा देंगे।

"होके मायूस न ढलते रहिए, सूरज की तरह सदा निकलते रहिए।
सदैव नहीं रह सकती अमावस की रात डाली, पूनम का चांद भी खिलेगा बस इंतजार करते रहिए।

कविता अहिगारे
सहा. प्राध्यापक हिन्दी

कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकें।

लक्षण :- खाँसी बुखार साँस लेने में तकलीफ

वायरस संक्रमण से बचने के लिये

जिस व्यक्ति में खांसी, जुकाम और बुखार के लक्षण हो, उससे दूरी बनाएं।

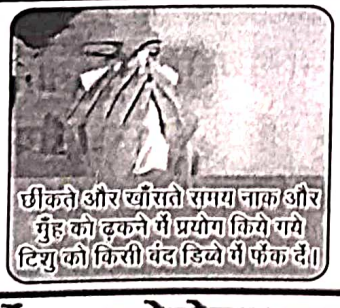
छींकते और खाँसते समय नाक और मुँह को ढकने में प्रयोग किये गये टिशु को किसी बंद डिब्बे में फेंक दें।

नियमित रूप से साबुन और पानी से हाथ धोएं

भीड़ - भाड़ वाली जगह से बचें अनावश्यक यात्रा न करें।

सावधानी रखें :- कोरोना वायरस से बचें। खाँसी, बुखार या साँस लेने में परेशानी है तो चिकित्सक से उपचार लें।

हाथ मिलाने के बजाए नमस्ते करें।

महाविद्यालय परिवार

क्रमांक	नाम		पद
1.	प्रो. अनिल कुमार शेण्डे	-	प्रभारी प्राचार्य
2.	डॉ. कुसमलता उइके	-	सहा. प्रा. अर्थशास्त्र
3.	डॉ. प्रमोद कुमार मेश्राम	-	सहा. प्रा. भौतिकी
4.	सुश्री कविता अहिगारे	-	सहा. प्रा. हिन्दी
5.	डॉ. भावना डावर	-	सहा. प्रा. जन्तुविज्ञान
6.	डॉ. इन्दु डावर	-	सहा. प्रा. वाणिज्य
7.	श्री भीवेन्द्र धुर्वे	-	सहा. प्रा. वाणिज्य
8.	डॉ. निखत खान	-	सहा. प्रा. राजनीतिशास्त्र
9.	श्री पवन सोनी	-	सहा. प्रा. समाजशास्त्र
10.	श्रीमती शीतल गुजरे	-	सहा. प्रा. रसायन
11.	श्री स्वप्निल सुरेश पाटिल	-	सहा. प्रा. रसायन
12.	श्री सुरेश रावत	-	सहा. प्रा. वनस्पति शास्त्र
13.	डॉ. वर्षा चौहान	-	सहा. प्रा. गणित
14.	डॉ. नरेश कुमार बेरवाल	-	सहा. प्रा. गणित
15.	श्री शुभम नामदेव	-	सहा. प्रा. गणित
16.	श्री पवन शर्मा	-	सहा. प्रा. रसायन
17.	डॉ. दीपक कुमार	-	सहा. प्रा. रसायन
18.	श्री अधीर घोड़ेश्वर	-	क्रीड़ा अधिकारी
19.	डॉ. प्रभात कुमार ठाकुर	-	ग्रंथपाल
20.	श्री राजू विश्वकर्मा	-	अतिथि विद्वान वनस्पति शास्त्र
21.	श्रीमती शुभ्रा तिवारी	-	अ. वि. अंग्रेजी
22.	श्रीमती ममता घर्डे	-	अ. वि. जन्तु विज्ञान
23.	डॉ. विष्णुदेव प्रजापति	-	अ. वि. जन्तु विज्ञान
24.	श्रीमती सालेहा अख्तर	-	अ. वि. जन्तुविज्ञान
25.	श्रीमती मोनिका सोनी	-	अ.वि. रसायन

26.	डॉ. रविन्द्र प्रसाद अहरवाल	-	अ.वि. वनस्पति शास्त्र
27.	श्री भगवानदीन साकेत	-	अ.वि. गणित
28.	श्री धीरेन्द्र कुमार चौधरी	-	अ.वि. जन्तु विज्ञान
29.	डॉ. आशुतोष नारायण द्विवेदी	-	अ.वि. वनस्पतिशास्त्र
30.	डॉ. रीना मिश्रा	-	अ.वि. वनस्पति शास्त्र
31.	श्रीमती रागिनी गुप्ता	-	अर्थशास्त्र (ज.भा.स.)
32.	श्रीमती अनिता देशमुख	-	समाजशास्त्र (ज.भा.स.)
33.	श्री मिलीन्द हिरकने	-	राजनीति शास्त्र (ज.भा.स.)
34.	श्री दीपेन्द्र हिरकने	-	उद्यमिता विकास (ज.भा.स.)
35.	श्री कुलदीप देशमुख	-	पर्यावरण अध्ययन (ज.भा.स.)
36.	श्री चन्द्रकांत तिवारी	-	कम्प्यूटर (ज.भा.स.)
37.	श्री थानसिंह पारधी	-	सहा. ग्रंथालय (ज.भा.स.)
38.	श्री योगेन्द्र गजभिये	-	प्रयोगशाला तकनीशियन (ज.भा.स.)
39.	श्री विशाल पटले	-	प्रयोगशाला तकनीशियन (ज.भा.स.)
40.	श्री सतीश गढ़पाल	-	प्रयोगशाला परिचारक (ज.भा.स.)
41.	श्री मनोज चौहान	-	कम्प्यूटर ऑपरेटर (ज.भा.स.)
42.	श्री डी.एस. इड़पाची	-	सहा. ग्रेड - 2
43.	श्री अनिल कुमार भागड़कर	-	सहा. ग्रेड - 3
44.	श्री एस. एल. बिरनवार	-	प्रयोगशाला तकनीशियन
45.	श्री श्यामलाल मरकाम	-	प्रयोगशाला परिचारक
46.	श्री महेन्द्र पटले	-	भृत्य
47.	श्री दवन लाल ठाकरे	-	भृत्य
48.	श्री देवेन्द्र मेश्राम	-	चौकीदार
49.	श्री लक्ष्मण सोनटक्के	-	सफाईकर्मी

रेड रिबन

गणतंत्र दिवस समारोह

वार्षिक सम्मेलन

व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ समारोह

जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता

जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता

वार्षिक स्नेह सम्मेलन

वार्षिक स्नेह सम्मेलन मे स्टॉल प्रतियोगिता

फोन: 07032-240304